मंगलवार, 10 फरवरी 2026

मौसम

तापमान 16 – 28
आर्द्रता 38%
सूर्योदय: 06:12 सूर्यास्त: 17:30

ॐ विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव।।

Epaper.samagya.in

समाज्ञा

स्थानीय खबरें पृष्ठ तीन, चार और पांच पर

कोलकाता, फाल्गुन कृष्णपक्ष अष्टमी, वि.स. 2082, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये

सुविचार : मुस्कान वो मनोहर चाबी है जो कि हर दरवाजे का ताला खोल सकती है।

आयकर की दरों में बदलाव नहीं होने से मध्यम वर्ग निराश : राघव चड्ढा पृष्ठ 7

CBC 06124/13/0005/2526

AI IMPACT SUMMIT भारत 2026 INDIA

सर्वजन हिताय | सर्वजन सुखाय
WELFARE FOR ALL | HAPPINESS OF ALL

3 मार्गदर्शक सूत्र
मानव । पृथ्वी । प्रगति
16 से 20 फरवरी 2026 | नई दिल्ली, भारत

एक ऐसे भविष्य को संवारना, जहाँ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) का परिवर्तनकारी प्रभाव मानवता की सेवा करे और पृथ्वी का संरक्षण करे।

कार्यक्रम का सीधा प्रसारण देखें

बंगाल में बढ़ाई डेडलाइन, डीजीपी को भी नोटिस जारी

एसआईआर में कोई रुकावट बर्दाश्त नहीं करेंगे : सुप्रीम कोर्ट

- 'बंगाल में एसआईआर को बाधित करने के जानबूझकर प्रयास किये जा रहे', चुनाव आयोग ने कहा
- 'ईआरओ ही लेगा अंतिम फैसला', माइक्रो ऑब्जर्वर की भूमिका पर सुप्रीम कोर्ट ने दिया निर्देश

नयी दिल्ली/कोलकाता : उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को राज्यों को स्पष्ट कर दिया कि वह मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कवायद में किसी को भी बाधा डालने की अनुमति नहीं देगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने कहा कि वह इस मामले में आवश्यक आदेश या स्पष्टीकरण जारी करेगी। पीठ ने राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को निर्वाचन आयोग के इन आरोपों के सिलसिले में हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया कि कुछ शरारती तत्वों ने उसकी ओर से जारी नोटिस जला दिए हैं। पीठ ने एसआईआर कवायद के लिए पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से निर्वाचन आयोग को ग्रुप-बी के 8,505 अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराए जाने का संज्ञान लिया। उसने कहा कि इन अधिकारियों को एसआईआर प्रक्रिया में प्रशिक्षित और नियोजित किया जा सकता है। पीठ ने प्रभावित व्यक्तियों की ओर से पेश दस्तावेजों की जांच के लिए समय सीमा 14 फरवरी से एक सप्ताह आगे बढ़ा दी। उसने कहा कि इस प्रक्रिया में कुछ समय लगने की संभावना है और समस सीमा बढ़ाने से मतदाता पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को उचित फैसला लेने में मदद मिलेगी। पीठ पश्चिम बंगाल में एसआईआर प्रक्रिया को लेकर दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इनमें राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की याचिका भी शामिल है, जिसमें एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से बड़ी संख्या में लोगों के नाम हटाए जाने की आशंका जाहिर की गई है। पीठ ने कहा कि हम किसी को भी एसआईआर प्रक्रिया में बाधा डालने की अनुमति नहीं देंगे। राज्यों को यह बात स्पष्ट हो जानी चाहिए। निर्वाचन आयोग ने अपने अतिरिक्त हलफनामे में कहा कि पश्चिम बंगाल में एसआईआर कवायद को पटरी से उतारने, पंगु बनाने और विफल करने के लिए जानबूझकर एवं सुनियोजित प्रयास किए जा रहे हैं। पीठ ने विभिन्न निर्देश जारी करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल सरकार ने निर्वाचन आयोग को ग्रुप-बी के जिन 8,505 अधिकारियों की सूची उपलब्ध कराई है, उन्हें एसआईआर प्रक्रिया में प्रशिक्षित और नियोजित किया जा सकता है। उसने राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि ये 8,505 अधिकारी मंगलवार को शाम पांच बजे तक जिला निर्वाचन अधिकारी या ईआरओ के समक्ष ड्यूटी पर रिपोर्ट करें। पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग के पास मौजूदा ईआरओ या सहायक मतदाता पंजीकरण अधिकारी (एईआरओ) को बदलने और इन अधिकारियों की उपयुक्तता के आधार पर इनकी सेवाएं लेने का अधिकार होगा। उसने कहा कि निर्वाचन आयोग इन 8,505 अधिकारियों के बायोडाटा और कार्य अनुभव की जांच करने के बाद इनमें से, पहले से ही कार्यरत सूक्ष्म-पर्यवेक्षकों की संख्या के बराबर अधिकारियों का चयन भी कर सकता है। पीठ ने कहा कि इन अधिकारियों को ईआरओ या एईआरओ के साथ-साथ सूक्ष्म पर्यवेक्षकों की सहायता करने के उद्देश्य से एक या दो दिन का प्रशिक्षण दिया जाए। उसने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची में संशोधन के सिलसिले में अंतिम निर्णय हमेशा मतदाता सूची अधिकारियों द्वारा ही लिया जाएगा। शीर्ष अदालत ने कहा कि इन 8,505 अधिकारियों की नियुक्ति का तरीका और कामकाज निर्वाचन आयोग द्वारा तय किया जाएगा।

टी20 विश्व कप में होगा भारत और पाकिस्तान का मैच

- पाकिस्तान ने बहिष्कार का फैसला वापिस लिया

इस्लामाबाद/ढाका : भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप का मैच निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार होगा चूंकि पाकिस्तान सरकार ने बांग्लादेश और श्रीलंका के समझाने के बाद इस मैच के बहिष्कार का फैसला वापिस ले लिया है और इसके साथ ही टूर्नामेंट में जारी गतिरोध भी खत्म हो गया है। भारत और पाकिस्तान के बीच मैच कोलंबो में 15 फरवरी को होना है। पाकिस्तान सरकार ने एक विज्ञप्ति में कहा,'बहुपक्षीय बातचीत के नतीजों और दोस्त देशों के अनुरोध के बाद पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान की राष्ट्रीय क्रिकेट टीम को निर्देश देती है कि वह 15 फरवरी 2026 को आईसीसी पुरूष टी20 विश्व कप का अपना निर्धारित मैच खेलने मैदान पर उतरे।' बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने इससे पहले जारी एक बयान में पाकिस्तान से क्रिकेट के हित में यह मैच खेलने का अनुरोध किया था । इसके बाद ही स्पष्ट हो गया था कि पाकिस्तान यह मैच खेलेगा। पाकिस्तान सरकार के बयान में कहा गया,'यह फैसला क्रिकेट की भावना की रक्षा और सभी प्रतिभागी देशों में इस वैश्विक खेल की निरंतरता का समर्थन करने के मकसद से लिया गया है।'

'नेशनल इंट्रेस्ट से तय होगा', रूसी तेल खरीद पर विदेश मंत्रालय का क्लियर स्टैंड

नई दिल्ली : रूस के साथ तेल के व्यापार और अमेरिका के साथ 'ट्रेड डील' के बीच चल रही खींचतान पर भारत सरकार ने अपनी स्थिति पूरी तरह स्पष्ट कर दी है। सोमवार को विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने एक महत्वपूर्ण बयान देते हुए साफ कर दिया कि भारत के लिए एनर्जी सप्लाई का सबसे बड़ा पैमाना केवल और केवल नेशनल इंट्रेस्ट है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि भारत ने रूसी तेल की खरीद कम करने की प्रतिबद्धता जताई है। रूसी तेल खरीद को लेकर पूछे गए सवालों के जवाब में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दोटूक कहा, चाहे वह सरकार हो या व्यवसाय, हमारे विकल्पों में नेशनल इंट्रेस्ट ही हमारा गाइडिंग फैक्टर है। उनका यह बयान संकेत देता है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव के बजाय अपनी घरेलू जरूरतों और अर्थव्यवस्था के लाभ को प्राथमिकता देगा। उन्होंने रूस का नाम लिए बिना यह स्पष्ट कर दिया कि भारत अपनी ऊर्जा सुरक्षा के साथ कोई समझौता नहीं करेगा।

डायवर्सिफिकेशन की रणनीति

विक्रम मिस्री ने कहा कि भारत ऊर्जा आपूर्ति के अनेक स्रोतों को बनाए रखने की योजना पर काम कर रहा है। इसके पीछे भारत का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि भारतीय उपभोक्ताओं को सही और सस्ती कीमत पर ऊर्जा मिले।देश की बढ़ती जरूरतों के लिए ऊर्जा की कोई कमी न हो। आपूर्ति के स्रोत विश्वसनीय और सुरक्षित हों, ताकि वैश्विक संकट के समय भी ऊर्जा प्रवाह बाधित न हो।

ट्रम्प के दावे का क्या?

विदेश सचिव ने डोनाल्ड ट्रंप के उस दावे पर कोई सीधा जवाब नहीं दिया, जिसमें कहा गया था कि भारत रूसी तेल का आयात प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बंद करने पर सहमत हो गया है। कूटनीतिक गलियारों में इसे भारत की स्ट्रैटजिक ऑटोनॉमी के रूप में देखा जा रहा है। भारत एक तरफ अमेरिका के साथ व्यापारिक संबंधों को मजबूत करना चाहता है, तो दूसरी तरफ रूस जैसे पुराने और सस्ते ऊर्जा साझेदार को खोना नहीं चाहता।

डिजिटल धोखाधड़ी के जरिये 54 हजार करोड़ रु का गबन 'डकैती' के समान, एसओपी बनाए केंद्र: न्यायालय

नयी दिल्ली : उच्चतम न्यायालय ने डिजिटल धोखाधड़ी के जरिये 54 हजार करोड़ रुपये के गबन को पूरी तरह से लूट और डकैती करार देते हुए सोमवार को केंद्र सरकार को ऐसे मामलों से निपटने के लिए आरबीआई, बैंकों और दूरसंचार विभाग जैसे हितधारकों के साथ चर्चा करके मानक संचालन प्रक्रिया बनाने का निर्देश दिया। न्यायालय ने डिजिटल अरेस्ट मामलों से जुड़े खतरे पर गंभीर चिंता जताई और कहा कि साइबर धोखाधड़ी को रोकने में बैंकों को सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ ने कहा कि बैंकों की जिम्मेदारी है कि वे उन खातों में असामान्य और बड़े पैमाने का लेनदेन होने पर ग्राहकों को सतर्क करें, जिनका आम तौर पर छोटे लेनदेन के लिए उपयोग किया जाता है। पीठ ने कहा कि यदि सामान्यतः 10,000 या 20,000 रुपये की राशि निकालने वाला कोई सेवानिवृत्त व्यक्ति अचानक बहुत बड़ी रकम निकालता है, तो बैंक को तुरंत अलर्ट जारी करना चाहिए। पीठ ने कहा कि डिजिटल धोखाधड़ी के जरिये गबन की गई धनराशि कई छोटे राज्यों के बजट से अधिक है। अदालत ने कहा कि इस तरह के अपराध बैंक अधिकारियों की मिलीभगत या उनकी लापरवाही के कारण हो सकते हैं। शीर्ष अदालत ने आरबीआई और बैंकों की ओर से समय पर कार्रवाई किए जाने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। अदालत ने सीबीआई को 'डिजिटल अरेस्ट' के मामलों की पहचान करने का निर्देश दिया और गुजरात तथा दिल्ली की सरकार से कहा कि वे इन मामलों में जांच के लिए सीबीआई को आवश्यक स्वीकृति प्रदान करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि डिजिटल अरेस्ट के शिकार लोगों को मुआवज़ा देने के मामलों में एक व्यावहारिक और उदार दृष्टिकोण अपनाए जाने की आवश्यकता है। अदालत ने याचिका को चार सप्ताह बाद अगली सुनवाई के लिए सूचीबद्ध कर दिया। सुनवाई की शुरुआत में, अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने पीठ को बताया कि आरबीआई ने ऐसे मामलों से निपटने के लिए बैंकों के लिए एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का मसौदा तैयार किया है, जिसमें साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए खातों पर अस्थायी डेबिट होल्ड लगाए जाने जैसी कार्रवाई समेत कई प्रावधान हैं।

बंगाल में 28 फरवरी से पहले अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित करने के प्रयास जारी : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

- लगभग 1.39 करोड़ मामलों की सुनवाई पूरी, लगभग 1.06 करोड़ मामलों में दस्तावेज अपलोड
- अंतिम मतदाता सूची में नाम होने पर पांच दिनों के भीतर जिला निर्वाचन अधिकारी को करें आवेदन

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने सोमवार को कहा कि अंतिम मतदाता सूची 21 फरवरी से पहले प्रकाशित नहीं की जाएगी, हालांकि इस महीने के अंत तक इसे जारी करने के प्रयास किए जा रहे हैं। अग्रवाल ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि अंतिम मतदाता सूची 21 फरवरी से पहले प्रकाशित नहीं की जाएगी। हम इसे 28 फरवरी तक प्रकाशित करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने पुनरीक्षण प्रक्रिया पर अद्यतन जानकारी देते हुए बताया कि लगभग 1.39 करोड़ मामलों की सुनवाई पूरी हो चुकी है, जबकि लगभग 1.06 करोड़ मामलों में दस्तावेज अपलोड किए जा चुके हैं। अग्रवाल ने यह भी बताया कि राज्य सरकार ने चुनाव संबंधी कार्यों के लिए 8,505 ग्रुप-बी अधिकारियों के नाम उपलब्ध कराए हैं। उन्होंने बताया कि वे (ग्रुप बी अधिकारी) कल से कार्यभार संभालेंगे। दो दिन के प्रशिक्षण के बाद, नए पर्यवेक्षकों को पांच से सात दिनों के भीतर उनके 'लॉगिन क्रेडेंशियल' मिल जाएंगे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने शिकायत निवारण के संबंध में बताया कि अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद अगर किसी मतदाता का नाम सूची में नहीं है, तो वे पांच दिनों के भीतर जिला निर्वाचन अधिकारी को आवेदन कर सकते हैं। अगर जिला निर्वाचन अधिकारी आवेदन का निपटारा नहीं करते हैं, तो मतदाता अगले पांच दिनों के भीतर राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से संपर्क कर सकते हैं।

आयोग ने चुनाव संबंधी कार्यों से जुड़े पुलिस कर्मियों का स्थानांतरण 15 फरवरी तक पूरा करने के लिये कहा

निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल सरकार को चुनाव संबंधी कार्यों से सीधे जुड़े पुलिस कर्मियों का स्थानांतरण और तैनाती 15 फरवरी तक पूरा करने का निर्देश दिया है। राज्य के अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी (एसीईओ) के कार्यालय ने राज्य के गृह सचिव को लिखे एक पत्र में कहा कि यह निर्देश 12 जनवरी की तिथि वाले पहले के पत्र के क्रम में जारी किया गया है। पत्र में, कहा गया कि मुझे आपसे अनुरोध करने का निर्देश दिया गया है कि चुनाव से सीधे जुड़े पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण/तैनाती 15 फरवरी तक अवश्य पूरी कर लें। इसमें यह भी कहा गया है कि अनुपालन रिपोर्ट निर्वाचन आयोग को अग्रेषित करने के लिए तत्काल भेजी जानी चाहिए। पत्र में, समय पर कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर देते हुए राज्य प्रशासन से इस मामले में आवश्यक कदम उठाने को कहा गया है। अधिकारी ने बताया कि पत्र की एक प्रति अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस (कानूनी) और राज्य पुलिस नोडल अधिकारी को भी जानकारी और अनुवर्ती कार्रवाई के लिए अग्रेषित की गई है।

परीक्षा पे चर्चा के दूसरे सत्र में प्रधानमंत्री ने छात्रों को दिए गुरुमंत्र

प्रौद्योगिकी का गुलाम न बनें, एआई का उपयोग मार्गदर्शन पाने के लिए करें

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को छात्रों को सलाह दी कि वे प्रौद्योगिकी को उन्हें गुलाम नहीं बनाने दें और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का उपयोग मार्गदर्शन और अपने काम में बेहतरी लाने के लिए किया जाना चाहिए, न कि सीखने के विकल्प के रूप में। प्रधानमंत्री के वार्षिक 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम के नौवें संस्करण की दूसरी कड़ी में, मोदी ने कहा कि मोबाइल फोन उन कुछ बच्चों के मालिक बन गए हैं, जो उनके या टेलीविजन स्क्रीन के बिना खाना भी नहीं खा सकते। उन्होंने कोयंबटूर, रायपुर, गुवाहाटी और गुजरात के विद्यार्थियों से हुई बातचीत में कहा, ''हर युग में नयी प्रौद्योगिकियों, चाहे कंप्यूटर हों या मोबाइल फोन, को लेकर चिंताएं रही हैं। लेकिन यह डर बेवजह है। आपको यह दृढ़ संकल्प लेना होगा कि हम प्रौद्योगिकी के गुलाम नहीं बनेंगे।'' प्रधानमंत्री ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे एआई जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों से न डरें, बल्कि उनका उपयोग अपने कौशल को निखारने के लिए करें। उन्होंने कहा, ''हमें एआई या मोबाइल फोन को अपना मालिक नहीं बनने देना चाहिए, कुछ बच्चे स्मार्टफोन देखे बिना खाना नहीं खाते। हमें प्रौद्योगिकी को समझना होगा, खुद का विस्तार करना होगा, उसमें उस प्रौद्योगिकी की ताकत को जोड़ना होगा, जो हमारे कामों में 'वैल्यू एडिशन' करें।'' मोदी ने कहा कि काम का स्वरूप हमेशा बदलता रहेगा, जैसे परिवहन बैलगाड़ियों से हवाई जहाजों में परिवर्तित हुआ, लेकिन जीवन चलता रहा। उन्होंने कहा, ''कितनी ही उत्तम से उत्तम प्रौद्योगिकी क्यों ना आए, हमारे लिए उपयोगी ही होने वाली है, हमें डरने की जरूरत नहीं है।''

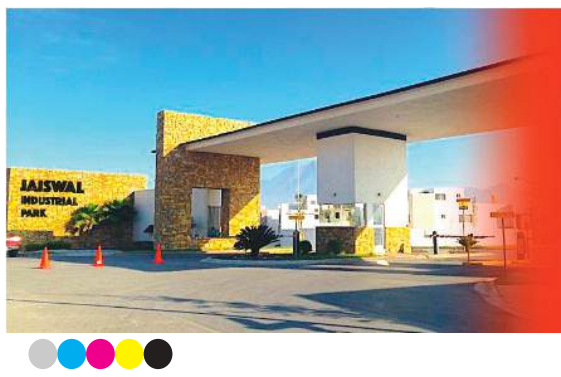

JAISWAL INDUSTRIAL PARK PHASE I & II
COMPLETE COMMERCIAL PLOTS AVAILABLE WITH FILLING AND BOUNDARY
JUST 3 MINS FROM DANKUNI HOUSING
CALL: 7003982830 email: udgeethdevelopers@gmail.com
DIVYANSH JAISWAL

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के सवाल

बीते शनिवार जारी किए गए भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के प्रारूप को लेकर उठ रहे सवालों ने फिर उस मूलभूत सवाल को पुख्ता किया है कि मुक्त व्यापार समझौते की कीमत कौन चुकाएगा? साथ ही यह भी कि इसका लाभ किसे मिलेगा? इस समझौते से जुड़ी आशंकाओं को लेकर कुछ किसान संगठन आगामी 12 फरवरी को देशव्यापी विरोध प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। निस्संदेह, उनकी आशंकाएं सिर्फ सोयाबीन तेल, सूखे अनाज और सेब पर आयात शुल्क में छूट को लेकर ही नहीं हैं, बल्कि विश्वास, पारदर्शिता और भारतीय कृषि के भविष्य को लेकर भी हैं। वहीं दूसरी ओर सरकार दावा कर रही है कि किसान हितों की रक्षा के लिये पर्याप्त सुरक्षा उपाय किए गए हैं। निस्संदेह, कागजों पर तो ये आश्वासन राहत देने वाले लगते हैं, लेकिन व्यवहार में किसानों की आशंकाओं से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। उल्लेखनीय है कि यूरोपीय संघ व न्यूजीलैंड के साथ हुए पिछले मुक्त व्यापार समझौतों के कारण सस्ते आयात में भारी वृद्धि हुई, फलत: कमजोर किसानों की दशा खराब हुई। निर्विवाद रूप से भारी सब्सिडी प्राप्त अमेरिकी सेब से हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के सेब उत्पादकों के लिए मुकाबला करना चुनौतीपूर्ण होगा। हिमाचल के सेब उत्पादक संगठनों का कहना है कि अमेरिकी सेब पर आयात शुल्क पचास से 25 प्रतिशत करना व न्यूनतम आयात मूल्य 50 से बढ़ाकर 80 रुपये प्रति किलोग्राम करने से यह स्वदेशी प्रीमियम सेवा के दाम पर बाजार में बिकने लगेगा। जिसके चलते भारतीय उपभोक्ता समान मूल्य पर उच्च गुणवत्ता वाले अमेरिकी सेब को तरजीह देंगे। साथ ही सेब का कोल्ड स्टोरेज में संग्रह करना अलाभकारी हो जाएगा।

वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार का दावा है कि कृषि और दुग्ध उद्योग संरक्षित रहेंगे। जबकि संयुक्त समझौते में कृषि और खाद्य उत्पादों की एक विस्तृत शृंखला पर शुल्क कम करने और गैर-शुल्क बाधाओं को दूर करने की बात कही गई है। कम आय, बढ़ती लागत और बढ़ते कर्ज से जूझ रहे किसानों को इन गंभीर मुद्दों पर स्पष्टता चाहिए। यही वजह है कि कई किसान संगठनों, विपक्षी दलों और कुछ राज्य सरकारों ने मांग की है कि इस समझौते का पूरा विवरण संसद के समक्ष रखा जाए। निस्संदेह, यह मांग तार्किक है क्योंकि व्यापार समझौते भी घरेलू कानूनों की तरह ही आजीविका को गहराई तक प्रभावित करते हैं। कृषि विशेषज्ञ मान रहे हैं कि मजबूत घरेलू समर्थन, उचित मूल्य, सब्सिडी, बुनियादी ढांचे और जोखिम संरक्षण दिए बिना, बाजारों को खोलने के कदम छोटे और सीमांत किसानों पर भारी पड़ सकते हैं। इसी फिक्र के चलते हड़ताल एक चेतावनी है। यदि सरकार का मानना है कि यह समझौता वास्तव में किसानों के हितों को प्राथमिकता देता है तो उसे पारदर्शिता, संसदीय बहस और सार्थक परामर्श के माध्यम से इसे साबित भी करना चाहिए। अन्यथा, सुधारों की कहानी एक बार फिर देश के अन्नदाता की चिंताओं को दूर करने में विफल रहेगी। इसी तरह देश के सेब उत्पादकों को भी आश्वस्त करना होगा कि उनके सेब की खुशबू बरकरार रहेगी।

आज का पंचांग

कोलकाता : 10 फरवरी, मंगलवार, 2026, विक्रम सम्वत् 2082, फाल्गुन कृष्णपक्ष अष्टमी, 07:27 तक, नक्षत्र : विशाखा, 07:48 तक, योग : ध्रुव, 25:38 तक, सूर्योदय: 06:12, सूर्यास्त: 17:30, चन्द्रोदय : 00:19, चन्द्रास्त: 11:13, शक सम्वत: 1947 विश्वावसु, सूर्य राशि : मकर, चन्द्र राशि : वृश्चिक, राहू काल : 14:38 से 16:02

राशिफल

मेष : मेष राशि के जातकों के लिए मंगलवार का दिन शुभ रहने वाला है। पुराने मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी व्यक्ति या संस्था से कई कर्ज लेने से पहले अच्छे से सोच-विचार कर लें।

वृष : मंगलवार का दिन वृषभ राशि के जातकों के लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। काम-काज को लेकर ज्यादा भागदौड़ करनी पड़ेगी। किसी प्रकार की चोट लगने की संभावना नजर आ रही है।

मिथुन : मिथुन राशि के लोगों के लिए मिलाजुला रहने वाला है। अगर आप पहले से किसी शारीरिक रोग से पीड़ित हैं तो आज कष्ट की वृद्धि हो सकती है। सामाजिक क्रियाकलापों में अड़चन आएगी।

कर्क : कर्क राशि के जातकों के लिए मंगलवार का दिन मंगलकारी रहने वाला है। भाग्य का आपको साथ मिलेगा। आज आपके द्वारा किए गए परिश्रम का अच्छा फल मिलेगा।

सिंह : सिंह राशि का दिन मिश्रित फल देने वाला रहेगा। माता-पिता का सहयोग और आशीर्वाद प्राप्त होगा। दिन का मद्य बाग आपके लिए उत्तम रहेगा।

कन्या : कन्या राशि के जातकों के अंदर आज निर्भीकता का भाव रहेगा। कठिन कार्यों को आप आसानी से सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। आपको अपने माता-पिता का सुख और सहयोग प्राप्त होगा।

तुला : तुला राशि वालों के लिए दिन शुभ फल देने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपके अधिकारों के साथ ही आपकी संपत्ति में भी वृद्धि होगी। आज आप दूसरों की मदद करने से खुद को रोक नहीं पाएंगे।

वृश्चिक : वृश्चिक राशि के जातकों का मन अशांत और परेशान रहेगा। व्यापार को बढ़ाने के लिए किए जा रहे प्रयास निष्फल हो सकते हैं। प्रतिभा के बल पर शत्रुओं पर विजय प्राप्त होगी।

धनु : आज के दिन आपकी विद्या, बुद्धि, ज्ञान की वृद्धि होगी। आपके अन्दर दान पुण्य एवं परोपकार की भावना विकसित होगी। आप धार्मिक अनुष्ठानों में रुचि लेकर पूर्ण सहयोग करेंगे।

मकर : मकर राशि के लोगों के लिए आज का दिन कल्याणकारी रहने वाला है। हनुमान जी की कृपा से आज आपको बहुमूल्य वस्तुओं की प्राप्ति होगी। रुके हुए कार्य पूर्ण हो जाएंगे।

कुम्भ : कुंभ राशि के जातकों के लिए आज का दिन बुद्धि-विवेक का अधिक प्रयोग करने वाला रहेगा। आपका दिन नई-नई खोज करने में व्यतीत होगा। नौकर चाकरों का भी सुख मिलेगा।

मीन : मीन राशि के जातकों के लिए मंगलवार का दिन कुछ अटके हुए कार्यों की पूर्ति कराने वाला रहेगा। बहुत समय से फंसा हुआ पुत्र या पुत्री से संबंधित किसी विवाद का हल निकल जाएगा।

हड़ताल श्रमिक अधिकारों को कमजोर करती है

एस. पी. तिवारी

चार नयी श्रम संहिताओं का क्रियान्वयन, भारत की विशाल श्रम शक्ति, विशेष रूप से अनौपचारिक और असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले श्रमिकों के लिए जीवन यापन में आसानी में सुधार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इन सुधारों का उद्देश्य, बिना जटिल उद्योग वर्गीकरण की बाधाओं के, सभी श्रमिकों के लिए न्यूनतम मजदूरी की गारंटी देना है। प्रत्येक श्रमिक के लिए अनिवार्य पहचान पत्र की शुरुआत करते हुए, ये संहिताएं उन्हें सामाजिक सुरक्षा लाभों तक सीधी पहुंच की सुविधा के साथ सशक्त बनाने का प्रयास करती हैं। नियमित और अनिवार्य स्वास्थ्य जांच, श्रमिकों की भलाई में मदद करेंगी, जिससे वे स्वस्थ और अधिक उत्पादक जीवन व्यतीत कर सकेंगे। इसके अलावा, समयबद्ध शिकायत निवारण व्यवस्था, पीड़ित श्रमिकों द्वारा सामना किए जाने वाले मानसिक तनाव और अनिश्चितता को कम करने में सहायता करेगी। समग्र रूप से, ये उपाय भारतीय श्रमिकों के लिए गरिमा, सुरक्षा और समावेशी विकास पर केंद्रित एक प्रगतिशील रूपरेखा का प्रतिनिधित्व करते हैं।

हालाँकि, इन सकारात्मक प्रावधानों के बावजूद, राजनीतिक रूप से प्रेरित केंद्रीय श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) का एक हिस्सा अक्सर हड़ताल के प्रतिकूल प्रभाव पर पूरी तरह विचार किए बिना, हड़ताल पर उतर आता है। ऐसी हड़तालों से विशेष रूप से असंगठित अर्थव्यवस्था के लगभग 38 करोड़ श्रमिकों के पारिश्रमिक को भारी नुकसान होता है, जो अपनी जीविका के लिए दैनिक आय पर निर्भर होते हैं। उनके मुद्दों को हल करने के बजाय, बार-बार होने वाली हड़तालें रचनात्मक और कठोर सामूहिक सौदेबाजी की प्रक्रिया को कमजोर करती हैं, जिससे श्रमिकों और नियोक्ताओं दोनों के लिए न्यायसंगत और संतुलित परिणाम हासिल करने की संभावना कम हो जाती है।

समय के साथ, बार-बार हड़ताल बुलाने का प्रयास न केवल अप्रभावी साबित हुआ है बल्कि इसके परिणाम प्रतिकूल भी रहे हैं। बार-बार होने वाली हड़तालों से श्रमिकों में व्यापक थकान दिखाई पड़ता है, जिससे बड़ी संख्या में श्रमिक ऐसे आह्वान को या तो नजरअंदाज करते हैं या उनमें शामिल नहीं होते हैं। कुछ मामलों में, श्रमिकों के एक छोटे हिस्से को उनकी इच्छा के विपरीत हड़तालों में हिस्सा लेने के लिए मजबूर किया जाता है, जिससे इन आंदोलनों की नैतिक वैधता व सामूहिक ताकत और कमजोर हो जाती है। अंततः, यह प्रवृत्ति श्रमिक कल्याण उपायों के समग्र प्रभाव को कम करती है और श्रमिकों के बीच एकजुटता को कमज़ोर करती है।

हड़तालों के व्यापक परिणाम केवल कार्यस्थल तक सीमित नहीं रहते। औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, दैनिक यात्रियों को गंभीर असुविधा का सामना करना पड़ता है, और सड़क किनारे के विक्रेताओं, घरेलू श्रमिकों और छोटे सेवा प्रदाताओं की आजीविका बाधित हो जाती है। इन श्रमिकों के लिए, केवल एक दिन की आय का नुकसान भी आजीविका संकट पैदा कर सकता है, उन्हें अपनी सीमित बचत को खत्म करने तथा गंभीर आर्थिक असुरक्षा में जाने के लिए मजबूर कर सकता है।

भारत जैसी उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में, श्रमिक संघों (ट्रेड यूनियन) को संवाद, आपसी-बातचीत और नियोक्ताओं तथा सरकार के साथ रचनात्मक सहयोग को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्थायी सौदेबाजी और सहयोगात्मक समस्या समाधान पर आधारित एक मॉडल उत्पादन, रोजगार, और समग्र आर्थिक वृद्धि को बाधित किए बिना श्रमिकों की समस्याओं का समाधान कर सकता है। वर्तमान संदर्भ में, भारतीय केंद्रीय श्रमिक संघों को, जो धीरे-धीरे अपना प्रभाव खो रहे हैं, आत्मविश्लेषण करने और अन्यत्र अपनाई जाने वाली अधिक प्रभावी और दूरदर्शी तरीकों को अपनाने की आवश्यकता है।

भारतीय श्रमिक को एक समग्र दृष्टिकोण के साथ संगठित किया जाना चाहिए, जो जीवन यापन में आसानी, सामाजिक सुरक्षा और सकारात्मक सहभागिता पर जोर देता हो। विवादों का समाधान टकराव के बजाय संवाद के माध्यम से करना यह सुनिश्चित करेगा कि परिचालन प्रक्रिया बाधित न हो और राष्ट्रीय विकास की गति सुचारू रूप से जारी रहे। केवल ऐसे संतुलित और व्यावहारिक रणनीतियों के जरिये ही श्रमिकों के अधिकारों को वास्तविक रूप में मजबूत और दीर्घावधि में सुरक्षित किया जा सकता है।

(लेखक ट्रेड यूनियन को-ऑर्डिनेशन सेंटर (टीयूसीसी) के राष्ट्रीय महासचिव हैं)

साझेदारी या संप्रभुता का सौदा?

डॉ घनश्याम बादल

जैसे-जैसे भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील की डिटेल्स सामने आ रही हैं व्यापार और संप्रभुता के सवाल भी नहीं जोर शोर से हवा में उछलते दिखाई देने लगे हैं। जहां सरकारी पक्ष इसे 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहे जाने वाली फ्री ट्रेड डील के बाद 'फादर ऑफ ऑल डील्स' कहकर अपनी पीठ थपथपा रहा है और भारत की बढ़ती हुई हैसियत का हवाला दे रहा है वहीं विपक्ष व्यापार के नाम पर अपनी संप्रभुता से समझौता तथा अमेरिका के आगे घुटने टेकने का उपक्रम बता रहा है।

बेशक यह रणनीतिक साझेदारी का स्वाभाविक विस्तार कहा जा सकता है । सरकार भी इसे वैश्विक शक्ति संतुलन, निवेश वृद्धि और आर्थिक विकास का इंजन कहती है। लेकिन हर बड़ी व्यापारिक संधि की तरह यह समझौता भी सिर्फ अवसरों का दस्तावेज़ नहीं है बल्कि यह शक्ति-संतुलन, निर्भरता और नीतिगत नियंत्रण का राजनीतिक मिश्रण भी है। सवाल यह ही नहीं है कि ट्रेड डील किसके लिए कितनी फ़ायदेमंद होगी, सवाल यह भी है कि यह डील भारत को साझेदार बनाएगी या एक सिर्फ बाज़ार।

रणनीतिक गठजोड़ या नीतिगत दबाव: सरकार और उसके समर्थकों के अनुसार भारत-अमेरिका ट्रेड डील से भारत की वैश्विक कूटनीतिक स्थिति मजबूत होने जा रही है। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में सामरिक संतुलन, चीन के प्रभाव का प्रतिकार और लोकतांत्रिक शक्तियों के गठबंधन के लिए यह समझौता एक राजनीतिक आधार बनेगा तथा भारत को वैश्विक मंच पर 'विश्वसनीय साझेदार' की पहचान मिलेगी।

लेकिनकटु यथार्थ यह भी है कि अमेरिकी ट्रेड डील कभी बराबरी की शर्तों पर नहीं होती। वह हमेशा नीति-संशोधन के दबाव के साथ आती है इस समझौते में भी बौद्धिक संपदा कानूनों में कठोरता,कृषि, डेयरी और फार्मा बाज़ार खोलने की मांग, डिजिटल टैक्स और डेटा नीति में हस्तक्षेप नज़र आ रहा है । आशंका यह भी है कि यह धीरे-धीरे भारत की नीतिगत संप्रभुता को सीमित कर सकता है। ध्यान में रखना होगा कि राजनीतिक स्वतंत्रता केवल सीमाओं से नहीं आती, वह नीतियों से आती है,और जब नीतियाँ बाहरी दबाव से तय हों, तो संप्रभुता प्रतीक मात्र रह जाती है।

विकास या संरचनात्मक निर्भरता?

यदि इस समझौते के सकारात्मक आर्थिक प्रभावों को देखें तो अमेरिकी निवेश से पूंजी प्रवाह बढ़ेगा, आईटी, फार्मा, टेक्सटाइल और इंजीनियरिंग निर्यात को अमेरिकी बाज़ार मिलेगा, इंफ्रास्ट्रक्चर और स्टार्टअप सेक्टर को गति मिलेगी लेकिन इस रास्ते पर चलने

भारत अमेरिका ट्रेड डील :

के जोखिम भी कम नहीं हैं क्योंकि भारतीय लघु एवं मध्यम उद्योग सेक्टर पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों का दबाव बढ़ेगा, अमेरिकी सब्सिडी आधारित कृषि उत्पादों से भारतीय किसान संकट में आ सकते हैं, डिजिटल सेक्टर में अमेरिकी कंपनियों के एकाधिकार की आशंका भी डराने वाली है। जानकारों का मानना है कि यह मॉडल 'आत्मनिर्भर विकास' नहीं, बल्कि निर्भरता आधारित विकास को जन्म देगा जहाँ ग्रोथ तो दिखाई देती है, लेकिन नियंत्रण बाहर काहोता है।

अवसरों का विस्तार या असमानता का विस्फोट?

यदि सामाजिक दृष्टि से देखे तो इस डील के सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रभाव दृष्टिगोचर हो रहे हैं सकारात्मक प्रभाव में शहरी युवाओं के लिए रोजगार अवसर, वैश्विक स्किल एक्सपोज़र, शिक्षा, रिसर्च और टेक्नोलॉजी सहयोग शामिल हैं तो नकारात्मक पक्ष के रूप में ग्रामीण-शहरी खाई का विस्तार, पारंपरिक रोजगार क्षेत्रों का क्षरण, गिग इकॉनोमी का विस्तार, न सामाजिक सुरक्षा का अभाव भी आता दिखाई दे रहा है ।

आशंका यह भी है कि यह समझौता एक ऐसा समाज गढ़ सकता है जहाँ एक छोटा 'ग्लोबल एलीट वर्ग' तो समृद्ध होगा, लेकिन बड़ा सर्वहारा एवं मध्यम वर्ग आर्थिक असुरक्षा में जीएगा। इस तरह कह सकते हैं कि यह विकास नहीं, विकास का ध्रुवीकरण है।

वैश्वीकरण या शक्ति-संतुलन

इस समझौते के सकारात्मक संकेतों में, सप्लाई चेन डायवर्सिफिकेशन में भारत की भूमिका,चीन-केंद्रित व्यापार संरचना का विकल्प, वैश्विक वैल्यू चेन में भारत की भागीदारी के विस्तार को रेखांकित किया जा सकता है जबकि वास्तविकता यह है कि वैश्विक व्यापार नियमों पर महाशक्तियों का वर्चस्व होता चला जाएगा, छोटे देशों के लिए प्रतिस्पर्धा असमान हो जाएगी ,नियम-आधारित व्यवस्था के नाम पर शक्ति-आधारित व्यवस्था वर्चस्व में आ जाएगी । यह व्यवस्था समान वैश्वीकरण नहीं, बल्कि असमान वैश्वीकरण को जन्म देती दिखाई देती है।

साझेदारी बनाम बाज़ार

भारत-अमेरिका ट्रेड डील अपने स्वरूप में न अच्छी है, न बुरी। वह शर्तों से परिभाषित होगी। यदि यह डील स्थानीय उद्योगों की रक्षा करे, किसानों के हित सुरक्षित रखे, डिजिटल व डेटा संप्रभुता को मजबूत करे, नीति-निर्माण की स्वतंत्रता बनाए रखे तो यह रणनीतिक साझेदारी होगी। लेकिन यदि यह एकतरफा बाज़ार खोलने पर आधारित हो, अमेरिकी कॉर्पोरेट हितों को प्राथमिकता दे, भारत को उपभोक्ता बाज़ार तक सीमित कर दे नीति-निर्माण को बाहरी दबाव में ले जाए तो यह आर्थिक उपनिवेशवाद का आधुनिक रूप भी बन जाएगी।

साझेदारी या बाजार ?

आज भारत के सामने मूल प्रश्न यही है क्या हम साझेदार बनेंगे या सिर्फ बाज़ार? क्या हम नीति-निर्माता रहेंगे या नीति-ग्राहक बनेंगे? क्या हम स्वतंत्र शक्ति बनेंगे या रणनीतिक अनुयायी? ट्रेड डील विकास का साधन बन सकती है, लेकिन चेतना न हो तो वही समझौता भविष्य की सबसे बड़ी निर्भरता का दस्तावेज़ बन जाएगा। हमारी नीति निर्धारकों को यह जान लेना चाहिए कि इतिहास इस बात का गवाह है कि जो राष्ट्र सिर्फ बाज़ार बनते हैं, वे अंततः निर्णय लेने की शक्ति भी खो देते हैं। इसलिए इस ट्रेड डील पर न खुश होकर नाचने की ज़रूरत है और न ही आंसू बहाने और मायूस होने की लेकिन इसकी शर्तों और उपबंधों पर यदि अभी से लगाम नहीं कसी गई तो फिर आने वाले समय में यह बहुत भारी भी पड़ सकती है।

इस ट्रेड डील के रास्ते पर चलते हुए हर समय दिमाग और आंखें खुली रखनी होगी और यह निश्चित करना होगा कि बाहर से कोई हम पर कोई निगाह रखने जैसी हैसियत न रखने पाए और यदि वह रखता भी है तो हम में इतनी ताक़त होनी चाहिए कि हम उस निगाह रखने वाले की आंख में आंख डालकर जवाब दे सकें और अपना अस्तित्व एवं वर्चस्व बचा सकें।

राज्यों की खबरें

सनातन कमजोर हुआ तो देश भी कमजोर होगा : योगी आदित्यनाथ

सीतापुर : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को समाज को 'बांटने वालों' से आगाह करते हुए कहा कि अगर सनातन धर्म कमजोर हुआ तो देश भी कमजोर होगा। उन्होंने कहा कि अगर देश कमजोर हुआ तो सनातन के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा हो जाएगा। मुख्यमंत्री सीतापुर में तपोधाम सतगुरु गिरधारी नाथ जी महाराज तपोधाम आश्रम में मूर्ति स्थापना दिवस व भंडारा में शामिल हुए। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक आदित्यनाथ ने इस अवसर पर किसी का नाम लिये बगैर समाज को 'चेताया' और कहा, ''सनातन कमजोर होगा तो देश कमजोर होगा। देश कमजोर होगा तो सनातन के सामने अस्तित्व का संकट खड़ा होगा, इसलिए बांटने वालों से सावधान रहें।'' उन्होंने कहा कि ''बांग्लादेश में हिंदुओं के मरने और जलाए जाने पर सभी मौन हैं। मरने वाले दलित हिंदू हैं। धर्माचार्यों व कुछ हिंदू संगठनों को छोड़ दिया जाए तो कोई मानवाधिकार या दुनिया का संगठन उनकी वकालत करने वाला नहीं है।'' योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''दुनिया में तमाम सभ्यताएं और संस्कृतियां समय के साथ समाप्त हो गई, लेकिन सनातन संस्कृति तमाम तूफानों को झेलते हुए आज भी गरिमा-गौरव के साथ खड़ी है और दुनिया को मैत्री, करुणा के साथ वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दे रही है। इसे तोड़ने के लिए अनेक प्रयास हुए।'' उन्होंने कहा, '' सनातन धर्मावलंबियों ने विपत्ति के समय हर किसी को शरण देकर उसे पुष्पित-पल्लवित होने का अवसर दिया, लेकिन कुछ लोगों ने शरणार्थी धर्म का निर्वहन नहीं किया, बल्कि यहां आकर हाथ की अंगुली पकड़कर गला दबाने का प्रयास किया और देश को लूटने में कसर नहीं छोड़ी।''

आरेडिका की उपलब्धियों पर प्रेस वार्ता, जीएम की पुस्तक टेल्स फ्रॉम रेल्स का विमोचन

रायबरेली : आधुनिक रेल डिब्बा कारखाना, रायबरेली (आरेडिका) में आयोजित प्रेस वार्ता में महाप्रबंधक प्रशांत कुमार मिश्रा ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में 31 जनवरी 2026 तक की उपलब्धियों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि 1 अप्रैल 2014 से अब तक कारखाने में कुल 15,369 रेल डिब्बों का निर्माण किया जा चुका है। चालू वित्तीय वर्ष में 1,679 डिब्बे तैयार कर रेलवे को समर्पित किए गए, जिनमें से 1,600 डिब्बे सामान्य और शयनयान श्रेणी के हैं, जो आम यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखकर बनाए गए हैं। वंदे भारत चेयर कार उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और 16 डिब्बों वाली पहली वंदे भारत चेयर कार रेक का निर्माण फरवरी 2026 में प्रस्तावित है। फोर्ज्ड व्हील उत्पादन में भी आरेडिका ने उल्लेखनीय प्रगति की है। रेलवे बोर्ड द्वारा निर्धारित 50,000 पहियों के लक्ष्य के मुकाबले जनवरी 2026 तक 54,075 पहियों की फोर्जिंग, 50,751 की मशीनिंग और 49,166 पहियों की स्टैम्पिंग पूरी की जा चुकी है। पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर पौधरोपण किया गया है। वर्षा जल संचयन संरचनाओं, तालाबों और रिचार्ज बोरवेल के माध्यम से 748 मिलियन लीटर जल संचयन क्षमता विकसित की गई है। इस अवसर पर महाप्रबंधक की पुस्तक टेल्स फ्रॉम रेल्स का विमोचन भी हुआ। पुस्तक में भारतीय रेल से जुड़ी 32 सत्य घटनाओं पर आधारित रोचक कथाएं संकलित हैं। कार्यक्रम में कई वरिष्ठ अधिकारी, रेल इतिहास प्रेमी और गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

वर्ग पहेली नं. 3347

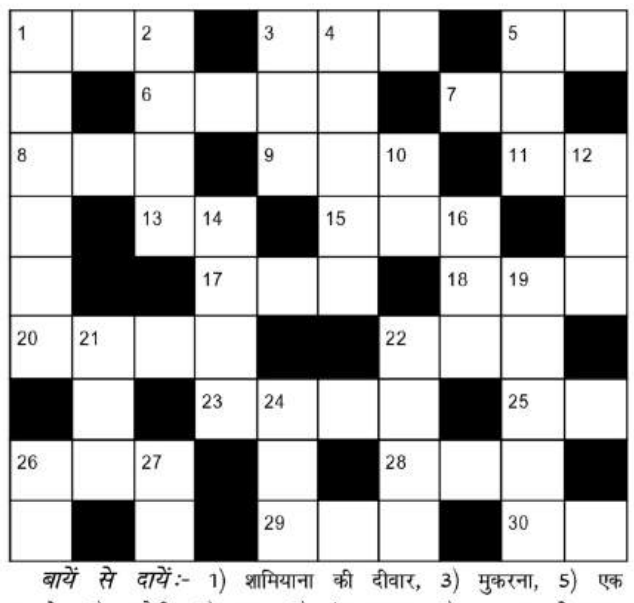

ऊपर से नीचे:- 1) लगभग, 2) एक शस्त्र, 3) अस्वीकृति; इनकार, 4) बक-बक करना, 5) एक भारतीय शहर, 10) विध्वंस; बर्बादी, 12) भाषा; ज़ीभ, 14) लोकमत, 16) नेत्र, 19) फ़ॉरेस्ट रेंजर, 21) हेकड़ीबाज़, 22) पन्ना, 24) झगड़ालू स्त्री, 26) कम, 27) वैध; प्रचलित. *(उत्तर: अगले अंक में)*

बायें से दायें:- 1) शामियाना की दीवार, 3) मुकरना, 5) एक बटा दो, 6) चुनौती, 7) युद्ध, 8) दंगा-फ़साद, 9) बार-बार दोहराना, 11) रहस्य, 13) धूल, 15) खाने-पीने की सामग्री, 17) ज़ायक़ा; बानगी, 18) मुसलमान, 20) अपकीर्त, 22) चिंतन, 23) झगड़ा, 25) रमणीय, 26) आगामी, 28) तिरछी नजर, 29) विपत्ति; दुर्भाग्य, 30) श्रम.

पिछली पहेली का उत्तर

पू	■	क़	द	■	आ	व	भा	ग	त
र्ण	■	री	म	■	सा	ही	■	धा	र
त	ल	ब	■	औ	र	■	स	■	फ़
या	■	त	री	क़ा	■	बे	फ़ा	य	दा
■	बो	री	■	त	प	■	च	■	र
आ	■	न	या	■	ट	ना	ट	न	■
शी	घ्र	■	र	सा	■	■	■	र	ज़ा
वों	■	ता	■	ग	नी	म	त	■	हि
द	र	किना	र	■	त	क	दी	र	

सुडोकू-पहेली-3305

	4					5	1	9
	2				1			
7			5	4				6
					8			
				9			3	
4							2	
		3			7			
8		9		1				
5	7					9		

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरना आवश्यक है। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है।

••••

आड़ी और खड़ी में एवं 3-3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका ध्यान जरूर रखें।

सूडोकू पहेली - 3304 का उत्तर

6	4	1	8	7	3	2	5	9
8	3	5	2	4	9	1	6	7
7	9	2	6	5	1	3	8	4
9	5	6	1	8	4	7	2	3
1	2	4	7	3	5	8	9	6
3	7	8	9	6	2	5	4	1
2	1	7	4	9	8	6	3	5
4	6	3	5	2	7	9	1	8
5	8	9	3	1	6	4	7	2

सांसदों का निलंबन वापस लेने के लिए बिरला को पत्र लिखेगी टीएमसी : अभिषेक बनर्जी

नयी दिल्ली/कोलकाता : तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन वापस लेने पर विचार करने का अनुरोध करेगी। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी चाहती है कि सदन की कार्यवाही सुचारू रूप से चले। संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत करते हुए अभिषेक इस सवाल का सीधा जवाब देने से परहेज करते आए कि क्या उनकी पार्टी लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ अन्य विपक्षी दलों द्वारा लाये जा सकने वाले अविश्वास प्रस्ताव का समर्थन करेगी। उनका सिर्फ यह कहना था कि इस मुद्दे पर उनकी कोई चर्चा नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि सदन चले और सदन को चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। विपक्ष को भी बोलने का समय मिलना चाहिए। लोकसभा सदस्य ने कहा कि आठ सांसदों के निलंबन पर पुनर्विचार करने और संसद के भीतर लोकतांत्रिक संतुलन बहाल करने के लिए औपचारिक रूप से अध्यक्ष के समक्ष अपील की जाएगी। तृणमूल ने 'एक्स' पर बनर्जी के बयान साझा करते हुए कहा कि लोकसभा में हमारे नेता ने स्पष्ट रूप से कहा कि सदन का सुव्यवस्थित संचालन आवश्यक है, लेकिन विपक्षी सांसदों को बोलने का समय और अवसर मिलना चाहिए।

अभिषेक बनर्जी ने एसआईआर के दौरान कथित उत्पीड़न की आलोचना करते हुए कविता लिखी

कोलकाता, समाज्ञा : तृणमूल कांग्रेस के सांसद अभिषेक बनर्जी ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक कविता साझा की, जिसमें उन्होंने राज्य में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान लोगों के कथित उत्पीड़न की आलोचना की है। 'आमी अस्वीकार कोरी' शीर्षक वाली कविता में एसआईआर प्रक्रिया की देखरेख करने वाले प्रशासनिक ढांचे के खिलाफ असंतोष जाहिर किया गया है, जिसके बारे में तृणमूल कांग्रेस का दावा है कि इसके चलते आम नागरिकों को असुविधा और परेशानी हुई है। अभिषेक ने 'एक्स' पर बांग्ला में लिखी इस कविता को साझा करते हुए कहा कि मैंने जिंदगियों को बर्बाद करने वाली एक कपटपूर्ण प्रक्रिया के कारण मेरे अंदर मची गहरी उथल-पुथल और इसके कारण लोगों को हुई तकलीफ, दर्द और उनके जायज आक्रोश को एक विनम्र कविता में ढाला है। कविता में अभिषेक ने खुद को लोगों की कथित तकलीफों का 'गवाह' बताया है। उन्होंने एसआईआर प्रक्रिया से कथित तौर पर जुड़े उत्पीड़न और मौतों के मामलों का हवाला दिया है। कविता में संस्थाओं के कामकाज पर सवाल उठाने के लिए धारदार भाषा और राजनीतिक चित्रण का इस्तेमाल किया गया है, जो एसआईआर को लेकर पार्टी की आलोचना को प्रतिध्वनित करता है। तृणमूल नेताओं ने कहा कि अभिषेक की कविता का मकसद आम मतदाताओं की चिंता को उजागर करना और एसआईआर से जुड़ी अनियमितताओं पर प्रकाश डालना है।

मतदाता सूची संशोधन अभियान के बीच अधिवास प्रमाण पत्र आवेदनों में रिकॉर्ड वृद्धि

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता नगर निगम (केएमसी) को पिछले डेढ़ महीने में अधिवास प्रमाण पत्र के लिए 19,000 से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग द्वारा मतदाता सूची के जारी विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के कारण आवेदनों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। उन्होंने दावा किया कि इन लगभग 19167 आवेदनों में से अधिकांश नौ फरवरी तक जमा किए गए थे, जो सामान्य मासिक औसत 200 से कई गुना अधिक है। अधिकारियों ने बताया कि प्राप्त कुल आवेदनों में से 18,962 आवेदनों को फील्ड सत्यापन के लिए कोलकाता पुलिस को भेज दिया गया। पुलिस ने अब तक 18,390 जांच रिपोर्टें प्रस्तुत की हैं, जिनके आधार पर निगम कार्यालयों से 16,925 अधिवास प्रमाण पत्र जारी किए गए हैं जबकि सत्यापन रिपोर्ट में प्रतिकूल परिणाम आने के बाद 1,413 आवेदन खारिज कर दिए गए। बता दें कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के निर्देशों के बाद नगर निगम ने अपने मुख्यालय और पूरे नगर पालिका कार्यालयों में विशेष काउंटर खोले हैं ताकि पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान निवासियों को आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने में कोई कठिनाई न हो।

Name Change

I, Sushanta Chatterjee S/o Tusar Kanti Chatterjee R/o Kansara, PO-Kansara, Dist-Bankura, West Bengal - 722143, have changed my minor daughter's name from Sahanaj Khatun aged 08 years to Bani Chatterjee forever.

Name Change

I, Ratika Rohatgi, daughter of Sundar Mohan Rohatgi, residing at 11, Jadulal Mullick Road, Malapara, Beadon Street, Kolkata-700006, do hereby solemnly affirm and declare that Sundar Mohan Rohatgi and Sundar Mohan is the same and one identical person, indicating my father only via affidavit in the Court of Ld 1st Class Judicial Magistrate, Calcutta dated 5th February 2026.

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं.: 38-एसडीएसटीई-एसएन-2025-26, दिनांक 08.02.2026, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। **कार्य का नाम/स्थान:** आसनसोल मंडल-ई रूट में टीएलबीआई के स्थान पर एसएसबीपीएसी (डी) का प्रावधान। **निविदा मूल्य:** रु. 9,00,34,770.18, **बयाना राशि:** रु. 6,00,200/-, **कार्य की समापन अवधि:** एलओए जारी करने की तिथि से 18 माह। **निविदा बंद होने की तिथि और समय:** 05.03.2026 को 13.00 बजे। **वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/**
ASN-341/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, सियालदह, पहली मंजिल, डीआरएम बिल्डिंग, कोलकाता - 700014 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **निविदा संख्या: सीसी3-पीएमएस-एमसी-एसडीएएच-2025, कार्य का विवरण:** सियालदह और कोलकाता रेलवे स्टेशन पर काम कर रहे पीएमएस उपकरण से संबंधित हार्डवेयर पेरिफेरल का स्पेयर्स सहित मगर कंज्यूमेबल्स को छोड़कर दो वर्षों के रखरखाव के लिए वार्षिक रखरखाव अनुबंध (एएमसी)। रु. 19,96,088/- **बयाना राशि:** रु. 40,000/-, **निविदा कागजात की लागत:** रु. 0.00/-, **कार्य पूरा होने की अवधि:** 24 माह। **निविदा प्रकाशन की तिथि:** 04.02.2026, **निविदा की अंतिम तिथि और समय:** 26.02.2026 को 15.00 बजे। **निविदा बोली खुलने की तिथि और समय:** 26.02.2026 15.00 बजे। **निविदा बोली शुरू होने की तिथि:** 12.02.2026, समय-समय पर जारी निविदा सूचना और शुद्धिपत्र का ब्यौरा वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है।
SDAH-386/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कर चोरी मामला : आयकर विभाग ने कोलकाता में 20 स्थानों पर की छापामारी

प्रभावशाली व्यवसायी और रियल एस्टेट प्रमोटर निशाने पर

कोलकाता, समाज्ञा : आयकर विभाग की टीम ने सोमवार को कर चोरी के मामलों में कोलकाता में 20 स्थानों पर छापामारी की। इनमें दक्षिण कोलकाता के अलीपुर स्थित राजा संतोष रोड पर एक प्रभावशाली व्यवसायी का आवास भी शामिल था। दक्षिण कोलकाता के चेतला स्थित उक्त व्यवसायी के कार्यालय में भी एक साथ छापामारी और तलाशी अभियान चलाया गया। सूत्रों ने बताया कि कारोबारी और उसके स्वामित्व वाली संस्था के खिलाफ पहले से दायर आयकर चोरी और आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति के मामले के आधार पर तलाशी अभियान चलाया गया। आयकर अधिकारियों की एक अन्य टीम ने न्यूटाउन के एक्शन एरिया-तीन में एक पाश हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में एक अन्य व्यवसायी के आवासीय फ्लैट पर एक साथ छापामारी की। इसी तरह, तीन और कार्यालयों में छापामारी और तलाशी अभियान चलाया गया, जिनमें से एक न्यूटाउन के इकोस्पेस में, दूसरा मध्य कोलकाता के पार्क स्ट्रीट में और तीसरा दक्षिण कोलकाता में गुरुसदय दत्ता रोड के पास स्थित है। ये सभी कार्रवाइयां बड़े पैमाने पर आयकर चोरी, बेहिसाब संपत्ति और आय के अनुपात से अधिक संपत्ति के मामलों से संबंधित हैं। उत्तर 24 परगना जिले के बारासात स्थित दक्षिणपाड़ा रोड पर शीतलातला मंदिर के समीप मुखर्जी परिवार के आवास पर आयकर विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी अभियान चलाया। प्रारंभिक तौर पर माना जा रहा है कि परिवार के एक सदस्य सत्यनारायण मुखर्जी के जमीन खरीद-बिक्री और प्रमोटिंग व्यवसाय से जुड़े होने के कारण यह आयकर कार्रवाई की गई हो सकती है। हालांकि, किस ठोस शिकायत या सूचना के आधार पर यह तलाशी ली जा रही है, इस संबंध में आयकर विभाग की ओर से अब तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

लड़कियों के लिए पूर्ण समानता हासिल करने की दिशा में अभी लंबा रास्ता तय करना होगा : हाई कोर्ट

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता उच्च न्यायालय की पोर्ट ब्लेयर सर्किट पीठ ने कहा है कि लड़कियों के लिए पूर्ण समानता हासिल करने के वास्ते समाज को अभी लंबा रास्ता तय करना है। अदालत ने डेढ़ साल की बेटी की हत्या करने के बाद आत्महत्या करने वाली महिला के ससुराल वालों को उसके उत्पीड़न के आरोपों से बरी करने के निचली अदालत के फैसले को रद्द करते हुए यह टिप्पणी की। पोर्ट ब्लेयर सत्र न्यायालय ने महिला के ससुराल वालों को बरी कर दिया था। उन पर आरोप था कि वे महिला को प्रताड़ित करते थे और उसके माता-पिता से दहेज की मांग करते थे, खासकर बच्ची के जन्म के बाद।

महिला ने 2021 में अपनी बेटी की हत्या करने के बाद आत्महत्या कर ली थी। उच्च न्यायालय ने मृतक महिला के सास, ससुर, देवर और देवरानी को चार हफ्ते के भीतर निचली अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया। अभियोजन पक्ष की अपील पर छह फरवरी को फैसला सुनाते हुए न्यायमूर्ति अपूर्व सिन्हा रे ने खेद व्यक्त करते हुए कहा कि हालांकि, हमें इस बात की बेहद खुशी और गर्व है कि हमारी बेटियों ने हाल ही में क्रिकेट विश्व कप जीता है और वे कई अन्य क्षेत्रों में भी उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। लेकिन डेढ़ साल की रुद्रिका की मौत हमें यह याद दिलाती है कि हमारी लड़कियों के लिए पूर्ण समानता हासिल करने के वास्ते अभी भी हमें बहुत लंबा रास्ता तय करना है। भावना नामक महिला ने आठ जुलाई 2021 को पोर्ट ब्लेयर में अपनी बच्ची का गला घोंटने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। भावना का पति घटना के समय अपने कार्यालय में था।

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, खड़गपुर मंडल, दक्षिण पूर्व रेलवे ने निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा सूचना प्रकाशित किया है: **ई-निविदा सूचना सं. : केजीपी/सीएटीजी/2026, दिनांक 06.02.2026, कार्य का विवरण:** 05 (पाँच) वर्ष की अवधि के लिए **खड़गपुर** रेलवे स्टेशन में जनरल माइनर यूनिट **(03 अदद)** पर कैटरिंग सेवाओं का प्रावधान। उक्त 03 कैटरिंग यूनिट के लिए आईआरईपीएस पोर्टल पर बोली जमा करने की अंतिम तिथि और समय दिनांक **27.02.2026, 11.00 बजे है, जो https://www.ireps.gov.in/ वेबसाइट** में सूचित किए गए हैं। एजेंसी/कैटरिंग ठेकेदार इस पर ध्यान दें और ई-नीलामी सूचना के विवरण और संबंधित जानकारी के लिए ऊपर उल्लिखित वेबसाइट देखें। पूछताछ/स्पष्टीकरण के लिए, यदि कोई हो, कृपया वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, खड़गपुर मंडल के कार्यालय से संपर्क करें। **(PR-1160)**

पूर्व रेलवे

ई-निविदा प्रणाली के लिए संक्षिप्त निविदा सूचना सं. 04एचडब्ल्यूएचसीओएन॥ ऑफ 2025-26 (निविदा सं. 04एचडब्ल्यूएचसीओएन॥ ऑफ 2025-26), (दो पैकेट प्रणाली में खुली निविदा), दिनांक 05.02.2026, उप मुख्य अभियंता/निर्माण/II/पूर्व रेलवे/हावड़ा, 371, तेलकल घाट, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए पर्याप्त अनुभव रखने वाले वित्तीय एवं अपेक्षित साधन सम्पन्न ख्यातिप्राप्त ठेकेदारों से ई-निविदा प्रणाली के लिए खुली निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** पूर्व रेलवे के लिलुआ वर्कशॉप में ईएमयू/एलएचबी/आईसीएफ/वंदे भारत कोच, एलएचबी कोचों के एमएलआर, इलेक्ट्रिकल पावर कार और एसी ओवरहॉलिंग एवं एसी फिनिशिंग शॉप के लिए व्हील शॉप के बुनियादी ढांचे का विभिन्न ढांचागत विकास और विस्तार। **अनुमानित मूल्य:** रु. 41,60,47,722.21, **बयाना राशि:** रु. 22,30,200/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **समापन अवधि:** 18 (अठारह) माह। **खुलने की तिथि:** दिनांक 06.03.2026, निविदा सूचना, कागजात एवं समय-समय पर जारी संशोधनी के साथ अपेक्षित पात्रता मानदंड इत्यादि का विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा के लिए बोली उपर्युक्त वेबसाइट पर ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से जमा की जानी चाहिए। इस निविदा के लिए मैनुअल प्रस्ताव की अनुमति नहीं दी जाती है एवं कोई भी मैनुअल प्रस्ताव यदि प्राप्त होता है, तो उसे स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं सरासर रद्द कर दिया जाएगा।
HWH-600/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं.: ईएल-एमएलडीटी-ई-निविदा-406, दिनांक 05.02.2026, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सा.)/पूर्व रेलवे, मालदा, मंडल रेल प्रबंधक/पूर्व रेलवे/मालदा टाउन ऑफिस बिल्डिंग, पी.ओ. झलझलिया, जिला-मालदा, पिन-732102 (पश्चिम बंगाल) द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए अनुभवी एवं वित्तीय संपन्न ख्यातिप्राप्त फर्मों/एजेंसियों/ठेकेदारों से खुली ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **कार्य का नाम:** "मालदा मंडल के तहत प्रमुख स्टेशन में विद्युत आपूर्ति के विस्तार के साथ टीटीए पैनल का प्रावधान" के संबंध में विद्युत कार्य। **निविदा मूल्य:** रु. 1,69,69,965.17, **बयाना राशि:** रु. 2,34,900/-, **निविदा कागजात का मूल्य:** शून्य। **ई-निविदा जमा देने की तिथि एवं समय:** दिनांक 13.02.2026 से 27.02.2026 को 15.30 बजे तक। **वेबसाइट का विवरण एवं सूचना पट :** वेबसाइट: **www.ireps.gov.in** एवं सूचना पट: वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता(सा.)/पूर्व रेलवे/ मालदा टाउन का कार्यालय। निविदाकारों से अनुरोध है कि वेबसाइट **www.ireps.gov.in** में विस्तृत निविदा सूचना एवं कागजात देखें। उपर्युक्त निविदा के लिए किसी भी परिस्थिति में किसी मैनुअल प्रस्ताव को स्वीकार नहीं किया जाएगा।
MLD-318/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट: www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

कोयला तस्करी मामला : ईडी ने बुदबुद पुलिस थाना प्रभारी को पूछताछ के लिए किया तलब

लाला के करीबी चिन्मय मंडल भी तलब

कोलकाता, समाज्ञा : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को पश्चिम बर्दवान जिले के बुदबुद पुलिस थाने के प्रभारी अधिकारी को कोयला तस्करी से जुड़े एक मामले के सिलसिले में पूछताछ के लिए तलब किया। सूत्रों ने बताया कि ईडी ने बुदबुद पुलिस थाना प्रभारी मनोरंजन मंडल के आवास पर तलाशी लेने के कुछ दिन बाद उन्हें पूछताछ के लिए पेश होने का समन जारी किया है। तलाशी के दौरान मंडल के आवास से कई दस्तावेज जब्त किए गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि मनोरंजन मंडल से पूछताछ कोयला तस्करी के खिलाफ जारी जांच के सिलसिले में है। अधिकारी के मुताबिक, ईडी ने इसी मामले में चिनमय मंडल को भी पूछताछ के लिए तलब किया है, जिसे कोयला तस्करी के आरोपी लाला का करीबी सहयोगी माना जाता है। उन्होंने बताया कि जांचकर्ताओं का माननाहै कि चिनमय कथित गिरोह के प्रमुख संचालकों में से एक था।

ममता सरकार ने 12 शरणार्थी कॉलोनियों को दी मान्यता

निवासियों को मिलेगा भूमि अधिकार, निवास प्रमाण पत्र

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव की आहट के साथ सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने एक रणनीतिक कदम उठाते हुए विभिन्न जिलों की 12 नई शरणार्थी कॉलोनियों को आधिकारिक मान्यता देने का निर्णय लिया है। नवान्न (राज्य सचिवालय) सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता में कुछ दिन पहले हुई कैबिनेट बैठक में इन कॉलोनियों के निवासियों को भूमि अधिकार और निवास प्रमाण पत्र प्रदान करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। सरकारी और निजी भूमि पर स्थित इन 12 कॉलोनियों की सूची में उत्तर दिनाजपुर की बीरनगर कॉलोनी और उत्तर 24 परगना की

द्विजहरि स्कायर, चासीपाड़ा व मानसा कॉलोनी जैसे प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, कोलकाता नगर निगम के विभिन्न वार्डों और दक्षिण 24 परगना की आनंदमयी पार्क व सुकांत सरणी जैसी बस्तियों के हजारों निवासियों को इस फैसले से सीधा लाभ मिलेगा। भूमि एवं भूमि सुधार विभाग का कहना है कि लंबे समय से लंबित कानूनी और प्रशासनिक जटिलताओं को दूर कर यह कदम विशुद्ध रूप से मानवीय और प्रशासनिक प्रतिबद्धता के तहत उठाया गया है।

विधानसभा में मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था पर दायर याचिका पर हाई कोर्ट में सुनवाई

कोलकाता, समाज्ञा : पश्चिम बंगाल विधानसभा के अंदर मुख्यमंत्री के सुरक्षा कर्मियों के साथ प्रवेश को लेकर दायर याचिका पर कलकत्ता हाई कोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता किशोर दत्ता ने स्पष्ट किया कि यह व्यवस्था अदालत की अवमानना के दायरे में नहीं आती। यह मामला विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी द्वारा दायर किया गया है, जिसमें विधानसभा परिसर में सुरक्षा कर्मियों के प्रवेश की वैधता को चुनौती दी गई है। राज्य की ओर से दलील देते हुए महाधिवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री और विधानसभा अध्यक्ष दोनों संवैधानिक पदों पर आसीन हैं, इसलिए उनकी सुरक्षा के लिए विशेष प्रावधान किए जाना स्वाभाविक है। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसे प्रावधानों को अदालत की अवमानना नहीं माना जा सकता। सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा कि अदालत फिलहाल मामले की गहराई में जाने की इच्छुक नहीं है। हालांकि, उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि अगली सुनवाई तक विधानसभा के भीतर सुरक्षा व्यवस्था में किसी प्रकार का अपवाद नहीं होना चाहिए। साथ ही, अध्यक्ष द्वारा जारी सुरक्षा संबंधी अधिसूचना सभी विधायकों पर समान रूप से लागू होनी चाहिए। मामले की अगली सुनवाई 27 अप्रैल को निर्धारित की गई है।

पूर्व रेलवे

बिड संख्या: जीईएम/2026/बी/7203093, दिनांक: 06.02.2026, उप मुख्य यांत्रिक अभियंता/बीएमएफ/बीजीबी, सी एंड डब्ल्यू वर्कशॉप, पूर्व रेलवे, लिलुआ, हावड़ा-711204 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए जीईएम पोर्टल के माध्यम से ई-निविदा आमंत्रित की जाती है: **बिड का विवरण: वस्तु श्रेणी:** सेवाओं के लिए कस्टम बिड-ड्राइंग एवं कार्य परिधि के अनुसार बोगी मैन्युफैक्चरिंग फैक्टरी बजबज के 5-एक्सिस मशीन में बोगी फ्रेम मशीनिंग। **अनुमानित बिड मूल्य :** रु.77,22,000/- **ईएमडी की राशि :** रु.1,54,440/-, **ईपीबीजी विवरण : एडवाइजरी बैंक :** स्टेट बैंक ऑफ इंडिया। **ईपीबीजी प्रतिशत(%):** 5.00, **ईपीबीजी की आवश्यक अवधि (महीने):** 38, **अनुबंध अवधि:** 3 वर्ष 1 दिन। **बिड पेशकश वैधता (बंद होने की तारीख से) :** 120 दिन। **बिड बंद होने की तारीख/समय:** दिनांक 27.02.2026 को 18.00 बजे। **बिड खुलने की तारीख/समय:** दिनांक 27.02.2026 को 18.30 बजे। **बिडर का न्यूनतम औसत वार्षिक टर्नओवर (3 वर्षों का):** रु.39 लाख। **इसी तरह की सेवाओं का पिछला आवश्यक अनुभव है :** हाँ। **बिड का प्रकार :** दो पैकेट बिड। **तकनीकी मूल्यांकन के दौरान तकनीकी स्पष्टीकरण हेतु अनुमत समय:** 2 दिन।
MISC-392/2025-26
निविदा सूचना जीईएम पोर्टल : www.gem.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी आमंत्रण सूचना

ई-नीलामी सूचना सं. : सीओएम/पीयूबी/एचडब्ल्यूएच/25/63, दिनांक 05.02.2026, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा मंडल, नई डीआरएम बिल्डिंग, चतुर्थ मंजिल, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए अनुबंध प्रदान करने हेतु ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है।

कैटलॉग सं.: पीयूबी-एचडब्ल्यूएच-25-63

क्रम सं.: एए/1, लॉट सं.: एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एलएलएच-एमईडीएसटीएन-69-26-1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-स्टेशन में चिकित्सा सुविधाएँ), विवरण: पाँच (05) वर्ष की अवधि हेतु हावड़ा मंडल के लिलुआ स्टेशन पर मेडिकल स्टोर की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **क्रम सं.: एबी/1, लॉट सं.: एमएसएस-एचडब्ल्यूएच-एजेड-टीएचडीपीके-70-26-1 (एमआईएससी-स्टैटिक-सर्विसेस-ट्रैवल हेल्प डेस्क/ट्रैवलर्स इंफॉर्मेशन एवं प्रमोशनल कियोस्क), विवरण:** तीन (03) वर्ष की अवधि के लिए आजिमगंज रेलवे स्टेशन पर 'ट्रैवल हेल्प डेस्क/ट्रैवलर्स इंफॉर्मेशन एवं प्रमोशनल कियोस्क' सुविधा की स्थापना, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध प्रदान करना। **नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** 20.02.2026 को 12.00 बजे।
HWH-599/2025-26
निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें यहाँ देखें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

आरजी कर मामला : मशाल रैली निकालकर जन्मदिन पर महिला चिकित्सक को किया गया याद

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता में सोमवार को सैकड़ों लोगों ने एक मशाल रैली निकाली और आरजी कर अस्पताल की डॉ. अभया को न्याय दिलाने के लिए लड़ाई जारी रखने का संकल्प लिया। बता दें कि नौ फरवरी को डॉ. अभया का जन्मदिन होता है और अगस्त 2024 में उनकी अस्पताल में दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गयी थी। नागरिक समाज के सदस्यों, विद्यार्थियों और पेशेवरों के एक मंच 'अभया के लिए न्याय' फोरम द्वारा निकाली गयी इस रैली में आरोप लगाया गया कि एक व्यक्ति को छोड़कर, इस बड़ी साजिश में शामिल अन्य लोगों की अब तक पहचान नहीं हो पाई है। फोरम ने राज्य और केंद्र दोनों की जांच एजेंसियों पर शहर के बीचों-बीच एक सरकारी अस्पताल में हुए इस जघन्य अपराध का पर्दाफाश करने में तत्परता न दिखाने का भी आरोप लगाया। सोमवार को अभया के 33वें जन्मदिन पर उसके माता-पिता ने उसकी तस्वीर के सामने 33 गुलाब रखे। पीड़िता के माता-पिता ने कहा कि हमारा रुख स्पष्ट है। नौ अगस्त, 2024 को हमारी इकलौती बेटी पर हुए क्रूर अत्याचार किसी एक व्यक्ति का काम नहीं हा सकता। हम मांग करते हैं कि इस संस्थागत अपराध में शामिल सभी लोगों की पहचान की जाए और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। डॉ. अभया की मां ने पत्रकारों से कहा कि जब तक उसे न्याय नहीं मिल जाता, हम तब तक तक लड़ते रहेंगे। प्रदर्शनकारियों ने सोदपुर ट्रैफिक मोड़ पर दो किलोमीटर तक मोमबत्तियां जलाईं। प्रदर्शनकारियों ने एस्प्लेनेड डोरिना क्रॉसिंग और शहर के श्यामबाजार इलाके में भी इकट्ठा होकर न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रखने का संकल्प लिया।

एसआईआर के दबाव में बागदा में बीएलओ ने की आत्महत्या की कोशिश

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के बागदा क्षेत्र में एक प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक और बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) द्वारा आत्महत्या का प्रयास किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। परिवार का आरोप है कि एसआईआर (विशेष पुनरीक्षण) कार्य के अत्यधिक दबाव के कारण उन्होंने यह कदम उठाया। गंभीर अवस्था में उन्हें बनगांव महकमा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, घायल शिक्षक का नाम सरजित हलदर है। वे पाथुरिया प्राथमिक विद्यालय में कार्यरत हैं और बागदा ब्लॉक के पाथुरिया 30 नंबर पार्ट के बीएलओ के रूप में भी नियुक्त थे। वे परमादन क्षेत्र के निवासी बताए जाते हैं। सोमवार सुबह ट्यूशन पढ़ाने के बाद वे स्कूल पहुंचे थे। सूत्रों के मुताबिक, एक अभिभावक कक्षा चार का उत्तीर्ण प्रमाणपत्र लेने स्कूल पहुंचे थे। कार्यालय कक्ष का दरवाजा खोलते ही उन्होंने सरजित हलदार को फंदे से लटका हुआ देखा। घबराकर उन्होंने तुरंत अन्य लोगों को सूचना दी। बाद में उन्हें नीचे उतारकर बनगांव महकमा अस्पताल ले जाया गया। परिवार ने दावा किया है कि एसआईआर संबंधी कार्यभार के दबाव के चलते उन्होंने आत्महत्या का प्रयास किया।

कोलकाता में बिहार निवासी आग्नेयास्त्र, गोला-बारूद के साथ गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में अवैध हथियारों की तस्करी के बारे में गुप्त सूचना मिलने के बाद कोलकाता पुलिस ने बिहार निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और उसके कब्जे से छह आग्नेयास्त्र और 11 गोलियां जब्त कीं। बताया गया है कि पुलिस ने गत रविवार की रात इस विशेष खुफिया जानकारी के बाद आरोपी को गिरफ्तार किया कि बिहार और झारखंड से राज्य में हथियार और गोलाबारूद ले जाया जा रहा है। अधिकारी ने कहा कि कई स्रोतों के माध्यम से इनपुट की पुष्टि के बाद, हमने गया के एक व्यक्ति की पहचान की, जिसपर अवैध हथियार रखने का संदेह था। पुलिस के अनुसार, मानवीय खुफिया जानकारी और तकनीकी सहायता की मदद से संदिग्ध पर नजर रखी गयी थी। जानकारी के मुताबिक, संदिग्ध रात्रिकालीन बस से गया से कोलकाता पहुंचा। अधिकारी ने कहा कि हमें उसके संभावित मार्ग के बारे में जानकारी थी, लेकिन सटीक समय या वह किस वाहन का उपयोग करेगा, इसकी जानकारी नहीं थी। यह ज्ञात था कि वह ऑटो या पीली टैक्सी से यात्रा करेगा। लंबी जांच के बाद, पुलिस ने दोपहर करीब 1 बजे गरियाहाट इलाके से पूर्वी बाईपास की ओर आ रहे एक ऑटो-रिक्शा को रोका और संदिग्ध को हिरासत में लिया, जिसकी पहचान बिहार के गया जिले के गुरुआ पुलिस थाना के अंतर्गत बैदा गांव के निवासी मोहम्मद इस्तियाक (38) के रूप में हुई।

विधानसभा चुनाव : भाजपा का 'रिवर्स गेम प्लान', सर्वे में पहली बार सामने आया 'नो-कैंडिडेट' फॉर्मूला

पिछले चुनावों की गलतियों से सीख रही भाजपा, पैरवी रोकने और पारदर्शिता बढ़ाने का लक्ष्य

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा ने अपनी रणनीति में एक बड़ा और चौंकाने वाला बदलाव किया है। पार्टी इस बार केवल जीतने वाले उम्मीदवारों की तलाश ही नहीं कर रही, बल्कि उन चेहरों की भी शिनाख्त कर रही है जिन्हें किसी भी हाल में टिकट नहीं दिया जाना है। दिल्ली के सीधे निर्देश पर हो रहे एक गोपनीय सर्वे में हर सीट से तीन संभावित उम्मीदवारों के नाम के साथ-साथ तीन ऐसे नाम भी भेजे जा रहे हैं, जिनके प्रति जनता और कार्यकर्ताओं में भारी नाराजगी है। 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव के अनुभवों से सीख लेते हुए भाजपा नेतृत्व इस बार 'घर फूंक तमाशा' देखने के मूड में नहीं है। पिछले चुनावों में 'योगदान मेला' के जरिए दूसरे दलों से आए भारी-भरकम नेताओं और टॉलीवुड के सितारों को टिकट देने का दांव उल्टा पड़ गया था। बाहरी नेताओं के 'उड़कर आने और जुड़ जाने' की प्रवृत्ति ने जमीन पर पार्टी के पुराने कार्यकर्ताओं को नाराज कर दिया था। इसी 'सिंदुरे मेघ' (आशंका के बादल) को टालने के लिए पार्टी ने अब पेशेवर एजेंसियों के जरिए समानांतर सर्वे कराया है।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक, केंद्रीय

नेतृत्व के इशारे पर पेशेवर सर्वेक्षकों ने हर विधानसभा क्षेत्र में करीब 1,000 से 1,200 लोगों से फीडबैक लिया है। इसमें दो सूचियां तैयार की गई हैं। पहली सूची में उन तीन लोगों के नाम हैं जिन्हें जनता पसंद कर रही है। वहीं, दूसरी 'नेगेटिव लिस्ट' में उन तीन लोगों के नाम दर्ज हैं जो टिकट पाने के लिए बड़े नेताओं की पैरवी कर रहे हैं, लेकिन क्षेत्र में उनकी छवि खराब है। सूत्रों का कहना है कि इस 'ना-पसंद' सूची में दक्षिण बंगाल के कई बड़े नाम शामिल हैं। इनमें से अधिकांश वे नेता हैं जो पहले तृणमूल कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ भाजपा में आए थे। उत्तर बंगाल की तुलना में दक्षिण बंगाल में ऐसे नेताओं की संख्या अधिक है। विशेष रूप से राजारहाट-न्यूटाउन, बिधाननगर और चंडीपुर जैसी सीटों पर राज्य स्तर के कुछ 'परिचित चेहरों' को जनता ने सिरे से नकार दिया है।

भाजपा के इस कदम का मुख्य उद्देश्य 'टिकट के जुगाड़' को खत्म करना है। अक्सर देखा जाता है कि कुछ नेता दिल्ली या कोलकाता के बड़े पदाधिकारियों से अपनी निकटता का फायदा उठाकर टिकट पा लेते हैं। अब, यदि किसी नेता का नाम सर्वे की 'नेगेटिव लिस्ट' में आ गया, तो कोई भी सिफारिश उसे चुनाव मैदान में नहीं उतार पाएगी। मंडल स्तर के पदाधिकारियों से अब इन 'ना-पसंद' नामों पर फीडबैक लेकर उनके खिलाफ शिकायतों का पुलिंदा तैयार किया जा रहा है, ताकि टिकट वितरण के समय चयन प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी रहे।

विश्वानि देव सवितर्दुरितानि परासुव। यद् भद्रं तन्न आ सुव॥
www.samagya.in
समाज्ञा
NEWS PAPER ADVERTISING SOLUTION
MATRIMONIAL • EDUCATION • OBITUARY
PROPERTY • NAME CHANGE • REMEMBRANCE
RECRUITMENT • PUBLIC NOTICE • DISPLAY
TO AD IN SAMAGYA PLEASE CONTACT
samagyaadvt@gmail.com | samagya.in
81, Chintamani Dey Road, Howrah 711 101, Mobile: 70444 44522

मोयना में 'लक्ष्मी भंडार' पुनः शुरू, हाई कोर्ट के निर्देश के बाद खातों में पहुंची राशि

पूर्व मेदिनीपुर : जिले के मोयना प्रखंड अंतर्गत बाकचा और गोजिना- इन दो ग्राम पंचायत क्षेत्रों में लंबे समय से बंद पड़ी राज्य सरकार की 'लक्ष्मी भंडार' योजना एक बार फिर शुरू हो गई है। हाई कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद इन इलाकों की कई महिलाओं के खातों में हाल ही में 1500 रुपये की राशि जमा हुई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, बाकचा और गोजिना ग्राम पंचायत क्षेत्रों में करीब 13 से 14 हजार महिलाएं पिछले कई महीनों से 'लक्ष्मी भंडार' योजना के लाभ से वंचित थीं। इसे लेकर 20 जनवरी को बाकचा ग्राम पंचायत की भाजपा सदस्य सुनीता मंडल ने कलकत्ता हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। मामले की सुनवाई के बाद 29 जनवरी को हाई कोर्ट ने राज्य सरकार को निर्देश दिया कि वह 15 फरवरी को अदालत में यह स्पष्ट करे कि पात्र महिलाओं के खातों में 'लक्ष्मी भंडार' की राशि क्यों नहीं पहुंची। हाई कोर्ट के इस सख्त रुख के बाद ही त्वरित कार्रवाई करते हुए फरवरी माह में घोषित 1500 रुपये की राशि दोनों ग्राम पंचायत क्षेत्रों की कई महिलाओं के खातों में भेज दी गई। हालांकि, पिछले छह महीनों की बकाया राशि को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। इस विषय पर अगली सुनवाई 17 फरवरी को होनी है।

मिड-डे मील पर आवंटित बजट का 25 प्रतिशत भी खर्च नहीं कर पाई ममता सरकार

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में मिड-डे मील योजना के बारे में हैरान करने वाले आंकड़े आए हैं। राज्य विधानसभा में पिछले हफ्ते पेश अंतरिम बजट के दस्तावेज से खुलासा हुआ है कि मिड-डे मील योजना के लिए आवंटित बजट में से बहुत कम राशि खर्च की गई है। बजट दस्तावेज के अनुसार, पिछले दो वित्तीय वर्षों 2024-25 और 2023-24 के लिए स्थिति दयनीय थी। वित्तीय वर्ष 2024-25 में मिड-डे मील के लिए बजटीय आवंटन 2,299.30 करोड़ रुपए था, लेकिन उस वर्ष वास्तविक खर्च सिर्फ 241.96 करोड़ रुपए रहा, जो कुल

आवंटन का मात्र 10.52 प्रतिशत है। उससे पहले, वित्तीय वर्ष 2023-24 में मिड-डे मील के लिए 2,377 करोड़ रुपए का बजटीय प्रावधान किया गया था, लेकिन वास्तविक उपयोग सिर्फ 515.04 करोड़ रुपए रहा, यानी 21.66 प्रतिशत। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य में मिड-डे मील के लिए 1,673.12 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। हालांकि, 2025-26 के संशोधित अनुमानों के अनुसार 31 मार्च 2026 तक सिर्फ 320.01 करोड़ रुपए (सिर्फ 19.12 प्रतिशत) ही खर्च किए जा सकेंगे। इसका मतलब है कि तीनों वित्तीय वर्षों को मिलाकर राज्य में मिड-डे मील के बजटीय आवंटन का औसत प्रतिशत उपयोग सिर्फ 16.96 फीसदी है। माना जा रहा है कि पिछले कम प्रतिशत उपयोग को ध्यान में रखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार ने 2026-27 के वित्तीय वर्ष के लिए इस योजना के लिए बजटीय आवंटन को घटाकर 1,150.90 करोड़ रुपए कर दिया है, जो 2023-24, 2024-25 और 2025-26 के संबंधित आंकड़ों से काफी कम है। राज्य वित्त विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि 2025-27 के लिए मिड-डे मील के लिए 1,150.90 करोड़ रुपए का यह बजटीय आवंटन अंतिम आंकड़ा नहीं हो सकता है और इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव के बाद नई राज्य कैबिनेट की ओर से पूर्ण बजट पेश करने के बाद इसमें संशोधन किया जा सकता है।

उच्च माध्यमिक परीक्षा 12 फरवरी से शुरू, नियमों और एडमिट कार्ड त्रुटि पर शिक्षा परिषद की अहम घोषणा

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य में उच्च माध्यमिक परीक्षा 12 फरवरी से शुरू होने जा रही है। उच्च माध्यमिक शिक्षा परिषद के अनुसार इस वर्ष चौथे सेमेस्टर में लगभग 7,10,000 परीक्षार्थी शामिल होंगे। इनमें छात्राओं की संख्या छात्रों से 79,347 अधिक है। परीक्षा के लिए राज्य भर में 2,103 केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें से 104 को संवेदनशील घोषित किया गया है। परिषद के अध्यक्ष चिरंजीव भट्टाचार्य ने बताया कि चौथे सेमेस्टर की परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। परिषद ने सख्त दिशा-निर्देश जारी किए हैं-गोपनीय कक्ष और मुख्य द्वार पर सीसीटीवी निगरानी रहेगी तथा सुबह 9:50 बजे प्रश्नपत्र वितरित किए जाएंगे। परीक्षा के दौरान मोबाइल फोन मिलने पर

संबंधित परीक्षार्थी की पूरी परीक्षा रद्द कर दी जाएगी। इस वर्ष तीन श्रेणियों में परीक्षाएं आयोजित होंगी-चौथा सेमेस्टर, तीसरा सेमेस्टर सप्लीमेंटरी (केवल ओएमआर आधारित) और पुरानी पद्धति की परीक्षा। सभी केंद्रों पर प्रश्नपत्र पहले ही भेजे जा चुके हैं। इस बीच, एडमिट कार्ड में छपाई त्रुटि का मामला सामने आया है। करीब 4,000 एडमिट कार्ड रद्द कर नए जारी किए गए हैं, क्योंकि कुछ में रोल नंबर के बीच गलत दशमलव बिंदु छप गया था। परिषद ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि प्रभावित छात्र नए एडमिट कार्ड डाउनलोड करें। त्रुटिपूर्ण एडमिट कार्ड अमान्य माने जाएंगे।

नदिया में तृणमूल विधायक पर स्कूली छात्रों पर हमला करने का आरोप

घर के बाहर जमा हुए लोग, किया विरोध प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : नदिया जिले में घर लौट रहे कुछ छात्रों पर कथित तौर पर हमला करने के आरोप में तृणमूल कांग्रेस के विधायक बिमलेंदु सिन्हा रॉय ने सोमवार को बयान दिया। विधायक ने आरोपों से इनकार किया। इस घटना के बाद छात्रों और नाराज स्थानीय लोगों ने उनके घर के सामने विरोध-प्रदर्शन किया था। करीमपुर के विधायक ने यह भी दावा किया कि यह भाजपा की ओर से उनकी छवि खराब करने की साजिश थी। यह घटना रविवार की रात नदिया जिले के मुरुतिया थाना अंतर्गत आने वाले बलियाडांगा गांव के पास की है। सूत्रों के अनुसार, मुरुतिया के बलियाडांगा क्षेत्र में कई कक्षा 12 के छात्र निजी ट्यूशन के बाद घर लौट रहे थे। उस समय विधायक भी एक पार्टी कार्यक्रम में भाग लेने के बाद घर लौट रहे थे। आरोप है कि विधायक की कार का हॉर्न बजने के बावजूद छात्रों ने रास्ता नहीं दिया। इस पर, विधायक कथित तौर पर कार से उतरे और छात्रों से भिड़ गए, जहां उनकी तीखी बहस हुई। उन पर छात्रों के साथ मारपीट करने का भी आरोप है। इसके बाद, स्थानीय निवासी विधायक के घर के सामने जमा हो गए और विरोध-प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिसमें विधायक से अपने घर से बाहर आकर बिना शर्त माफी मांगने की मांग की गई। खबर मिलते ही मुरुतिया थाने के पुलिस कर्मी मौके पर पहुंचे, लेकिन विरोध-प्रदर्शन कुछ समय तक जारी रहा। विधायक बिमलेंदु रॉय ने कहा कि मैं छात्रों से बात कर रहा था, जब इलाके के कुछ भाजपा नेताओं ने मुझे अपमानित करने की कोशिश की, लेकिन उनका प्रयास विफल रहा। मैंने कुछ भी गलत नहीं किया है। मैं इस घृणित कृत्य में किसी भी तरह से शामिल नहीं हूं। भाजपा ने मुझे कई तरह से परेशान करने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हुए। भाजपा ने बिमलेंदु सिन्हा रॉय के आरोपों का खंडन किया।

अश्विनी वैष्णव ने गुवाहाटी स्टेशन पर नई यात्री सुविधाओं का उद्घाटन किया, सायरंग-शिलचर ट्रेन को दिखाई हरी झंडी

मालीगांव, समाज्ञा : केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर उन्नत यात्री सुविधाओं का उद्घाटन किया और मिजोरम व असम के बीच सायरंग-शिलचर नई पैसेंजर ट्रेन सेवा को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर मिजोरम के मुख्यमंत्री श्री लालदुहोमा, असम के सांसद श्री कणाद पुरकायस्थ और श्री परिमल शुक्ला बैद्य सहित कई जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। गुवाहाटी रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की सुविधा बढ़ाने के लिए आधुनिक लाउंज, स्लीपिंग पॉड्स और स्वच्छता व सुरक्षा से जुड़ी सुविधाओं का विकास किया गया है। विशेष रूप से महिला

यात्रियों को ध्यान में रखते हुए सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण सुनिश्चित किया गया है, जिससे स्टेशन का स्वरूप अधिक यात्री-अनुकूल बन सके। सायरंग-शिलचर ट्रेन सेवा से मिजोरम और असम के बीच रेल संपर्क को नई मजबूती मिलेगी। इससे शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, बाजारों और प्रशासनिक केंद्रों तक पहुंच आसान होगी। साथ ही पर्यटन को बढ़ावा मिलने और पहाड़ी इलाकों में सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होने की उम्मीद है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने कहा कि यह सेवा मिजोरम के लोगों के लिए भरोसेमंद, किफायती और आरामदायक यात्रा विकल्प उपलब्ध कराएगी तथा स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को गति देगी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि बीते 11 वर्षों में पूर्वोत्तर में लगभग 1,900 किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बिछाए गए हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पूर्वोदय' विजन के तहत पूर्वोत्तर के लिए 11,486 करोड़ रुपये का ऐतिहासिक रेलवे बजट आवंटन किया गया है, जिससे क्षेत्र में रेल अवसंरचना का तीव्र विकास हो रहा है। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पूर्वोत्तर को राष्ट्रीय रेल नेटवर्क से और अधिक जोड़ने, व्यापार, पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक विकास को नई दिशा देने में अहम भूमिका निभाएंगी।

तुलसीधाम में श्री श्याम भक्ति एवं महाप्रसाद का भव्य आयोजन संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : श्री श्याम परिवार (तुलसीधाम, कोलकाता) की ओर से आयोजित श्री श्याम भक्ति और महाप्रसाद के भव्य कार्यक्रम में श्री कपिलमुनी चैरिटेबल ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने सहभागिता की। ट्रस्ट के सदस्यों ने बताया कि वे श्री रामबाबू के हार्दिक आमंत्रण पर तुलसीधाम प्रांगण में आयोजित इस धार्मिक समारोह में उपस्थित हुए। इस अवसर पर श्री श्याम तुलसी परिवार के यजमानों ने सभी अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत और सम्मान किया। कार्यक्रम में फाल्गुन माह के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। वक्ताओं ने कहा कि फाल्गुन मास में श्याम बाबा (खाटू श्याम) की भक्ति और दर्शन का विशेष धार्मिक महत्व

माना जाता है। श्याम बाबा, जिन्हें बर्बरीक या खाटू श्याम के नाम से भी जाना जाता है, उन्हें कलियुग में भगवान श्रीकृष्ण का स्वरूप माना जाता है। इसी माह में उनकी प्रसिद्ध निशान यात्रा प्रारंभ होती है, जिसमें देशभर से श्रद्धालु राजस्थान के सीकर जिले स्थित खाटू दरबार में दर्शन के लिए पहुंचते हैं। भक्तों के अनुसार, श्याम बाबा को हारे का सहारा कहा जाता है। मान्यता है कि जीवन में निराश हो चुके लोगों को उनकी कृपा से संबल मिलता है। उन्हें पराजितों का सहारा भी माना जाता है और श्रद्धालुओं का विश्वास है कि उनकी भक्ति से सुख, समृद्धि और मानसिक शांति प्राप्त होती है। समारोह के अंत में आमंत्रण के लिए श्री रामबाबू के प्रति आभार व्यक्त किया गया। पूरा वातावरण भक्ति, श्रद्धा और उल्लास से सराबोर रहा।

श्री श्याम प्रेमी ग्रुप (बांधाघाट) की पंचम निशान यात्रा में उमड़े श्रद्धालु

कोलकाता, समाज्ञा : श्री श्याम प्रेमी ग्रुप (बांधाघाट) के तत्वावधान में पंचम श्री श्याम भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया गया। यह शोभायात्रा बांधाघाट, हावड़ा से सुबह 8 बजे धुसड़ी धाम के लिए रवाना हुई। यात्रा के दौरान भक्त रंग और गुलाल से सराबोर होकर श्याम भजनों पर झूमते-नाचते हुए धुसड़ी धाम पहुंचे। निशान यात्रा में महिलाओं ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। संस्था के महासचिव अनिल शर्मा ने बताया कि श्याम प्रेमियों के लिए सभी व्यवस्थाएं पूर्णतः निःशुल्क रखी गई थीं। निशान यात्रा के उपरांत शाम को भजन-कीर्तन और महाप्रसाद का आयोजन किया गया। भजन संध्या में भजन गायिकाओं रीना चाड़क, श्वेता, अंजू और मिस आदिति शर्मा

ने श्याम भजनों की अमृत वर्षा कर भक्तों को भाव-विभोर कर दिया। आदिति शर्मा के कर्णप्रिय भजनों की विशेष सराहना की गई। संस्था के अध्यक्ष सुभाष उपाध्याय ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि संस्था की गतिविधियों को देखते हुए हर वर्ष श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। उन्होंने बताया कि आगामी वर्ष इस निशान यात्रा को और अधिक भव्य रूप में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में संतोष पांडे, अजीत खेरिया, मनीष बैद, घनश्याम पुरोहित, किशन चोमाल, दिनेश मिश्रा, संजीव राठी, रमेश सिंह, सुशील सारगी, बिमल शर्मा, गौरव शर्मा, सुमित उपाध्याय, मनीष सारस्वत, सचिन शर्मा, नागेंद्र शर्मा, पवन तिवारी, रंजन सिंह, मनोज पोद्दार, संजय शर्मा तथा महिलाओं में गुंजन शर्मा, एकता तिवारी, सुनीता शर्मा, सोनम शर्मा, प्रीति सारस्वत, मोनिका बैद, मनीषा उपाध्याय, सरिता शर्मा, मनीषा शर्मा, कविता शर्मा, राखी पांडे, सविता मिश्रा, आदिति शर्मा, सीमा पोद्दार और प्रथा उपाध्याय सहित अन्य सदस्यों का सक्रिय योगदान रहा।

श्री जैन बुक बैंक का निःशुल्क पुस्तक वितरण समारोह संपन्न

कोलकाता, समाज्ञा : श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा के तत्वावधान में श्री जैन बुक बैंक द्वारा वार्षिक पुस्तक वितरण समारोह का आयोजन श्री पारसमल कांकरिया सभा हॉल में श्री बीरेंद्र आंचलिया की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। समारोह के दौरान ग्रामीण अंचल के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पुस्तकें वितरित की गईं। श्री जैन बुक बैंक पिछले 46 वर्षों से शिक्षा सेवा एवं ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यक्रमों को जैन सभा के माध्यम से निरंतर संचालित करता आ रहा है। इस अवसर पर 88 विद्यालयों को पुस्तक सेट प्रदान किए गए, जिनमें से 14 विद्यालय पहली बार श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा से जुड़े। कुल 1760 नए पुस्तक सेट वितरित किए गए। इनका लाभ पूर्व एवं पश्चिम मेदिनीपुर, झाड़ग्राम, गड़वेता, पुरुलिया, उत्तर एवं दक्षिण 24 परगना, नदिया तथा सागर और सुंदरवन क्षेत्र के विद्यालयों को मिला। इसके अतिरिक्त, 10 विद्यालयों को 45 कंप्यूटर और 16 विद्यालयों को 50 पंखे भी वितरित किए गए। समारोह में ग्रामीण विद्यार्थियों को माध्यमिक परीक्षा परिणाम के आधार पर पदक, प्रमाण पत्र और क्रमशः 2500, 2100, 1500, 1100 एवं 700 रुपए की प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजकुमार गांधी सहित रिद्धकरण बोथरा, सुरेंद्र बाठिया, प्रदीप पटवा, सुभाष कांकरिया, पदमचंद नाहटा, बीरेंद्र गेलड़ा, ललित कांकरिया, अरुण मालू, उदयचंद सेठिया तथा अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन सभा के चेयरमैन एमेरिटस सरदारमल कांकरिया ने स्वागत भाषण दिया, जबकि श्री जैन बुक बैंक के संयोजक सुशील गेलड़ा ने संयोजक के रूप में अपना वक्तव्य रखा। कार्यक्रम को सफल बनाने में अजय बोथरा, अशोक बोथरा, अजय आभाणी, ललित सेठिया, पुखराज बेताला, महेंद्र सेठिया, तनय बोथरा, महावीर बैद, कमल करनावट और अरिहंत कोठारी की सक्रिय भूमिका रही।

डानकुनी-सूरत डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर: पूर्व से पश्चिम तक माल परिवहन को नई दिशा

कोलकाता, समाज्ञा : केंद्र सरकार ने डानकुनी से सूरत के बीच डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर (डीएफसी) विकसित करने की योजना की घोषणा की है। यह परियोजना देश के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के बीच तेज, निर्बाध और उच्च क्षमता वाले माल परिवहन को मजबूत करने के उद्देश्य से तैयार की जा रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में बताया कि पश्चिम बंगाल में रेल अवसंरचना के लिए 14,205 करोड़ का प्रावधान किया गया है, जिसमें इस कॉरिडोर को प्रमुख पहल के रूप में देखा जा रहा है। प्रस्तावित रेल कॉरिडोर पश्चिम बंगाल, ओडिशा, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात से होकर गुजरेगा। वर्तमान में कोलकाता से सूरत तक मालगाड़ियों को लगभग 1,850-1,900 किलोमीटर की दूरी साझा ट्रैक पर तय करनी पड़ती है, जिससे यात्री ट्रैफिक के कारण अक्सर देरी होती

है। अलग मालवाहक ट्रैक बनने से यात्रा समय घटने और लॉजिस्टिक्स दक्षता बढ़ने की उम्मीद है।

➨ उद्योग, कृषि और लॉजिस्टिक्स को संभावित लाभ

इस कॉरिडोर से पश्चिम बंगाल के परिधान, लघु उद्योग और हस्तशिल्प उत्पादों को बड़े राष्ट्रीय बाजारों तक तेज पहुंच मिल सकती है। सूरत, जो देश का प्रमुख टेक्सटाइल और हीरा प्रसंस्करण केंद्र है, से सीधा संपर्क उद्योगों के बीच आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत कर सकता है। तेज माल परिवहन नेटवर्क से फल, सब्जियां और अन्य शीघ्र नष्ट होने वाले कृषि उत्पादों को दूरस्थ बाजारों तक जल्दी पहुंचाने में मदद मिल सकती है, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य मिलने की संभावना है। रेलवे का मानना है कि माल और यात्री ट्रैफिक अलग होने से मुख्य लाइनों पर भीड़ कम होगी और यात्री ट्रेनों की समयबद्धता में भी सुधार हो सकता है।

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कोलकाता में उत्कृष्ट एनसीसी कैडेटों और आरडीसी दल को किया सम्मानित

कोलकाता, समाज्ञा : राज्यपाल डॉ. सी.वी. आनंद बोस ने सोमवार को कोलकाता स्थित लोक भवन में आयोजित एक समारोह में एनसीसी निदेशालय, पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम के उत्कृष्ट कैडेटों तथा गणतंत्र दिवस कंटिंजेंट 2026 के सदस्यों को सम्मानित किया। यह समारोह एनसीसी कैडेटों की उपलब्धियों, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र सेवा के प्रति उनके समर्पण को मान्यता देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मेजर जनरल अमरपाल सिंह छहल, सेना मेडल, अतिरिक्त महानिदेशक, एनसीसी निदेशालय पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम सहित कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी, गणमान्य अतिथि और बड़ी संख्या में कैडेट उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य आकर्षण के रूप में राज्यपाल ने सेना, नौसेना और वायु सेना विंग के कुल 55 उत्कृष्ट एनसीसी कैडेटों को प्रतिष्ठित 'गवर्नर

मेडल' प्रदान किए। ये पदक एनसीसी प्रशिक्षण, नेतृत्व, सामुदायिक सेवा और राष्ट्र के प्रति उल्लेखनीय योगदान के लिए दिए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, सर्वश्रेष्ठ आर्मी, नेवी और एयर फोर्स एनसीसी यूनिट तथा सर्वश्रेष्ठ ग्रुप को उनके समग्र प्रदर्शन के लिए ट्रॉफी और बैनर प्रदान किए गए। राज्यपाल ने गणतंत्र दिवस शिविर (आरडीसी) 2026 में पश्चिम बंगाल एवं सिक्किम के एनसीसी दल के शानदार प्रदर्शन की विशेष सराहना की। कैडेट सार्जेंट प्रीति शर्मा को देशभर के 17 एनसीसी निदेशालयों में से सीनियर विंग की सर्वश्रेष्ठ वायु सेना कैडेट घोषित किया गया, जबकि आरडीसी कंटिंजेंट ने 'बेस्ट लाइन एरिया' ट्रॉफी भी हासिल की। अपने संबोधन में राज्यपाल ने युवाओं के चरित्र निर्माण और नेतृत्व विकास में एनसीसी की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए इसे राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला बताया।

बंग साहू समाज ने रजत जयंती वर्ष में भव्य छात्रवृत्ति समारोह किया आयोजित

कोलकाता, समाज्ञा : बंग साहू समाज द्वारा रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 8 फरवरी को विरेंद्र भद्र मंच में एक भव्य छात्रवृत्ति कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम पश्चिम बंगाल तैलिक साहू सभा के अंतर्गत संपन्न हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता बंग साहू समाज के अध्यक्ष सुरेश कुमार गुप्ता ने की। शुभारंभ गणेश वंदना से हुआ तथा संस्था के सदस्यों एवं अतिथियों द्वारा प्रदीप प्रज्वलन किया गया, जिनमें प्रमुख रूप से संजय साव, संदीप कुमार गुप्ता, अशोक कुमार साव और अरविंद कुमार साव शामिल थे। इस अवसर पर लगभग 300 छात्र-छात्राओं को कापी, किताबें, बैग एवं लेखन सामग्री वितरित की गई तथा चित्रकला और हस्तकला में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

अध्यक्ष सुरेश कुमार गुप्ता ने वर्ष 2001 में स्थापना दिवस से लेकर 25वें वर्ष तक समाज की गतिविधियों और उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। वहीं, महामंत्री विजय कुमार साव ने वर्ष 2002 से 2026 तक निरंतर सफलतापूर्वक आयोजित छात्रवृत्ति कार्यक्रमों की यात्रा और समाज के शिक्षा क्षेत्र में योगदान पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा सीमा साव के नेतृत्व में महिला सदस्यों की सक्रिय भागीदारी रही, जबकि युवा प्रकोष्ठ के अध्यक्ष राजीव कुमार, सचिव दीपक कुमार साव एवं सहसचिव करण साव ने आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रजत जयंती वर्षगांठ के उपलक्ष्य में बंग साहू समाज द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में निःस्वार्थ सेवा देने वाले 25 समाजसेवी व्यक्तियों को समाज के सच्चे सिपाही के रूप में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों में रविन्द्र नाथ गोराई, भगवान दास आर्य, शिवशंकर गुप्ता, दुर्गा प्रसाद साव, कालीचरण साव, कृष्णा गुप्ता, रंजीत कुमार साव, अनिल कुमार साव, शंनत लाल साव, चिंटू साव, इन्द्र देव गुप्ता, सीए अशोक कुमार साव (कनकदुर्गा), शंकर गुप्ता, देवनाथ साव, अनिल कुमार गुप्ता, राजेश्वर साव, महेंद्र साव, धर्मवीर साव, धनंजय साव, राज कुमार साह, अनूराजू साव, किशन साव, पप्पू साव, राज कुमार साव (बांकड़ा), चन्द गुप्ता, चन्द साव, जय कुमारगुप्ता, राजेश कुमार साव, विजय गुप्ता, संजय साव, राकेश कुमार साव, मिथिलेश साव, राजा साव, धर्मेंद्र साव, किशोरी साव, जगदीश प्रसाद साह, सरजू प्रसाद साव, मिश्री लाल साव, कार्तिक साव, पिंटू कुमार साव, मनोज कुमार (एलआईसी), श्याम सुंदर साव, मंटू साव, गणेश साव, अशोक साव, सुनील कुमार गुप्ता, दिनेश साव, विजय कुमार साव, दिलीप कुमार साव, राज कुमार साव, दीपक साव, अंजन प्रकाश साव, मुन्नालाल साव। महिला प्रकोष्ठ - बीना देवी साव, सुनीता गुप्ता, बबीता साव, रिंकी साव, निवेदिता साव, मंजू गुप्ता, संगीता साव, नीता साव, अनिता साव, पूनम साव, सबिता साव। वहीं, कार्तिक साव, पिंटू कुमार साव के तत्वावधान में कार्यक्रम को समापन कर सभी को धन्यवाद किया।

मालदह मंडल ने रेल पटरियों की सुरक्षा के लिए चलाया विशेष अभियान

मालदह : पूर्व रेलवे के मालदह मंडल ने रेल पटरियों की सुरक्षा सुदृढ़ करने और अनधिकृत ट्रेसपास पर रोक लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया है। मालदह के डीआरएम मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में यह कार्रवाई क्षेत्रीय स्तर पर समन्वित प्रयासों के तहत की जा रही है। 7 फरवरी को आरपीएफ पोस्ट भागलपुर और इंजीनियरिंग विभाग, मालदह मंडल के अधिकारियों व कर्मचारियों ने संयुक्त सुरक्षा अभियान चलाया। इस दौरान तीन ऐसे अवैध पार मार्ग, जिनका उपयोग तीन या चार पहिया वाहनों द्वारा किया जा रहा था, सुरक्षित रूप से बंद किए गए। इसके अतिरिक्त दोपहिया वाहनों के लिए उपयोग किए जा रहे तीन अन्य अवैध पार मार्गों को भी बैरिकेडिंग कर बंद किया गया। इन स्थानों पर पहुंच मार्गों

की घेराबंदी (फेंसिंग) भी की गई, ताकि भविष्य में अनधिकृत वाहनों की आवाजाही रोकी जा सके। अभियान के दौरान धौनी-बराहट रेलखंड के पास स्थित छह अवैध झोपड़ियों को हटाया गया। मंडल प्रशासन के अनुसार, अन्य चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर खाई (ट्रेंचिंग) और अतिरिक्त बैरिकेडिंग का कार्य प्रगति पर है, जिससे ट्रैक सुरक्षा को और मजबूत किया जा सके। यह पहल भागलपुर-बांका-दुमका खंड में चिन्हित कई अतिक्रमण-प्रवण स्थानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि इन उपायों से यात्रियों की सुरक्षा बढ़ेगी, ट्रेन संचालन अधिक सुचारु और सुरक्षित होगा तथा समग्र परिचालन दक्षता में सुधार आएगा।

बैरकपुर में बुजुर्ग की मौत के मामले में तृणमूल पार्षद को सात दिन की पुलिस हिरासत

कोलकाता, समाज्ञा : राज्य की एक अदालत ने तृणमूल कांग्रेस के पार्षद और वकील रवींद्रनाथ भट्टाचार्य को एक वृद्ध व्यक्ति की मौत से जुड़े मामले के सिलसिले में सोमवार को सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। तुलसी अधिकारी (81) के परिजनों का आरोप है कि भट्टाचार्य ने शनिवार की शाम उनके घर के बगल में हो रहे अवैध निर्माण के बारे में नगर निकाय से की गई शिकायत को लेकर हुई बहस के दौरान उनकी (तुलसी) पिटाई की। परिजनों के मुताबिक, अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने तुलसी को मृत घोषित कर दिया। भट्टाचार्य उत्तर बैरकपुर नगरपालिका के वार्ड नंबर 23 से पार्षद हैं। पुलिस ने घटना के सिलसिले में अप्राकृतिक मौत का

मामला दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। सोमवार को बैरकपुर की उप-संभागीय अदालत ने भट्टाचार्य की जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें सात दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया।

आरोपी तृणमूल पार्षद को फांसी देने की मांग को लेकर भाजपा का प्रदर्शन

बैरकपुर में एक बुज़ुर्ग आदमी के मौत के बाद राज्य की राजनीति फिर गरमा गई है। इस घटना को लेकर सोमवार को इलाके में भाजपा द्वारा भारी प्रदर्शन किया गया। इस मामले के विरोध में बैरकपुर के बीटी रोड पर भाजपा ने सड़क पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया। पूर्व सांसद अर्जुन सिंह की अगुवाई में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोपी पार्षद को फांसी देने की मांग करते हुए सड़क जाम कर दिया। हालांकि, प्रदर्शन के दौरान पुलिस बल की तैनाती रही और भाजपा कार्यकर्ता और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति भी बनी। हालात इतने बिगड़ गए कि प्रदर्शन कर रहे लोगों को रोकने के लिए, पुलिस को कई जगहों पर बैरिकेडिंग करनी पड़ी। जिससे उन्हें कोर्ट तक जाने से रोका गया। अंततः आरोपी तृणमूल पार्षद को बैरकपुर कोर्ट में पेश किया गया।

हुमायूं कबीर की बेटी के ससुर की 10 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त

मादक पदार्थ तस्करी मामले में मुर्शिदाबाद पुलिस की कार्रवाई

✒ हुमायूं कबीर ने राजनीतिक बदले का आरोप लगाया

मुर्शिदाबाद : जिले के लालगोला थाने की पुलिस ने मादक पदार्थ की तस्करी के मामले में बाबरी मस्जिद का निर्माण करने वाले तथा जनता उन्नयन पार्टी के अध्यक्ष हुमायूं कबीर की बेटी के ससुर शरीफुल इस्लाम की 10.73 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति जब्त की है। हुमायूं कबीर ने ममता सरकार पर बदले की राजनीति का आरोप लगाया है। उनका दावा है कि 22 दिसंबर को नई राजनीतिक पार्टी बनाने के बाद पुलिस ने जानबूझकर

उनके परिवार, बेटी के ससुर, बेटी और दामाद के खिलाफ झूठा मामला दर्ज किया है। हुमायूं ने कहा है कि वह इसके खिलाफ अदालत का रुख करेंगे। बता दें कि पिछले वर्ष पुलिस ने शरीफुल इस्लाम के एक रिश्तेदार जियाउर रहमान को गिरफ्तार किया था। उसके पास से लगभग 500 ग्राम नशीला पदार्थ बरामद हुआ था। नशीले पदार्थों की अनुमानित कीमत एक करोड़ रुपये थी। इसके बाद, लालगोला पुलिस ने मामले की जांच की और पता चला कि शरीफुल इस्लाम भी अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी में शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि उन्होंने नशीले पदार्थों की तस्करी से कई करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है। इसके बाद पुलिस ने अर्जित संपत्तियों को जब्त करने के लिए संबंधित अधिकारियों से आवेदन किया। अधिकारियों से आदेश मिलने के बाद सोमवार से हुमायूं कबीर की बेटी के ससुर की संपत्तियों को जब्त करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। पुलिस ने 17 संपत्तियों को जब्त किया है। सूची में कई जमीन, मकान और कार्यालय शामिल हैं।

गोघाट में हाथी से दहशत

हुगली, समाज्ञा : जिले के गोघाहाट के हाजीपुर इलाके में सोमवार सुबह हाथियों की दहशत फैल गई। अर्जुनगेड़िया इलाके के एक निवासी ने सबसे पहले दो हाथियों को देखा। खबर फैलते ही पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर गोगहाट थाने की पुलिस और फॉरेस्ट रेंज के अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालात को काबू में लिया। सूत्रों के अनुसार, स्थानीय निवासी स्वपन मलिक ने सबसे पहले दो हाथियों को खेत में देखा। इसके बाद हाथी खेतों से होते हुए गांव में घुस आए। खबर मिलते ही ग्रामीणों की भीड़ जमा होने लगी। स्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए पुलिस और वन विभाग के कर्मचारी कड़ी निगरानी रख रहे हैं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसी भी हालत में इंसानों और हाथियों के बीच टकराव न हो। फॉरेस्ट रेंजर अशराफुल इस्लाम ने बताया कि फिलहाल दोनों हाथी एक झाड़ी के अंदर छिपे हुए हैं, जिसके कारण वन कर्मी वहां तक पहुंच नहीं पा रहे हैं। उनका अनुमान है कि ये दोनों हाथी पश्चिम मेदिनीपुर की सीमा पार कर इलाके में आ गए हैं। हाथियों को भगाने और सुरक्षित रूप से जंगल में वापस भेजने के लिए पहले ही हुला पार्टी और ट्रैंक्विलाइजेशन टीम को सूचना दे दी गई है। वन विभाग की ओर से इलाके के लोगों को सतर्क रहने की अपील की गई है।

एक्सप्रेस बस ने मिनी बस को मारी टक्कर, कई यात्री घायल

आसनसोल : आसनसोल के सातग्राम आठ नंबर इलाके में सोमवार को एक मिनी बस को एक्सप्रेस बस ने पीछे से टक्कर मार दिया। बसों की टक्कर में दोनों बसों के कई यात्री घायल हो गए। घटनास्थल पर मौजूद आसनसोल नगर निगम के एमएमआईसी सुब्रत अधिकारी ने बताया कि आसनसोल से रानीगंज जा रही मिनी बस सातग्राम 8 नंबर में खड़ी होकर यात्रियों को उतार रही थी। तभी आसनसोल से आ रही एक एक्सप्रेस बस में मिनी बस को पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों बसों के कई यात्री घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने घायल यात्रियों की मदद की और कुछ घायलों को आसनसोल जिला अस्पताल और कुछ घायलों को रानीगंज के पंजाबी मोड इलाके के एक निजी अस्पताल भेजा गया। घटना के बारे में एक स्थानीय निवासी ने बताया कि उनकी यहां पर दुकान है। वह दुकान खोल ही रहे थे। तभी उन्होंने देखा कि एक एक्सप्रेस बस ने पीछे से आकर एक मिनी बस को टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में दोनों बसों के लगभग 20 यात्रियों को चोट लगी है।

स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजिस्ट की उपस्थिति में जाग्रत अवस्था में ब्रेन सर्जरी

कोलकाता, समाज्ञा : 27 वर्ष की उम्र वह समय होती है जब जीवन सपनों और भविष्य की योजनाओं से भरा होता है। लेकिन एक दिन अचानक आए दौरे (सीजर) ने सब कुछ बदल दिया। तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया। जांच में सामने आई एक गंभीर सच्चाई-मस्तिष्क के गहरे हिस्से में एक जटिल समस्या, ऐसे क्षेत्र में जो बोलने, याददाश्त, आवाज, निगलने, चलने और यहां तक कि गाने की क्षमता को भी नियंत्रित करता है। इस जगह पर सर्जरी का अर्थ था एक गहरा डर- अपनी आवाज खो देने का, अपनी भाषा और पहचान खो देने का डर। रोग की पहचान और विस्तृत न्यूरोलॉजिकल जांच न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. दीप दास के नेतृत्व में की गई। उनके सुझाव पर चिकित्सा दल ने एक साहसिक निर्णय लिया-यह सर्जरी मरीज को जाग्रत अवस्था में रखकर की जाएगी। यानी पूरी प्रक्रिया के दौरान मरीज होश में रहेगा। इस चुनौतीपूर्ण सर्जरी को अंजाम देने की जिम्मेदारी कोलकाता के सीएमआरआई अस्पताल के न्यूरोसर्जन डॉ. रथिजीत मित्रा ने संभाली।

कोलकाता के सरकारी अस्पताल में दो बच्चों की मौत के बाद परिजनों ने किया विरोध प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : कोलकाता के सरकारी 'डॉ. बी.सी. रॉय पीजी इंस्टीट्यूट ऑफ पीडियाट्रिक साइंसेज' में दो बच्चों की मौत के बाद उनके परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया और चिकित्सीय लापरवाही का आरोप लगाया। पता चला है कि न्यूटाउन निवासी बच्चे के पिता ने बताया कि डेढ़ साल के बच्चे को शनिवार को बुखार होने पर अस्पताल लाया गया था, लेकिन चिकित्सकों ने केवल ओआरएस देने की सलाह दी और बच्चे को घर भेज दिया। उन्होंने कहा कि हमें कहा गया था कि अगर हालत बिगड़े तो बच्चे को दोबारा लाएं। हालत खराब होने के बावजूद बच्चे को दो बार वापस भेज दिया गया। उन्होंने कहा कि रविवार की दोपहर जब हम बच्चे को फिर से लाए तो अस्पताल में भर्ती करने से इनकार कर दिया गया। अस्पताल परिसर में इंतजार करते हुए बच्चे की मौत हो गई। हम इलाज के लिए लगातार गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने नहीं सुनी। मृत बच्चों के परिजनों ने रविवार को अस्पताल परिसर में प्रदर्शन किया और चिकित्सकों पर समय पर इलाज करने में विफल रहने का आरोप लगाया। परिजनों ने अस्पताल के आपातकालीन विभाग के बाहर प्रदर्शन किया। एक अधिकारी ने बताया प्रदर्शन के दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़प भी हुई। पुलिस ने बताया कि बाद में स्थिति को नियंत्रण में कर लिया गया। हालांकि, रविवार की रात तक कोई शिकायत दर्ज नहीं की गई।

कच्चे जूट का संकट : केंद्रीय कपड़ा मंत्री से मुलाकात के बाद आईजेएमए को समाधान की उम्मीद

कोलकाता, समाज्ञा : जूट मिलों ने सोमवार को केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह के साथ बैठक के बाद चल रहे कच्चे जूट संकट के समाधान की उम्मीद जताई। इंडियन जूट मिल्स एसोसिएशन (आईजेएमए) के सूत्रों ने बताया कि मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को आश्वासन दिया कि वह उनकी सिफारिशों पर विचार करेंगे। रविवार को सेंट्रल रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर जूट एंड एलाइड फाइबर्स (सीआरआईजेएएफ) में हुई बैठक में आईजेएमए ने जूट कमिश्नर कार्यालय (जेसीओ) को पहले सौंपे गए अपने समयबद्ध आपातकालीन प्रस्ताव को दोहराया। एसोसिएशन ने व्यापारियों के लिए कच्चे जूट के स्टॉक की सीमा को 31 मार्च तक शून्य करने की मांग की, और प्रस्ताव दिया कि

सभी उपलब्ध स्टॉक को अनिवार्य रूप से चालू मिलों को बेचा जाए या जूट कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (जेसीआई) को निविदा किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री को बताया कि पर्याप्त फसल के अनुमान के बावजूद, 25-30 लाख गांठ कच्चा जूट व्यापारियों और बिचौलियों के पास रुका हुआ है। इस कृत्रिम कमी के कारण कीमतें बढ़कर अप्रत्याशित रूप से 13,000 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं, जिससे मिलें बंद हो रही हैं और लगभग एक लाख मजदूरों का रोजगार खतरे में पड़ गया है। सूत्रों के अनुसार, मंत्रालय आपूर्ति पक्ष की गड़बड़ी को दूर करने के लिए नियमित बाजार प्रतिक्रियाओं के बजाय 'असाधारण, समयबद्ध नियामक हस्तक्षेप' अपनाने के लिए इच्छुक है।

हड़ोआ में नशे में धुत युवकों की गुंडागर्दी, बीच-बचाव करने गए पुलिस अधिकारी भी बने निशाना

✒ पांच गिरफ्तार

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के हड़ोआ इलाके में रविवार रात कानून-व्यवस्था को चुनौती देने वाली एक गंभीर घटना सामने आई। नशे में धुत युवकों के एक समूह ने पहले एक बाइक सवार युवक को सड़क पर बेरहमी से पीटा और उसे बचाने पहुंचे पुलिस अधिकारी पर भी हमला कर दिया। इस घटना में अब तक पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है, जबकि अन्य आरोपियों की पहचान की जा रही है। जानकारी के अनुसार, देर रात एक गाड़ी में सवार कुछ लोग एक श्मशान यात्रा से लौट रहे थे। रास्ते में उनकी एक बाइक सवार से कहासुनी हो गई। देखते ही देखते मामूली विवाद हिंसक झड़प में बदल गया। आरोप है कि युवकों ने बाइक सवार को जबरन नीचे उतारकर सड़क पर गिराया और लात-घूंसों से बुरी तरह पीटना शुरू कर दिया। उसी दौरान हड़ोआ थाने के गोपालपुर आउटपोस्ट के प्रभारी अधिकारी वहां से गुजर रहे थे। मारपीट देख उन्होंने हस्तक्षेप कर स्थिति संभालने की कोशिश की, लेकिन हमलावरों ने उन पर भी हमला कर दिया। इस हमले में अधिकारी के सिर और हाथ में गंभीर चोटें आईं। खबर मिलते ही अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचा और स्थिति को नियंत्रण में लिया। घायल अधिकारी को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस ने घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज जुटाए हैं और बाकी आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

एसआईआर को लेकर कांग्रेस ने कोलकाता में किया प्रदर्शन

कोलकाता, समाज्ञा : प्रदेश कांग्रेस ने सोमवार को मध्य कोलकाता में प्रदर्शन किया और आरोप लगाया कि निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के जरिये वैध मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटाने का प्रयास कर रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष शुभंकर सरकार के नेतृत्व में मार्च बैकशाल कोर्ट के पास से शुरू हुआ और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय की ओर बढ़ा। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने निर्वाचन आयोग पर 'वास्तविक मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने' का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि तथाकथित तार्किक विसंगतियों की आड़ में, निर्वाचन आयोग वैध

मतदाताओं के नाम हटाने की कोशिश कर रहा है। यह लोकतंत्र पर सीधा हमला है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि एसआईआर से गरीब और हाशिए पर मौजूद वर्ग सबसे अधिक प्रभावित होंगे। उन्होंने कहा कि हम मनमानी और अपारदर्शी प्रक्रियाओं के माध्यम से लोगों के मताधिकार छीनने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि यदि निर्वाचन आयोग मतदाता सूची के पुनरीक्षण में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं करता है तो पार्टी अपना आंदोलन जारी रखेगी।

युवती से यौन उत्पीड़न का आरोप, तृणमूल पंचायत सदस्य गिरफ्तार

हुगली, समाज्ञा : जिले के चंडीतला थाना क्षेत्र अंतर्गत बरिजहाटी ग्राम पंचायत के एक तृणमूल पंचायत सदस्य पर पड़ोसी युवती के साथ लंबे समय से यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। मामले के सामने आने के बाद दोनों परिवारों और स्थानीय लोगों ने आपसी सुलह के लिए एक बैठक की, लेकिन समाधान नहीं निकल सका। इसी बीच, पंचायत सदस्य के साथ मारपीट की सूचना मिलने पर चंडीतला थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। बताया जाता है कि पुलिस जब उन्हें वहां से ले जाने लगी तो आक्रोशित लोगों ने पुलिस से छुड़ाकर उनके साथ मारपीट की। बाद में, पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, सोमवार की दोपहर पीड़िता के परिवार ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी पंचायत सदस्य को गिरफ्तार कर लिया। मंगलवार को उसे श्रीरामपुर अदालत में पेश किया जाएगा। पीड़िता के परिवार ने आरोपी के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई की मांग की है। वहीं तृणमूल संचालित पंचायत के अन्य सदस्यों ने प्रधान से आरोपी का सदस्य पद रद्द करने की अपील की है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा नेता कबीर शंकर बोस ने मामले की निंदा की और कहा कि महिलाओं की सुरक्षा को लेकर राज्य की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने दोषी को सख्त सजा देने की मांग की। हुगली जिला परिषद के मेंटर सुबीर मुखोपाध्याय ने कहा कि उन्हें शिकायत की जानकारी है और उन्होंने पीड़िता के परिवार को कानूनी रास्ता अपनाने की सलाह दी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि आरोप साबित होते हैं तो दोषी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

आसनसोल मंडल में मशीनीकृत सफाई अभियान तेज, यात्रियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील

आसनसोल, समाज्ञा : पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल ने स्वच्छ, हाइजीन और यात्री-अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मंडल के प्रमुख स्टेशनों पर मशीनीकृत सफाई अभियान तेज कर दिया है। इस अभियान के तहत आसनसोल, पांडवेश्वर, विद्यासागर और रानीगंज स्टेशनों पर आधुनिक मशीनों की मदद से व्यापक सफाई की जा रही है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार पटरियों, प्लेटफॉर्म और स्टेशन परिसरों की व्यवस्थित सफाई के लिए उन्नत मशीनी उपकरणों का उपयोग किया जा रहा है। इससे न केवल स्वच्छता स्तर में सुधार हो रहा है, बल्कि यात्रियों की सुविधा भी बढ़ रही है। मंडल प्रशासन का कहना है कि इस पहल का उद्देश्य स्टेशनों को अधिक साफ, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाना है। रेलवे ने यात्रियों से स्टेशन परिसर और ट्रेनों में स्वच्छता बनाए रखने की अपील की है। विशेष रूप से थूकने से बचने की सलाह दी गई है, क्योंकि इससे अस्वच्छ परिस्थितियां और स्वास्थ्य संबंधी जोखिम उत्पन्न होते हैं। रेलवे नियमों के अनुसार स्टेशन परिसर में थूकना दंडनीय अपराध है। प्रभावी कचरा प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिए स्टेशनों पर दो रंगों नीले और हरे के डस्टबिन लगाए गए हैं। यात्रियों को जैविक और बायोडिग्रेडेबल कचरा हरे डस्टबिन में तथा प्लास्टिक व अन्य गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरा नीले डस्टबिन में डालने की सलाह दी गई है।

खाटू धाम से पधारे श्री श्याम सिंह चौहान का चंडी तल्ला स्थित श्री श्याम मंदिर में आगमन

कोलकाता, समाज्ञा : फाल्गुन माह के पावन अवसर पर चंडी तल्ला स्थित श्री श्याम मंदिर में खाटू धाम से बाबा श्याम के अनन्य सेवक श्री श्याम सिंह चौहान का आगमन हुआ। उनके मंदिर पहुंचने पर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया और पूरा मंदिर परिसर श्याम बाबा की जय के जयकारों से गुंजायमान हो उठा। इस अवसर पर श्री चौहान ने मंदिर के कार्यकर्ताओं मनोज चौधरी, सौरभ अग्रवाल, गोपाल अग्रवाल, चेतन अग्रवाल, पुनीत कनोई, संदीप अग्रवाल और अभिषेक अग्रवाल के साथ मंदिर की सेवा व्यवस्था, संचालन और श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई गई सुविधाओं को लेकर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने मंदिर की सुव्यवस्थित व्यवस्था और कार्यकर्ताओं की सेवा भावना की सराहना करते हुए प्रसन्नता व्यक्त की। श्री चौहान ने सभी कार्यकर्ताओं का उत्साहवर्धन किया और उन्हें निरंतर सेवा भाव से जुड़े रहने की प्रेरणा दी। साथ ही, उन्होंने सभी को अपना स्नेहिल आशीर्वाद भी प्रदान किया।

शासन में हाई टेंशन तार की चपेट में आने से राजमिस्त्री की मौत, इलाके में बवाल

कोलकाता, समाज्ञा : उत्तर 24 परगना जिले के शासन थाना अंतर्गत गोलाबाड़ी इलाके में सोमवार की सुबह एक राजमिस्त्री की करंट लगने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, जिस मकान की छत पर वह काम कर रहा था, उसके ठीक ऊपर से 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन बिजली की तार गुजर रही थी। काम के दौरान उसी तार की चपेट में आ जाने से मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में भारी तनाव फैल गया और स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस और स्थानीय के अनुसार, मृतक की पहचान सैफुल इस्लाम के रूप में हुई है। वह गोलाबाड़ी के दादार मोड़ इलाके में एक इमारत निर्माण कार्य में बतौर राजमिस्त्री काम कर रहा था। आरोप है कि जिस भवन का निर्माण किया जा रहा था, वह हाईवोल्टेज बिजली की तार के ठीक नीचे अवैध रूप से बनाया जा रहा था, जबकि नियमों के अनुसार ऐसी जगह पर निर्माण की अनुमति नहीं दी जाती। इस दिन, सुबह में सैफुल इस्लाम जब निर्माणाधीन मकान की छत पर काम करने चढ़ा, तभी वह 33 हजार वोल्ट की हाईटेंशन लाइन की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना के बाद इलाके के लोगों का गुस्सा निर्माणाधीन मकान के मालिक पर फूट पड़ा। लोगों का आरोप है कि भवन मालिक ने जानबूझकर सैफुल को खतरनाक हालात में छत पर काम करने के लिए मजबूर किया। हादसे के बाद मृतक के परिजन और स्थानीय लोग सड़क पर शव रखकर प्रदर्शन करने लगे। वे इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और मृतक के परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। पुलिस जब शव को कब्जे में लेने पहुंची तो प्रदर्शनकारियों ने उन्हें भी रोकने की कोशिश की। हालांकि, बाद में, पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अधूरा रह गया पक्का मकान बनाने का सपना, व्यक्ति की मौत

हुगली, समाज्ञा : बंगाल आवास योजना के तहत पक्का मकान बनने वाला एक व्यक्ति लेकिन उसके सपने पक्के मकान का अधूरा रह गया। अपने कच्चे (मिट्टी के) घर को तोड़ने का काम कर रहा था। उसी मिट्टी की दीवार उसके ऊपर गिर पड़ी, जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना हुगली जिले के पांडुआ की है। मृतक का नाम कृष्णा राय (38) है। वह बेलुन धामासिन ग्राम पंचायत के भुईंपाड़ा दक्षिणपाड़ा इलाके का निवासी था। इस हादसे में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पक्का घर बनाने के लिए कृष्णा राय ने अपने कच्चे मकान को तोड़ने का काम शुरू किया था। इस काम में उसके साथ पड़ोसी स्वपन बाउल दास भी थे। काम के दौरान ही हादसा हो गया। मिट्टी की दीवार तोड़ते समय वह अचानक भरभराकर

गिर पड़ी और कृष्णा राय उसके नीचे दब गया। प्रत्यक्षदर्शी रणजीत पोरेल ने बताया कि कृष्णा राय के कच्चे घर की दीवार तोड़ने का काम चल रहा था। अचानक तेज आवाज सुनकर हम दौड़कर पहुंचे। देखा कि कृष्णा दीवार के नीचे दब गया है। पास में ही स्वपन बाउल भी पड़े थे। स्थानीय लोगों ने किसी तरह दोनों को निकालकर पांडुआ ग्रामीण अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टरों ने कृष्णा राय को मृत घोषित कर दिया। स्वपन बाउल की हालत गंभीर होने के कारण उसे पांडुआ से चुंचुड़ा इमामबाड़ा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। बेलुन धामासिन ग्राम पंचायत की प्रधान जमुना हेमब्रम ने बताया कि कृष्णा राय के नाम पर बंगाल आवास योजना के तहत घर आवंटित हुआ था। वह अपने कच्चे घर को तोड़कर उसी जगह पक्का मकान बनाना चाहता था। लेकिन अब उसी मिट्टी की दीवार गिरने से उसकी मौत हो गई।

कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के चाकुलिया गौधाम में नए गौसदन एवं नई बड़ी पानी टंकी का उद्घाटन

कोलकाता, समाज्ञा : कलकत्ता पिंजरापोल सोसाइटी के झारखंड स्थित चाकुलिया गौधाम में एक नए वृहद नवनिर्मित गोसदन का शुभ उद्घाटन सोसाइटी के शीर्ष पदाधिकारियों तथा स्थानीय गणमान्य विशिष्ठ गौभक्तों की उपस्थिति में सुसंपन्न हुआ। इस नए गोसदन का शुभ उद्घाटन इस प्रकल्प के संयुक्त प्रदाता एवं सोसाइटी के उपाध्यक्ष देवकीनंदन तोदी (सपत्नीक) द्वारा किया गया। इसके अलावा गोसेवा हेतु नवनिर्मित पानी की एक बड़ी टंकी का भी उद्घाटन कोलकाता से आये पदाधिकारियों द्वारा किया गया। इस समारोह में मुख्यरूप से सोसाइटी के महामंत्री पवन कुमार टिबडेवाला, चाकुलिया के अध्यक्ष गिरधारीलाल गोयनका, उपाध्यक्ष रमेश लोधा, अनन्य सहयोगी विकास माधोगढ़िया, टाटानगर से दिलीप गोयल, मनीष केडिया, अभिषेक भालोटिया, सतीश गोयनका, संतोष अग्रवाल, मिदनापुर से प्रदीप लोधा, अनूप लोधा, कोलकाता से संदीप तुलस्यान, प्रदीप जयदेवका, संजय राउंका तथा इमामी सिटी कॉम्प्लेक्स से लगभग 30 गौभक्तों का समूह, चाकुलिया से आनंद सेकसरिया, आलोक लोधा, विवेकानंद लोधा, अविनाश सुरेका, दुर्गादत्त लोधा, दिलीप लोधा, अमित भरतीया, मनोज अग्रवाल एवं अनेक स्थानीय गोभक्त उपस्थित रहे। उपस्थित अतिथियों का स्वागत परंपरागत आदिवासी लोकनृत्य एवं सरस्वती विद्या मंदिर की छात्राओं द्वारा बड़े अनूठे ढंग से किया गया। सभी गौभक्तों ने पूरे जोश एवं भक्ति भाव से चाकुलिया गौधाम का परिभ्रमण कर गोदर्शन एवं गौपूजन का विशेष लाभ लिया। सोसाइटी के मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र चमडिया ने बतलाया कि इस ऐतिहासिक आयोजन के मौके पर पूरी गौशाला एवं गोवंशों को आकर्षक रूप से सजाया गया तथा आये हुए सभी गौभक्तों का स्थानीय पदाधिकारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया एवं चाकुलिया गौधाम में तैयार तरह तरह के गौउत्पादों तथा की जाने वाली गौसेवा की विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। इस तरह चाकुलिया की पावन गौभूमि पर सभी गौभक्तों ने एक साथ गौसेवा एवं गौ वन विहार गोष्ठी का भरपूर आनंद लिया।

अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन नर्सरी और के. जी. की छात्राएं पुरस्कृत

हावड़ा, समाज्ञा : अग्रसेन बालिका शिक्षा सदन के सभागार में नर्सरी तथा के. जी. की छात्राओं को विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभा प्रदर्शन के लिए पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की उप-प्राचार्या काकोली नाग के कर-कमलों द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन और माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के विभिन्न विभागों के अधिकारीगण, अध्यापिकायें और छात्रायें उपस्थित थी। छात्राओं द्वारा मनमोहक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति ने सभी को मुग्ध किया। नर्सरी और के.जी. के सभी वर्ग से छात्राओं को नृत्य, गीत, चित्रांकन में उत्कृष्ट प्रस्तुति के लिए उपहार और प्रमाणपत्र देकर पुरस्कृत किया गया।

जेटसिंथेसिस-यूगोव सर्वे: कोलकाता के 77% ईस्पोर्ट्स खिलाड़ियों ने इसे आर्थिक रूप से फायदेमंद करियर माना

कोलकाता, समाज्ञा : जेटसिंथेसिस और यूगोव की संयुक्त रिपोर्ट के अनुसार, कोलकाता में ईस्पोर्ट्स को लेकर खिलाड़ियों का भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। सर्वे में शामिल 77% नियमित ईस्पोर्ट्स खिलाड़ियों ने इसे आर्थिक रूप से लाभकारी करियर बताया, जबकि 44% ने इसे बहुत फायदेमंद माना। साथ ही, 73% खिलाड़ियों ने कहा कि वे ईस्पोर्ट्स को पेशेवर रूप से अपनाने पर विचार कर चुके हैं। रिपोर्ट दर्शाती है कि खिलाड़ी केवल प्रतिस्पर्धी गेमिंग तक सीमित नहीं रहना चाहते। 60% स्ट्रीमिंग या कंटेंट क्रिएशन, 43% टीम मैनेजमेंट या इवेंट आयोजन, 40% जर्नलिज्म या कमेंट्री और 35% कोचिंग में रुचि रखते हैं। ईस्पोर्ट्स इकोसिस्टम को मजबूत करने के लिए 90% प्रतिभागियों ने सरकारी मान्यता और बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर को जरूरी बताया, जबकि 91% ने करियर काउंसलिंग और मेंटरशिप की आवश्यकता जताई। लगभग 68% खिलाड़ी पेशेवर ईस्पोर्ट्स खिलाड़ियों को एथलीट मानने में सहज हैं। 90% प्रतिभागी नियमित रूप से टूर्नामेंट देखते हैं, जो शहर में ईस्पोर्ट्स की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है।

न्यूज इन ब्रीफ

झारखंड के गुमला में वाहन की टक्कर से दो नाबालिगों की मौत

रांची: झारखंड के गुमला जिले में अलग अलग घटनाओं में वाहन की टक्कर से दो व्यक्तियों की मौत हो गई। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी। पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना रविवार को कामडारा-बेरो मुख्य सड़क पर हुई। पुलिस ने बताया कि फिल्मोन किन्डो (18) अपने नाबालिग मित्र के साथ परीक्षा केंद्र जा रहा था, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। पुलिस ने बताया कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई।

पटना दीवानी अदालत में बम की धमकी के कारण कामकाज ठप, पप्पू यादव की जमानत अर्जी पर सुनवाई टली

पटना: पटना दीवानी अदालत परिसर को सोमवार को बम से उड़ाने का धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया और पुलिस ने गहन तलाश शुरू कर दी है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एक महीने में बम की धमकी की यह दूसरी घटना है। एहतियातन अदालत का कामकाज पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया, जिसके कारण अन्य मामलों के साथ-साथ निर्दलीय सांसद पप्पू यादव की जमानत अर्जी पर भी सुनवाई नहीं हो सकी। यादव के वकील शिवनंदन भारती ने संवाददाताओं से कहा, ''हमें बताया गया है कि जिला न्यायाधीश के ईमेल पर बम की धमकी मिली है। इसके कारण सांसद की जमानत अर्जी पर अब कल से पहले सुनवाई नहीं हो सकेगी। मेरे मुवक्किल को एक और दिन जेल में बिताना होगा।'

बिहार के मधेपुरा में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 70 से अधिक बच्चे हुए बीमार

मधेपुरा: बिहार में मधेपुरा जिले के एक सरकारी विद्यालय में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 70 से अधिक बच्चे बीमार पड़ गए। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह घटना शनिवार को मधेपुरा सदर प्रखंड में करु टोला के मध्य विद्यालय में हुई। जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) संजय कुमार ने कहा, मामले की जांच शुरू कर दी गई है और जो भी दोषी पाया जाएगा, उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक अधिकारी ने बताया कि भोजन करने के कुछ ही देर बाद बच्चों को उल्टी आने लगी तथा उन्होंने पेट दर्द और चक्कर आने की भी शिकायत की। स्थानीय लोगों का दावा है कि खाने में छिपकली गिर गई थी। एक अधिकारी के मुताबिक बच्चों को तुरंत मधेपुरा सदर अस्पताल ले जाया गया।

सत्र की कार्यवाही बाधित करने के बजाय संवाद के माध्यम से अपनी बात रखें सभी सदस्य: योगी की अपील

लखनऊ: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बजट सत्र की शुरुआत से पहले सोमवार को सभी सदस्यों से अपील करते हुए कहा कि किसी सदस्य को कोई मुद्दा उठाना है तो कार्यवाही बाधित करने के बजाय संवाद के माध्यम से अपनी बात रखें। मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि उत्तर प्रदेश विधानमंडल आज से बजट सत्र प्रारंभ कर रहा है और यह उनकी सरकार का 10वां बजट है। उन्होंने एक बार फिर सभी सदस्यों से अपील की कि सदन की गरिमा बनाए रखते हुए लोकतांत्रिक परंपराओं के अनुरूप कार्यवाही को आगे बढ़ाया जाए। योगी आदित्यनाथ ने कहा,'परंपराओं के अनुसार बजट सत्र की शुरुआत राज्यपाल के अभिभाषण से होगी। बजट सत्र के दो महत्वपूर्ण एजेंडे होते हैं-पहला राज्यपाल का अभिभाषण और दूसरा सामान्य बजट।' सोमवार को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने समवेत सदन को संबोधित करते हुए अभिभाषण दिया। हालांकि, इस दौरान विपक्षी दल समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने विरोध-प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। मुख्यमंत्री ने कहा, 'विधानमंडल लोकतंत्र का महत्वपूर्ण आधार स्तंभ है। यादि किसी सदस्य को कोई मुद्दा उठाना है तो कार्यवाही बाधित करने के बजाय संवाद के माध्यम से अपनी बात रखें क्योंकि सरकार संवाद से समस्या के समाधान में विश्वास करती है।'' उन्होंने कहा, 'वित्त वर्ष 2026-27 का सामान्य बजट 11 फरवरी को प्रस्तुत किया जाएगा, जिसके बाद इस पर चर्चा होगी। बजट सत्र नौ फरवरी से 20 फरवरी तक चलेगा।'' उन्होंने यह भी बताया कि राज्यपाल के अभिभाषण के तुरंत बाद सदन के पटल पर उत्तर प्रदेश का आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत किया जाएगा। योगी आदित्यनाथ ने कहा, ''पहली बार कोई राज्य सरकार अपनी आर्थिक उपलब्धियों को इस तरह प्रस्तुत करने जा रही है। राज्य को 'बीमारू' स्थिति से निकालकर भारत की अर्थव्यवस्था के 'ब्रेकथ्रू' के रूप में स्थापित किया गया है।'

विधान भवन के अंदर-बाहर सपा का विरोध प्रदर्शन

लखनऊ: उत्तर प्रदेश विधानमंडल के बजट सत्र के पहले दिन सोमवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर विधान भवन के मुख्य द्वार पर और सदन के भीतर सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। बजट सत्र के पहले दिन राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने विधानसभा के सभागार में विधानसभा और विधान परिषद के सदस्यों को समवेत संबोधित किया। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना द्वारा राज्यपाल को अभिभाषण के लिए आमंत्रित किए जाते ही सपा के वरिष्ठ सदस्य डॉ. संग्राम यादव ने मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण का मुद्दा उठाया। सपा सदस्यों की नारेबाजी के बीच राज्यपाल ने अपना अभिभाषण शुरू किया। विपक्षी दल के सदस्य विधानसभा अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए और 'माता अहिल्याबाई का अपमान-नहीं सहेगा हिंदुस्तान' जैसे नारे लगाने लगे। सपा सदस्यों ने राज्यपाल के अभिभाषण को 'झूठ का पुलिंदा' बताते हुए नारेबाजी की जो अभिभाषण समाप्त होने तक जारी रही। सदन में सपा सदस्य हाथों में नारे लिखी तख्तियां लेकर पहुंचे थे। सपा सदस्य इंजीनियर सचिन यादव माता अहिल्याबाई होल्कर की तस्वीर और पीठ पर मणिकर्णिका घाट की तस्वीर छपा कुर्ता पहनकर आए, जबकि सपा सदस्य अतुल प्रधान अहिल्याबाई की बड़ी तस्वीर लेकर सदन में पहुंचे।

बिहार में 1995-2015 के बीच धार्मिक यात्रा पर आए 173 विदेशी, 167 पाकिस्तानी : सम्राट चौधरी

पटना: बिहार के उपमुख्यमंत्री सह गृह मंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि 1995 से 2015 के बीच धार्मिक यात्रा के उद्देश्य से राज्य में कुल 173 विदेशी नागरिक आए, जिनमें से 167 पाकिस्तान से थे। सम्राट ने कहा कि शेष आगंतुक ब्रिटेन, रूस और उज़्बेकिस्तान से थे, और सभी अपने-अपने देश लौट गए। मंत्री ने यह जानकारी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मिथिलेश तिवारी की ओर से पूछे गये प्रश्न के उत्तर में दी। गृह मंत्री ने सदन को आश्वस्त किया कि धार्मिक यात्रा पर आने वाले प्रत्येक विदेशी नागरिक की गतिविधियों पर निगरानी रखी जाती है और सरकार यह सुनिश्चित करती है कि उनके द्वारा कोई आपराधिक गतिविधि न हो। उन्होंने कहा कि इमीग्रेशन और सुरक्षा एजेंसियां आपसी समन्वय के साथ काम करती हैं और संदिग्ध मामलों में कार्रवाई की जाती है। तिवारी ने धार्मिक यात्राओं की आड़ में विदेशी नागरिकों की पहचान, सत्यापन और दीर्घकालिक मौजूदगी को लेकर सरकार का ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने कहा कि पर्यटन या धार्मिक यात्रा के बहाने आने वाले कुछ लोग बाद में स्थानीय समाज में इस तरह घुल-मिल जाते हैं कि उनकी आधिकारिक पहचान धुंधली पड़ जाती है।

न्यूज अपडेट

महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा विश्वनाथ धारण करेंगे कान्हा की भूमि से भेजे वस्त्र एवं श्रृंगार

मथुरा (उप्र): महाशिवरात्रि के अवसर पर बाबा विश्वनाथ एवं माता पार्वती कान्हा की भूमि से भेजे गए वस्त्र एवं श्रृंगार सामग्री प्रतीकात्मक रूप से धारण करेंगे तथा फलों एवं मिठाई का भोग लगाएंगे। यह जानकारी श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान के सचिव कपिल शर्मा एवं सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने सोमवार को यहां दी। उन्होंने बताया कि रविवार को मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मस्थान से भगवान शिव एवं मां गौरी के वस्त्र, मां का श्रृंगार, आभूषण, इत्र इत्यादि तथा लड्डू, मेवे एवं फल भोग लगाने के लिए भेजे गए। उन्होंने बताया कि यह सब सामग्री रविवार को ढोल, मृदंग, मंजीरे, बैंड-बाजा आदि की मंगल ध्वनि के बीच शोभायात्रा के रूप में अन्नपूर्णेश्वर महादेव से प्रारंभ होकर भगवान श्रीकेशवदेवजी, मां योगमायाजी, श्रीगर्भ-गृहजी होते हुए श्रीकृष्ण जन्मभूमि के मुख्य द्वार से बाबा विश्वनाथ के धाम वाराणसी के लिए रवाना की गई थी, जो वहां पर सकुशल पहुंच चुकी है।

उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध और माफिया नेटवर्क पर सख्त कार्रवाई से अपराध दर में आई गिरावट

लखनऊ: उत्तर प्रदेश के संसदीय कार्य एवं वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने सोमवार को विधानसभा के बजट सत्र में राज्य की 2025-26 की आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट रखी, जिसमें कानून-व्यवस्था और सुरक्षा के क्षेत्र में सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख किया गया है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार इस दौरान वित्त मंत्री ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार ने कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए संगठित अपराध और माफिया नेटवर्क के खिलाफ कठोर कार्रवाई की है, फलस्वरूप अपराध दर में उल्लेखनीय गिरावट हुई तथा आम जनता के साथ-साथ निवेशकों का भी विश्वास बढ़ा है। खन्ना ने कहा कि आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार, आधुनिक तकनीक पर आधारित पुलिस प्रणाली को बढ़ावा देकर सुधारों को नई दिशा दी गई है, सीसीटीवी, 'डिजिटल केस मैनेजमेंट सिस्टम' और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई से पुलिस की कार्यक्षमता और जवाबदेही में वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि इससे जनता में निर्भीक होकर शिकायत दर्ज कराने का वातावरण तैयार हुआ और अपराध नियंत्रण को मजबूती मिली। उन्होंने कहा कि महिला सुरक्षा को लेकर सरकार ने अपराध को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति को प्रभावी ढंग से लागू किया है तथा 'सेफ सिटी परियोजना' के तहत 'महिला पुलिस बीट', सीसीटीवी नेटवर्क और 'एंटी-रोमियो स्क्वॉड' की तैनाती से सार्वजनिक स्थलों और कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की गई है।

भाजपा राष्ट्र को पहले, जबकि विपक्ष स्वार्थ को पहले रखता है: नितिन नवीन

पटना: भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने सोमवार को कहा कि उनकी पार्टी राष्ट्र को पहले, संगठन को दूसरे और स्वयं को सबसे अंत में रखती है, जबकि विपक्ष के लिए स्वार्थ ही पहला और आखिरी होता है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने के बाद अपने गृहनगर पटना की पहली यात्रा पर पहुंचे नवीन ने पार्टी की बिहार इकाई द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने उस दौर में जंगल राज को उखाड़ फेंकने में भूमिका निभाई, जब पर्चे बांटना भी जोखिम से भरा होता था। उन्होंने कहा, त्याग की वही भावना आज भी जारी है। मुझे केरल और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में जाने का अवसर मिला, जहां पार्टी कार्यकर्ता बिना किसी स्वार्थ के संघर्ष कर रहे हैं। भाजपा ऐसी पार्टी है जो राष्ट्र को पहले, पार्टी को दूसरे और स्वयं को सबसे अंत में रखती है। हमारे विरोधियों के लिए स्वार्थ ही पहला और आखिरी होता है। पैंतालीस वर्ष की उम्र में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने नवीन ने कार्यकर्ताओं को आश्वस्त करते हुए कहा, हमारे पास मजबूत वॉच टॉवर है। बूथ स्तर का कार्यकर्ता निश्चित रह सकता है कि उसके काम का संज्ञान लिया जा रहा है और वह प्रदेश इकाई का अध्यक्ष, यहां तक कि राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बन सकता है। मैं आपके सामने इसका उदाहरण हूं।

राजस्थान की माटी में आयुर्वेद की जड़ें गहरी, राज्य में औषधि उत्पादन की अपार संभावनाएं:भजनलाल शर्मा

जयपुर: मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को कहा कि राजस्थान की मिट्टी में आयुर्वेद की जड़ें गहरी हैं, यहां औषधि उत्पादन की अपार संभावनाएं हैं। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) के स्वर्ण जयंती समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राज्य की पहाड़ियां, वन और समृद्ध जैव विविधता आयुर्वेद से इसके लंबे जुड़ाव को दर्शाती हैं तथा यहां की भूमि सदियों से आयुर्वेद का केंद्र रही है। उन्होंने कहा, हमारे देश को विश्वगुरु बनाने में आयुर्वेद और योग की प्रमुख भूमिका रही है। हमारे ऋषियों ने आयुर्वेद के माध्यम से मानव जीवन को समझा है। चरक, सुश्रुत, वाग्भट्ट जी जैसे महान वैद्यों ने इस विद्या को व्यवस्थित रूप दिया। राज्य सरकार आयुर्वेद को बढ़ावा देने और इसे व्यापक स्तर पर अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान 1976 में एक कॉलेज के रूप में शुरू हुआ था जो आज देश के प्रमुख आयुर्वेदिक विश्वविद्यालयों में से एक बन चुका है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, प्रशिक्षण, अनुसंधान और रोगी सेवा, इन चारों स्तंभों पर राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान ने पिछले पांच दशकों में नेतृत्व स्थापित किया है। शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा अलग आयुष मंत्रालय की स्थापना की गई, जिसने आयुर्वेद, योग, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी जैसी पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों को मजबूती दी है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान में बढ़ते निवेश और संस्थान के विस्तार ने पूरे देश में आयुर्वेद को नई ऊर्जा दी है।

महिलाओं के लिए राजद ने कुछ नहीं किया: नीतीश; राबड़ी ने किया पलटवार

पटना: बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को विधानपरिषद में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर आरोप लगाया कि सत्ता में रहते हुए उसने महिलाओं के लिए कोई काम नहीं किया। यह टिप्पणी विपक्षी सदस्यों द्वारा राज्य में कथित रूप से बढ़ते दुष्कर्म के मामलों को लेकर प्रदर्शन के बीच की गई। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही राबड़ी देवी के नेतृत्व में विपक्षी सदस्य दुष्कर्म की हाल की घटनाओं पर मुख्यमंत्री की प्रतिक्रिया की मांग करते हुए नारेबाजी करने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में दुष्कर्म की घटनाएं आम बात बन गई हैं। हंगामे के बीच सदन में मौजूद मुख्यमंत्री बोलने के लिए खड़े हुए। राजद पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, जब ये लोग सत्ता में थे, तब इन्होंने कोई काम नहीं किया। महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया। 2005 में हमारे सत्ता में आने के बाद बिहार का सर्वांगीण विकास हुआ है और राज्य हर क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने उपसभापति रामबचन राय से हंगामा कर रहे सदस्यों के खिलाफ कार्रवाई करने का अनुरोध भी किया। हंगामे के दौरान मुख्यमंत्री और विधानपरिषद में नेता प्रतिपक्ष राबड़ी देवी के बीच तीखी नोकझोंक भी देखी गई, लेकिन माइक्रोफोन बंद होने के कारण उनकी बात सुनाई नहीं दी। हंगामा जारी रहने पर उपसभापति रामबचन राय ने सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी।

पति पर एक हजार रुपये के बदले अपनी पत्नी को दोस्तों के हवाले करने का आरोप, मुकदमा दर्ज

बदायूं (उप्र): बदायूं के फैजगंज बेहटा क्षेत्र में कथित रूप से एक हजार रुपये के बदले अपनी पत्नी को अपने दोस्तों की हवस का शिकार बनवाने को लेकर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों ने दर्ज रिपोर्ट के हवाले से सोमवार को बताया कि फैजगंज बेहटा क्षेत्र की एक महिला ने आरोप लगाया है कि रविवार शाम गैस एजेंसी पर जाते समय उसके पति ने बाल किशन और पप्पू नामक युवकों से एक हजार रुपये लिये तथा उसे उनके साथ भेज दिया। महिला ने आरोप लगाया है कि रास्ते में दोनों ने एक बाग में ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। सूत्रों ने बताया कि घटना के बाद पुलिस चौकी पर पहुंची महिला ने शिकायत की, जिसके आधार पर बाल किशन, पप्पू और महिला के पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया।

समाज्ञा धर्म-अध्यात्म

व्रत - त्यौहार

12.02.2026 : स्वमी दयानंद सरस्वती जयंती

13.02.2026 : विजया एकादशी व्रत,कुंभ संक्रांति

14.02.2026 : शनि प्रदोष व्रत

15.02.2026 : महाशिवरात्रि व्रत

कलयुग के जीवित देवता हनुमान

नरेंद्र देवांगन

शास्त्रों के अनुसार कलयुग के जीवित देवता में एक हनुमान जी भी हैं। इसलिए रामायण में राम के अनुचार से लेकर महाभारत में अर्जुन के रथ की पताका पर विराजे हनुमान का उदाहरण दिया जाता है। हनुमान जी को सबसे जल्दी प्रसन्न होने वाले देवताओं में गिना जाता है। मान्यता यह भी है कि हनुमान भगवान शिव के 11वें अवतार हैं। शास्त्रों के अनुसार, भगवान हनुमान की पूजा करने पर राहु और शनिदोष की पीड़ा से मुक्ति मिल जाती है।

हनुमान जी की माता अंजना एक अप्सरा थीं, उन्होंने श्राप के कारण पृथ्वी पर जन्म लिया और इस श्राप से उनकी मुक्ति तभी होती जब वे एक संतान को जन्म देतीं। वाल्मीकि रामायण के अनुसार केसरी श्री हनुमान जी के पिता थे। वे सुमेरू राज्य के राजा थे और बृहस्पति के पुत्रा थे। अंजना ने संतान प्राप्ति के लिए 12 वर्षों तक भगवान शिव की घोर तपस्या की और परिणाम स्वरूप उन्होंने संतान के रूप में हनुमानजी को प्राप्त किया।

एक कथा के अनुसार एक बार उन्हें बड़ी जोर की भूख लगी हुई थी इसलिए वे आकाश में उछले और सूर्य को फल समझ खाने के लिए दौड़े। उसी दिन राहू भी सूर्य को अपना ग्रास बनाने के लिए आया हुआ था लेकिन हनुमान जी को देखकर उन्होंने इसे दूसरा राहु समझ लिया। तभी इंद्र ने पवन पुत्र पर वज्र से प्रहार किया जिससे उनकी ठोड़ी पर चोट लगी व उसमें टेढ़ापन आ गया। इसी कारण उनका नाम भी हनुमान पड़ा।

हनुमानजी की पूजा में सिंदूर और तेल का खासा महत्व है। सिंदूर की कथा सीता से जुड़ती है। एक बार माता सीता को हनुमान जी ने सिंदूर लगाते देखा तो पूछ बैठे, 'माता ये क्या लगा रही हैं?'

सीता ने बताया, 'सिंदूर लगा रही हूं, इससे श्रीराम प्रसन्न होते हैं।'

तब अपने प्रभु श्रीराम को प्रसन्न करने के लिए हनुमान ने अपने पूरे शरीर में सिंदूर लगा लिया।

सभी देवताओं के पास अपनी-अपनी शक्तियां हैं जैसे विष्णु के पास लक्ष्मी, महेश के पास पार्वती और ब्रह्मा के पास सरस्वती लेकिन हनुमान खुद ही शक्ति से संचालित देव हैं। वे सर्वशक्तिशाली हैं लेकिन अपने आराध्य के प्रति पूर्ण समर्पित हैं। अपूर्व बलशाली होते हुए भी वे भक्ति की अनुपम मिसाल हैं। उनकी भक्ति भावना से प्रसन्न होकर श्रीराम ने ही उन्हें वरदान दिया था कि मुझसे भी ज्यादा तुम्हारे मंदिर होंगे और लोग अपने संकटों के निवारण के लिए तुम्हारी उपासना करेंगे। हनुमान भक्तों की पुकार पर तुरंत ही उनके कष्ट हरते हैं। कलियुग में हनुमान सभी तरह के कष्टों को दूर करते हैं। वे भक्तों का हर तरह से मंगल करते हैं।

वेद पुराणों में हनुमानजी को अजर-अमर कहा गया है। शास्त्रों में सप्त चिरंजीवों में हनुमान, राजा बली, महामुनि व्यास, अंगद, अश्वत्थामा, कृपाचार्य और विभीषण सम्मिलित हैं। चूंकि हनुमान सदेह इस धरा पर मौजूद हैं तो उनकी उपासना किसी भी तरह से की जाए निश्चित फलदायी होती है। (उर्वशी)

जब भगवान दुविधा में

मिथिलेश कुमार सिंह

एक बार भगवान दुविधा में पड़ गए! कोई भी मनुष्य जब मुसीबत में पड़ता तो भगवान के पास भागा-भागा आता और उन्हें अपनी परेशानियां बताता, उनसे कुछ न कुछ मांगने लगता !

अंततः उन्होंने इस समस्या के निराकरण के लिए देवताओं की बैठक बुलाई और बोले- देवताओं, मैं मनुष्य की रचना करके कष्ट में पड़ गया हूं ! कोई न कोई मनुष्य हर समय शिकायत ही करता रहता हैं जबकि मैं उन्हें उसके कर्मानुसार सब कुछ दे रहा हूं, फिर भी थोड़े से कष्ट में ही मेरे पास आ जाता हैं जिससे न तो मैं कहीं शांति पूर्वक रह सकता हूं, न ही तपस्या कर सकता हूं ? आप लोग मुझे कृपया ऐसा स्थान बताएं जहां मनुष्य नाम का प्राणी कदापि न पहुंच सके ?

प्रभु के विचारों का आदर करते हुए देवताओं ने अपने-अपने विचार प्रकट किए। सूर्य देव बोले-आप हिमालय पर्वत की चोटी पर चले जाएं। भगवान ने कहा-यह स्थान तो मनुष्य की पहुंच में हैं। उसे वहां पहुंचने में अधिक समय नहीं लगेगा। इंद्रदेव ने सलाह दी- कि वह किसी महासागर में चले जाएं। वरुण देव बोले- आप अंतरिक्ष में चले जाइए।

भगवान ने कहा- एक दिन मनुष्य वहां भी अवश्य पहुंच जाएगा। भगवान निराश होने लगे थे। वह मन ही मन सोचने लगे- 'क्या मेरे लिए कोई भी ऐसा गुप्त स्थान नहीं हैं, जहां मैं शांतिपूर्वक रह सकूं'?

अंत में गणेशजी बोले- प्रभु , आप ऐसा करें कि मनुष्य के हृदय में बैठ जाएं। मनुष्य अनेक स्थानों पर आपको ढूंढने में सदा उलझा रहेगा पर वह यहाँ आपको कदापि न तलाश करेगा। ईश्वर को गणेशजी की बात पसंद आ गई। उन्होंने ऐसा ही किया और वह मनुष्य के हृदय में जाकर बैठ गए।

उस दिन से मनुष्य अपना दुख व्यक्त करने के लिए ईश्वर को मन्दिर, ऊपर, नीचे, आकाश, पाताल में ढूंढ रहा है पर वह मिल नहीं रहें हैं।

परंतु मनुष्य कभी भी अपने भीतर-'हृदय रूपी मन्दिर' में बैठे हुए ईश्वर को नहीं देख पा रहा है। (उर्वशी)

मृत्यु को धोखा नहीं दे सकते

चन्द्र प्रभा सूद

मृत्यु अवश्यम्भावी है इससे आज तक कोई नहीं बच सका। जिन्हें हम भगवान मानते हैं यानी भगवान राम, भगवान श्रीकृष्ण आदि भी इस असार संसार में हमेशा के लिए नहीं रहे अपितु निश्चित अवधि के पश्चात यहाँ से विदा हो गए। मरणधर्मा कहे जाने वाले इस संसार में मृत्यु निश्चित है। इसे हम धोखा नहीं दे सकते। हम मनुष्यों की तरह यह किसी के झाँसे में नहीं आती। न ही यह किसी धनवान के द्वारा खरीदी जा सकती है। यह अपना कार्य बहुत दक्षता से करती है।

प्रत्येक जीवधारी को इस धरा पर अपने कर्मानुसार निश्चित समय के लिए ही जीवन मिलता है। किसी को कुछ पल के लिए जीवन मिलता है तो किसी को सैंकड़ों बरस के लिए। चौरासी लाख योनियों में जीव को किस योनि में जन्म मिलता है, यह उसके पूर्वकृत कर्मों के अनुसार निर्धारित होता है। केवल मनुष्य योनि को ही कर्मयोनि कहा जाता है शेष सभी भोगयोनि कहलाती हैं। इन सभी योनियों में अपने कुकृत्यों या दुष्कर्मों का फल भोगने के पश्चात ही मानव के रूप में जीव का जन्म होता है।

मानव योनि जीव की बपौती नहीं है कि वह सदा ही मनुष्य योनि ही प्राप्त करता रहेगा। यदि मानव तन पाकर भी वह सत्कर्म नहीं करेगा अथवा कुकर्मों में स्वयं को लिप्त करता रहेगा तो फिर उसे मानवेतर योनियों में जन्म मिलेगा। जीव इन योनियों में भटकता रहता है। एक जन्म के बाद मृत्यु और फिर मृत्यु के बाद पुनः जन्म- यही क्रम निरन्तर चलता रहता है जब तक जीव मोक्ष के अपने लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर लेता।

कोई भी इस असार कहे जाने वाले ससार को छोड़कर नहीं जाना चाहता चाहे वह कितने ही कष्ट में क्यों न हो। बहुत बचपन में एक कहानी पढ़ी थी कि एक महान मूर्तिकार मरना नहीं चाहता था। उसने मृत्यु को चकमा देने के लिए बहुत ही अच्छा उपाय सोचा। एक समय ऐसा आया कि जब उसे ऐसा प्रतीत हुआ कि मृत्यु का समय अब समीप आने लगा है। मृत्यु का समय निकट जानकर उसने अपने जैसी कई मूर्तियाँ बनाकर अपने हाल कमरे में सजाकर रख दीं और स्वयं भी उनके बीच में जाकर खड़ा हो गया। उसे लगा कि उसे अब मृत्यु का देवता पहचान नहीं सकेगा और वह बच जाएगा।

कहते हैं जब यमराज उसे लेने के लिए आए तो इतनी सारी सजीव मूर्तियों के बीच छिपे मूर्तिकार को खोज नहीं पाए। तब उन्होंने उसे ढूँढने के लिए जुगत भिड़ाई और कहा,जिस भी मूर्तिकार ने ये सुन्दर और सजीव मूर्तियाँ बनाई हैं, उसने वाकई चमत्कार किया है। ये मूर्तियाँ सचमुच ही बहुत खूबसूरत हैं पर इनमें एक कमी रह गई है।

यह सुनकर उस मूर्तिकार को धक्का लगा। फौरन बाहर आकर उसने पूछा, क्या कमी रह गई है इन मूर्तियों में?

तब हंसते हुए यमराज ने कहा, इनमें कोई कमी नहीं है पर तुम में कमी रह गई जो तुम इन मूर्तियों से बाहर निकलकर बोल पड़े।

कहने का तात्पर्य है कि मनुष्य कितने ही मजबूत किले बनाकर स्वयं को सुरक्षित कर लेने का दम्भ भरे अथवा मूर्तिकार की तरह मौत को चकमा देने की कोशिश करे, उसे सफलता नहीं मिल सकती। मृत्यु के पंजे में फंसा वह उससे किसी भी तरह छूट नहीं सकता।

सार रूप में हम यही समझ सकते हैं कि जन्म से लेकर अन्तिम दिन तक मौत की तलवार हमारे सिर पर लटकती रहती है। जैसे कबूतर आँख बन्द कर ले और सोचे कि बिल्ली चली गई है और अब तो मैं सुरक्षित हो गया हूँ। वास्तव में इस प्रकार सोचना उसकी भूल होती है। वह बिल्ली तो अपना शिकार सरलता से पकड़ लेती है और वह बेचारा कबूतर सोचता ही रह जाता है।

इसी प्रकार यदि हम अपने सिर पर लटकती तलवार को देखकर भी अनजान बने रहना चाहते हैं तो मृत्यु को कोई अन्तर नहीं पड़ने वाला। पूर्वजन्म कृत कर्मों के अनुसार मिला हुआ हमारा समय जब पूरा हो जाएगा तब वह मृत्यु हमारे शरीर में विद्यमान इस जीव या आत्मा को बिना आगे-पीछे देखे लेकर चल पड़ेगी। जीव को विवशता से मृत्यु का दामन थामना ही पड़ता है। जो महात्मा जन होते हैं, वे हंसते-हंसते मृत्यु को गले लगा लेते हैं। इसके विपरीत अधर्म करने वाले लोग रोते-रोते मृत्यु के साथ जाते हैं।

मृत्यु तो एक-न-एक दिन हमारे पास आनी ही है इसलिए उससे क्या डरना? महाराज भर्तृहरि जी का कहना है-

अद्यैव मरणं युगान्तरे वा धीराः
न्यायात्पथः पदं न प्रविचलन्ति।

अर्थात् धीर लोग अपने न्याय के मार्ग से एक कदम भी विचलित होते क्योंकि उन्हें मृत्यु का भय नहीं होता।

दूसरे शब्दों में हम कह सकते हैं कि मृत्यु अटल सत्य है। उसका स्वागत प्रसन्न होकर करना चाहिए। इसका डर उन लोगों को होता है जो अपने सच्चाई व ईमानदारी के ठीक रास्ते को छोड़कर गलत रास्ते पर चलकर अपना जीवन बर्बाद कर लेते हैं। जो सत्य के मार्ग पर चलते हैं वे हंसते हुए उसे गले लगाने के लिए उसकी प्रतीक्षा में तैयार बैठे रहते हैं।

माओवाद से समाज को कभी लाभ नहीं हुआ, इससे विनाश ही हुआ है : शाह

जगदलपुर : केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि माओवाद ने कभी किसी समाज को लाभ नहीं पहुंचाया और जहां भी यह मौजूद रहा, उसने तबाही फैलाई। उन्होंने इस संबंध में कोलंबिया, पेरू और कंबोडिया जैसे देशों का उदाहरण दिया। शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले के मुख्यालय जगदलपुर में 'बस्तर पंडुम 2026' सांस्कृतिक कार्यक्रम के समापन समारोह को संबोधित करते हुए दोहराया कि देश से नक्सलवाद की समस्या 31 मार्च तक पूरी तरह खत्म हो जाएगी। उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की और उन्हें सम्मानजनक पुनर्वास का वादा किया। उन्होंने कहा, ''छत्तीसगढ़ सरकार की माओवादी पुनर्वास नीति सबसे आकर्षक है।'' उन्होंने इसको लेकर भी चिंता जतायी कि जो नक्सली अभी भी डटे हुए हैं, उनमें युवा आदिवासी लड़कियां भी शामिल हैं। शाह ने कहा, ''उन्हें (युवा आदिवासी लड़कियों को) पुनर्वास के लिए भेजा जाना चाहिए क्योंकि उनके सामने पूरी जिंदगी पड़ी है।'' शाह ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को किसी भी तरह का नुकसान नहीं पहुंचाए जाने का आश्वासन देते हुए चेतावनी दी कि जो लोग गोली चलाना जारी रखेंगे, आईईडी लगाएंगे और विद्यालयों एवं अस्पतालों को आग लगाएंगे, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा।

उन्होंने कहा, ''सशस्त्र हिंसा का कड़ा जवाब दिया जाएगा। अगर कोई हथियार उठाएगा, तो जवाब भी हथियारों से ही दिया जाएगा। माओवाद ने किसी भी समाज को लाभ नहीं पहुंचाया और जहां भी यह मौजूद रहा, वहां विनाश फैलाया, जिसमें कोलंबिया, पेरू और कंबोडिया जैसी देश भी शामिल हैं।'' शाह ने शेष सशस्त्र नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने की अपील करते हुए कहा, ''हम किसी से लड़ना नहीं चाहते। हमारी लड़ाई अपने आदिवासी भाइयों और बहनों की रक्षा के लिए है। जब आईईडी लगाए जाते हैं, तो निर्दोष बच्चों की जान जा सकती है या वे स्थायी रूप से अपंग हो सकते हैं। यह क्रूरता कहां से आती है?''

यह दावा निराधार है कि लोकसभा में प्रधानमंत्री को कोई तात्कालिक खतरा नहीं था : सूत्र

नयी दिल्ली : लोकसभा सचिवालय के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि कुछ विपक्षी नेताओं का यह दावा निराधार है कि बीते बृहस्पतिवार को सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कोई ''तात्कालिक खतरा'' नहीं था, जबकि उस दिन सदन के घटनाक्रमों से लग रहा था कि कुछ भी अप्रत्याशित हो सकता है। लोकसभा सचिवालय के सूत्रों ने यह स्पष्टीकरण उस वक्त जारी किया है जब नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री पर सदन में किसी विपक्षी सदस्य द्वारा ''हमला करने'' का कोई सवाल ही नहीं उठता तथा यदि किसी ने कोई ऐसी हरकत करने को कहा भी हो तो प्राथमिकी दर्ज करके उसे तत्काल गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

ईडी ने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह के खिलाफ विभिन्न मामलों की जांच के लिए एसआईटी गठित की

नयी दिल्ली : प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल धीरूभाई अंबानी समूह और उससे जुड़ी इकाइयों से जुड़े 40,000 करोड़ रुपये के कथित बैंकिंग और कॉर्पोरेट धोखाधड़ी की जांच के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने 'पीटीआई-भाषा'को एसआईटी का नेतृत्व संघीय जांच एजेंसी की मुख्यालय जांच इकाई (एचआईयू) के अतिरिक्त निदेशक स्तर के अधिकारी कर रहे हैं और इसमें लगभग आधा दर्जन अन्य जांच अधिकारी शामिल हैं। उच्चतम न्यायालय ने पिछले हफ्ते अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) के खिलाफ मामलों की समीक्षा करते हुए ईडी को ''निष्पक्ष, स्वतंत्र, त्वरित और तटस्थ'' जांच के लिए एक एसआईटी गठित करने का निर्देश दिया। न्यायालय ने समूह से जुड़े मामलों की जांच कर रहे केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से साठगांठ, मिलीभगत, साठगांठ और साजिश (यदि कोई हो) की जांच करने और अपनी जांच को तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए कहा था। ईडी पिछले साल से अनिल अंबानी और उनकी रिलायंस ग्रुप की कंपनियों की जांच कर रही है और अब तक उसने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत तीन प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट (ईसीआईआर) दर्ज की हैं और करीब 12 हजार करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। ईसीआईआर पुलिस प्राथमिकी के समकक्ष ईडी की कार्रवाई है।

भीड़भाड़ कम करने और सुरक्षा में सुधार के लिए कई अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी गई : रेल मंत्रालय

नयी दिल्ली : रेल अवसंरचना परियोजनाओं के एक व्यापक समूह को मंजूरी दी गई है, जिसका उद्देश्य देश भर में भीड़भाड़ को खत्म करना, लाइन क्षमता बढ़ाना, सुरक्षा प्रणालियों में सुधार करना और यात्रियों तथा माल की आवाजाही को तेज व अधिक विश्वसनीय बनाना है। रेल मंत्रालय ने सोमवार को यह जानकारी दी। रेल मंत्रालय की ओर से मीडिया में जारी एक बयान में कहा गया है कि इन स्वीकृतियों में दक्षिणी, उत्तरी और दक्षिण-पूर्व रेलवे शामिल हैं, जिनमें लाइन दोहरीकरण, तीसरी और चौथी लाइन, बाईपास कॉरिडोर और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग प्रणाली शामिल हैं। बयान में कहा गया, ''झारखंड में बारबेंडा-दमरुधुतु दोहरीकरण और दमरुधुतु-बोकारो स्टील सिटी की तीसरी और चौथी लाइनें दक्षिण-पूर्व रेलवे के अंतर्गत प्रमुख क्षमता विस्तार परियोजनाएं हैं तथा भारत के ऊर्जा, खनिज और सीमेंट कॉरिडोर की आधारशिला हैं।''

बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने का नोटिस मंगलवार को देने की तैयारी में विपक्ष

नयी दिल्ली : लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को ''बोलने की इजाजत नहीं देने'' तथा कांग्रेस की महिला सांसदों के खिलाफ सदन में अनुचित स्थिति पैदा करने के आरोपों पर विपक्ष अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने संबंधी नोटिस मंगलवार को सौंप सकता है। सूत्रों ने बताया कि सोमवार शाम तक प्रस्ताव संबंधी नोटिस पर 102 सांसदों ने हस्ताक्षर कर दिए थे, हालांकि विपक्ष के एक प्रमुख दल तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने हस्ताक्षर नहीं किए हैं। विपक्ष के एक वरिष्ठ नेता ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, द्रमुक और कुछ अन्य विपक्षी दलों के नेताओं ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस के कई सांसदों के साथ ही सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों ने बताया कि संविधान के अनुच्छेद 94 (सी) के तहत यह प्रस्ताव संबंधी नोटिस मंगलवार को लोकसभा सचिवालय को सौंपा जा सकता है।

दिल्ली सरकार ई-रिक्शा को विनियमित करने के लिये नीति तैयार कर रही है

नयी दिल्ली : दिल्ली सरकार शहर में ई-रिक्शा को विनियमित करने के लिए एक नीति तैयार कर रही है, ताकि इन वाहनों के कारण होने वाली यातायात की भीड़भाड़ से निपटा जा सके और साथ ही परिवहन के इस साधन को अंतिम छोर तक पहुंचने के एक प्रभावी विकल्प के रूप में स्थापित किया जा सके। अधिकारियों ने सोमवार को कहा। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा कि ई-रिक्शा को विनियमित करने के लिए एक नीति की आवश्यकता महसूस की गई, क्योंकि यह न केवल अंतिम छोर तक पहुंचने का एक माध्यम है, बल्कि बड़ी संख्या में लोगों को आजीविका भी प्रदान करता है।

दिल्ली: सड़क दुर्घटना में दिव्यांग हुए व्यक्ति को 68.56 लाख रुपये का मुआवजा देने का निर्देश

नयी दिल्ली : दिल्ली के मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण ने बवाना इलाके में तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने के कारण अपना दाहिना पैर गंवा देने वाले एक व्यक्ति को 68.56 लाख रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया। न्यायाधिकरण के अध्यक्ष सुनील कुमार पीड़ित पवन कुमार की ओर से दाखिल याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। पवन की मोटरसाइकिल को आठ जून 2021 को पूठ खुर्द में वाल्मीकि अस्पताल के पास एक ट्रक ने टक्कर मार दी थी, जिसकी वजह से उसका दाहिना पैर कट गया था। न्यायाधिकरण ने चार फरवरी को पारित आदेश में कहा कि यह साबित हो गया है कि दुर्घटना ट्रक चालक के लापरवाही से और तेज रफ्तार से वाहन चलाने की वजह से हुई, जिसमें पवन को गंभीर चोटें आईं।

हरियाणा: मुख्यमंत्री सैनी ने सड़क को 24 घंटे में गड्ढा मुक्त करने का आदेश दिया

गुरुग्राम : हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अधिकारियों को 24 घंटे के भीतर उमंग भारद्वाज चौक से द्वारका एक्सप्रेसवे तक सड़क को गड्ढा-मुक्त करने का सोमवार को निर्देश दिया। अधिकारियों ने बताया कि जिला लोक संपर्क एवं शिकायत निवारण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि जनकल्याणकारी कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, बैठक में प्रस्तुत 17 शिकायतों में से 12 का निपटारा किया गया और शहर की सभी सड़कों को एक महीने के भीतर सुगम्य बनाने का आदेश दिया गया। सैनी ने हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम (एचएसआईआईडीसी), नगर निगम और गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) को अतिक्रमण हटाने और नियमों के अनुसार मरम्मत कार्य कराने के निर्देश दिए हैं। सेक्टर-85 स्थित कार्नेशन रेजिडेंसी में लंबे समय से चले आ रहे सड़क अवरोध के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने कहा कि समिति की रिपोर्ट के बाद एक बिल्डर ने विवादित निजी भूमि खरीद ली है। उन्होंने सेक्टर-86 को द्वारका एक्सप्रेसवे से जोड़ने वाली 24-मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण दो सप्ताह के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। सैनी ने सूरत नगर फेज-1 में जलभराव की समस्या के समाधान के लिए एक महीने की समय-सीमा तय की है।

बजट में लिखी बातों को न तो पढ़ते और न ही सुनते हैं राहुल गांधी : स्मृति ईरानी

सूरत : पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति जुबिन ईरानी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार द्वारा 2026-27 के बजट में कही गई बातों को न तो ठीक से सुना है और न ही पढ़ा है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने एक विकसित भारत की परिकल्पना को पूरा करने और देश की आर्थिक क्षमता को मजबूत करने के उद्देश्य से एक प्रगतिशील, व्यावहारिक और भविष्योन्मुखी बजट पेश किया है। राहुल गांधी द्वारा बजट को उद्योगपतियों के लिए फायदेमंद बताने पर ईरानी ने कहा, ''बजट में महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना का उल्लेख

है, जो हथकरघा और हस्तशिल्प व्यवसाय में जुटे लोगों के लिए है। ऐसे आरोप लगाने वाला व्यक्ति (राहुल गांधी) न तो ठीक से सुनता है और न ही पढ़ता है। अगर उन्होंने बजट को पढ़ा होता, तो उन्हें बजट में इस प्रावधान की जानकारी होती।'' लोकसभा की पूर्व सदस्य ने कहा कि विभिन्न उद्योग संघों और पेशेवर समूहों ने दिनभर बजट का विश्लेषण करने के लिए एक बैठक की और उन्होंने सूरत की ओर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विशेष रूप से बधाई दी। ईरानी ने कहा, ''आम नागरिकों ने आर्थिक सर्वेक्षण और बजट के माध्यम से प्रदर्शित वित्तीय अनुशासन और पारदर्शिता की सराहना की। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) वाले शहर सूरत ने एमएसएमई के विकास के लिए किए गए प्रावधानों, विशेष रूप से 10,000 करोड़ रुपये के ऋण, संस्थागत और आर्थिक समर्थन का स्वागत किया है।'' भाजपा नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निर्देशों के अनुसार, केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण पर विशेष ध्यान केंद्रित किया और इस पर जोर दिया, जिसकी सूरत के लोगों ने सराहना की है।

इसरो ने चंद्रयान-4 लैंडर के लिए लैंडिंग स्थल की पहचान की

बेंगलुरु : इसरो ने चंद्रयान-4 मिशन शुरू होने से कम से कम दो साल पहले ही चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव क्षेत्र में अपने लैंडर के उतरने के लिए एक स्थल की पहचान कर ली है। केंद्र सरकार ने चंद्रयान-4 मिशन को मंजूरी दे दी है। इस मिशन के तहत चंद्रमा के नमूने लाए जाएंगे। यह भारत का अब तक का सबसे जटिल चंद्रमा मिशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने पहले कहा था, हम चंद्रयान-4 के लिये 2028 का लक्ष्य रख रहे हैं। इसरो के अधिकारियों के अनुसार, उन्होंने मोंस माउटन (एमएम) क्षेत्र के चार स्थलों का चयन किया और उनमें से एक को चंद्रमा की सतह पर उतरने के लिए उपयुक्त पाया। मोंस माउटन चंद्रमा का एक क्षेत्र है। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने एमएम-1, एमएम-3, एमएम-4 और एमएम-5 स्थानों की पहचान की, जिनमें से एमएम-4 को लैंडिंग के लिए चुना गया। उन्होंने कहा, मोंस माउंटेन क्षेत्र के चारों स्थलों को उनकी ऊंचाई और ज़मीन की आकृति के आधार पर ऑर्बिटर हाई रिजॉल्यूशन कैमरा (ओएचआरसी) और विभिन्न तस्वीरों की मदद से पूरी तरह से जांचा गया।

डीजीसीए ने नियमों के उल्लंघन के लिए विमानन कंपनियों को 352 कारण बताओ नोटिस जारी किए

नयी दिल्ली : सरकार ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि विमानन नियामक डीजीसीए ने पिछले दो साल में विभिन्न उल्लंघनों के लिए एयरलाइन कंपनियों को 352 कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। सरकार द्वारा साझा किये गए आंकड़ों के अनुसार एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2025 के दौरान इंडिगो और एअर इंडिया को क्रमशः 98 और 84 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए। नागर विमानन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने एक सवाल के लिखित जवाब में उच्च सदन को यह जानकारी दी। आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एअर इंडिया एक्सप्रेस को 65, स्पाइसजेट को 45, अकासा एयर को 17, सरकारी स्वामित्व वाली एलायंस एयर को 23, फ्लाई बिग को 12, एआईएक्स कनेक्ट को 7 और स्टार एयर को 1 कारण बताओ नोटिस जारी किए। मोहोल ने बताया कि कुल 352 कारण बताओ नोटिस जारी किए गए जिनमें से 139 नोटिस के संबंध में संबंधित विमानन कंपनियों पर जुर्माना लगाया गया। 113 मामलों में महानिदेशालय द्वारा चेतावनी जारी की गई, जबकि 7 मामलों में संतोषजनक जवाब प्राप्त हुए।

आयकर की दरों में बदलाव नहीं होने से मध्यम वर्ग निराश : राघव चड्ढा

नयी दिल्ली : आम आदमी पार्टी (आप) सांसद राघव चड्ढा ने सोमवार को राज्यसभा में कहा कि अगले वित्त वर्ष के बजट में आयकर की दरों में कोई बदलाव नहीं होने से मध्यम वर्ग निराश है। उच्च सदन में 2026-27 के बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए आप सदस्य ने कहा कि लोगों को उम्मीद थी कि आयकर की सीमा में वृद्धि की जाएगी। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं होने से लोगों में खासकर वेतनभोगी वर्ग में निराशा है। उन्होंने कहा कि सरकार को निजी आय कर से मिली राशि कार्पोरेट कर से अधिक हो गयी है। उन्होंने सरकार से मांग की कि आयकर मानक कटौती की सीमा

75,000 रुपये से बढ़ा कर डेढ़ लाख रुपये की जाए। उन्होंने कहा कि अगर आयकर की सीमा नहीं बढ़ा सकते हैं तो बचत पर राहत दी जानी चाहिए और प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए। उन्होंने मुद्रास्फीति से संबद्ध वेतन व्यवस्था लागू किए जाने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार को गौर करना चाहिए कि विदेशी निवेशक बाजार से अपना पैसा क्यों निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रयास करना चाहिए कि उसका कर्ज नहीं बढ़े लेकिन उसने कर्ज लेने के लिए फार्मूला ही बदल दिया। चड्ढा ने लोक स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाए जाने की मांग करते हुए कहा कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का सिर्फ 0.5 प्रतिशत हिस्सा ही स्वास्थ्य पर खर्च किया जाता है जबकि विकसित देशों में यह राशि 18 प्रतिशत तक है। जनता दल (यूनाइटेड) सदस्य संजय कुमार झा ने बजट के प्रावधानों का स्वागत करते हुए कहा कि दीर्घकालिक विकास और क्षमता निर्माण पर जोर दिया गया है।

वैश्विक अस्थिरता की स्थिति में भारत का पेट्रोलियम भंडार 74 दिनों के लिए पर्याप्त : पुरी

नयी दिल्ली : पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को राज्यसभा को बताया कि वैश्विक उथल-पुथल की किसी स्थिति में उत्पन्न मांग को पूरा करने के लिए भारत का रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार 74 दिनों के लिए पर्याप्त है। पुरी उच्च सदन में प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों का उत्तर दे रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत जैसे देश के लिए, जो तेज गति से विकास कर रहा है, व्यवहार्य और सुरक्षित तेल भंडार आवश्यक है, ताकि वैश्विक उथल-पुथल की स्थिति में वह कमजोर स्थिति में नहीं हो। उन्होंने कहा कि भारत के पश्चिमी तट के साथ-साथ पूर्वी तट पर भी तेलशोधक संयंत्र हैं। पुरी ने कहा,'' अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के अनुसार, आज हम विश्व में कच्चे तेल के तीसरे सबसे बड़े उपभोक्ता हैं। कच्चे तेल की हमारे पास विश्व की चौथी सबसे बड़ी शोधन क्षमता है। वर्तमान में लगभग 26 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष है, जो बढ़कर 32 करोड़ मीट्रिक टन प्रति वर्ष हो जाएगी। और, हम विश्व में पेट्रोलियम उत्पादों के पांचवें सबसे बड़े निर्यातक भी हैं।'' उन्होंने कहा कि रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार यह सुनिश्चित करने के लिए बनाया गया है कि वैश्विक स्तर पर किसी भी प्रकार की उथल-पुथल की स्थिति में, हमारे पास अपनी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त भंडार मौजूद हो।

भारत ने सेशेल्स के लिए 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर के आर्थिक पैकेज की घोषणा की

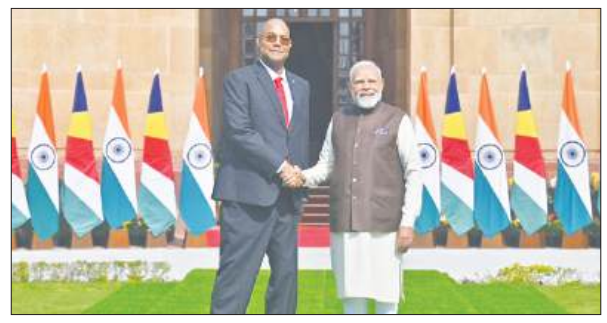

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी के साथ व्यापक बातचीत की जिसके बाद भारत ने सोमवार को इस द्वीप राष्ट्र को विकास सहायता के रूप में 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर देने की घोषणा की। दोनों पक्षों ने सतत विकास, व्यापार, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए एक व्यापक दृष्टिपत्र पर भी सहमति व्यक्त की। हर्मिनी भारत की छह दिवसीय यात्रा पर आए हैं। हिंद महासागर क्षेत्र में सेशेल्स भारत का एक महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी देश है। मोदी ने अपने मीडिया वक्तव्य में कहा, ''भारत और सेशेल्स केवल भौगोलिक रूप से ही नहीं बल्कि इतिहास, विश्वास और भविष्य के लिए साझा दृष्टि से भी जुड़े हुए हैं।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि विकास साझेदारी भारत-सेशेल्स संबंधों की मजबूत आधारशिला रही है। उन्होंने कहा, ''हमारे सभी प्रयास सेशेल्स की प्राथमिकताओं और आवश्यकताओं पर आधारित रहे हैं। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए, आज हम 17.5 करोड़ अमेरिकी डॉलर का एक विशेष आर्थिक पैकेज घोषित करने जा रहे हैं।'' मोदी ने कहा कि यह पैकेज ''ठोस परियोजनाओं'' को समर्थन देगा, जो सामाजिक आवास, परिवहन सुविधा, व्यावसायिक प्रशिक्षण, स्वास्थ्य, रक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में लागू की जाएंगी।

भारत और यूनान ने रक्षा उद्योग सहयोग बढ़ाने के लिए संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए

नयी दिल्ली : भारत और यूनान ने सोमवार को रक्षा औद्योगिक सहयोग को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक संयुक्त घोषणापत्र पर हस्ताक्षर किए, जो साझेदारी को बढ़ाने के लिए पांच वर्षीय रोडमैप विकसित करने की दिशा में एक प्रारंभिक कदम है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और हेलेनिक गणराज्य के रक्षा मंत्री निकोलाओस-जॉर्जियोस डेंडियास के बीच यहां मानेकशॉ सेंटर में हुई द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह समझौता हुआ। बाद में 'एक्स' पर एक पोस्ट में राजनाथ सिंह ने यूनान की उस घोषणा का भी स्वागत किया, जिसमें कहा गया है कि दोनों देशों के बीच समुद्री सहयोग को मजबूत करने के लिए यूनान का एक अंतरराष्ट्रीय संपर्क अधिकारी गुरुग्राम स्थित 'इन्फॉर्मेशन फ्यूजन सेंटर-इंडियन ओशन रीजन' (आईएफसी-आईओआर) में तैनात किया जाएगा। सिंह ने कहा, आज नयी दिल्ली में हेलेनिक गणराज्य के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री निकोलाओस-जॉर्जियोस डेंडियास से मिलकर खुशी हुई। भारत और यूनान ने द्विपक्षीय रक्षा उद्योग सहयोग को मजबूत करने के लिए संयुक्त घोषणा पत्र पर हस्ताक्षर किए और वर्ष 2026 के लिए द्विपक्षीय सैन्य सहयोग योजना का आदान-प्रदान किया।

भारत ने नेपाली सेना को 50 सैन्य वाहन सौंपे

नयी दिल्ली : भारतीय सेना ने सोमवार को कहा कि उसने भारत-नेपाल सीमा पर नेपाली सेना को 50 सैन्य उपयोग वाहन सौंपे हैं, जो दोनों सेनाओं के बीच अटूट बंधन को रेखांकित करता है। भारतीय सेना ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस घटनाक्रम से जुड़ी कुछ तस्वीरें भी साझा कीं। उसने लिखा, रक्षा सहयोग। भारतीय सेना ने भारत-नेपाल सीमा पर नेपाली सेना को 50 सैन्य वाहन सौंपे। नेपाल में भारत के राजदूत काठमांडू में एक समारोह के दौरान इन वाहनों को औपचारिक रूप से सौंपेंगे। पोस्ट में कहा गया है कि यह पहल नेपाली सेना में क्षमता निर्माण से जुड़े प्रयासों को बढ़ावा देने की भारतीय सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है और दोनों सेनाओं के बीच मौजूद दोस्ती, विश्वास और घनिष्ठ सहयोग के अटूट बंधन को रेखांकित करती है। भारतीय सेना ने 'एक्स' पर एक अन्य पोस्ट में म्यांमा की सेना के साथ अपने सहयोग का जिक्र किया। सेना ने कहा, मित्र देशों के साथ रक्षा सहयोग को आगे बढ़ाते हुए, सिम्युलेटर विकास प्रभाग से भारतीय सेना की मोबाइल प्रशिक्षण टीम ने बाहतू में 'म्यांमा आर्मी कॉम्बैट फोर्सेज स्कूल' में 12-लेन वाला पैदल सेना हथियार प्रशिक्षण सिम्युलेटर स्थापित किया है। हथियार प्रशिक्षण सिम्युलेटर एक 'रियल टाइम' या 'वर्चुअल रियल्टी' आधारित प्रशिक्षण प्रणाली होती है, जो वास्तविक जीवन की प्रक्रियाओं की नकल कर उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित, नियंत्रित वातावरण में सैन्य कौशल विकसित करने, अनुभव हासिल करने और आपात स्थितियों से निपटने का अभ्यास करने की सुविधा देती है।

लोकसभा: राहुल को बजट के अलावा अन्य विषय पर बोलने की अनुमति नहीं मिली, कार्यवाही दिनभर के लिए स्थगित

नयी दिल्ली : लोकसभा में बजट पर चर्चा से पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अन्य विषय पर आसन से बोलने की अनुमति नहीं मिलने के बीच कांग्रेस सदस्यों के हंगामे के कारण सदन की बैठक दो बार के स्थगन के बाद दिनभर के लिए स्थगित कर दी गई। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सदन में दावा किया कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने उन्हें बजट पर चर्चा शुरू करने से पहले अपनी बात रखने की अनुमति देने का वादा किया है, वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने कहा कि कांग्रेस नेता की बात शत-प्रतिशत सही नहीं है और अध्यक्ष ने कांग्रेस नेता से कहा था कि पहले वह विषय बताएं जो वह सदन में उठाना चाहते हैं। दो बार के स्थगन के बाद अपराह्न दो बजे बैठक शुरू हुई तो पीठासीन सभापति संध्या राय ने केंद्रीय बजट पर चर्चा की शुरुआत के लिए कांग्रेस सांसद शशि थरूर का नाम पुकारा। थरूर ने उनसे पहले नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को बोलने देने की अनुमति मांगी। पीठासीन सभापति ने कहा कि यदि नेता प्रतिपक्ष बजट पर चर्चा में भाग लेना चाहते हैं तो वह अपनी बात रख सकते हैं। राहुल गांधी ने कहा कि कुछ देर पहले लोकसभा अध्यक्ष के पास कक्ष में कांग्रेस के कुछ सदस्य गए थे और ''उन्होंने (बिरला ने) हमें वादा किया था कि मुझे बजट पर चर्चा से पहले बोलने की अनुमति दी जाएगी। लेकिन अब वह पीछे हट रहे हैं।'' पीठासीन सभापति संध्या राय ने कहा कि उनके पास किसी तरह का नोटिस नहीं है और वर्तमान स्थिति में वह केवल बजट पर बोलने की अनुमति दे सकती हैं।

नेता प्रतिपक्ष को सदन में नहीं बोलने देना बहुत अजीब है : थरूर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने सोमवार को कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को अपनी बात रखने की अनुमति मिलनी चाहिए और सदन में एक पक्ष को बोलने के अधिकार से वंचित किया जाना बहुत अजीबो-गरीब है। थरूर सोमवार को लोकसभा में केंद्रीय बजट पर चर्चा की शुरुआत करने वाले थे लेकिन आसन की ओर से राहुल गांधी को बोलने की अनुमति नहीं मिलने पर विपक्ष के हंगामे के कारण कार्यवाही मंगलवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर ने सवालिया अंदाज में कहा कि लोकसभा अध्यक्ष और सरकार आखिर क्या चाहते हैं? उन्होंने लोकसभा की बैठक के दिन भर के लिए स्थगित होने के बाद संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, स्थिति बहुत अजीब है। मुझे नहीं पता कि अध्यक्ष या सरकार सदन में बजट पर चर्चा चाहते हैं या नहीं। सदन की 70 वर्षों से अधिक की एक पुरानी परंपरा है कि पहले नेता प्रतिपक्ष और फिर संसदीय कार्य मंत्री को बोलने का अवसर दिया जाता है।

संसद में चर्चा नहीं होने का नुकसान विपक्ष को होगा: रीजीजू

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सोमवार को कहा कि अगर संसद में चर्चा नहीं होती है तो इसमें विपक्ष का नुकसान है, क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पास बहुमत है और उसे सदन में कोई भी प्रस्ताव पारित कराने में दिक्कत नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हालांकि सरकार चाहती है कि हर चीज़ चर्चा के बाद ही पारित हो। संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए रीजीजू ने यह भी कहा कि विपक्ष लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है, लेकिन विपक्ष के पास उन्हें हटाने के लिए पर्याप्त संख्या नहीं है। उन्होंने विपक्ष पर लोकसभा अध्यक्ष के पद का अपमान करने का आरोप भी लगाया। उनका कहना था कि कुछ सांसद अध्यक्ष की मेज़ और अधिकारियों की मेज़ पर चढ़ गए और अध्यक्ष के कक्ष में घुस गए। मंत्री ने कहा कि सरकार अध्यक्ष से और कड़ी कार्रवाई करने को कह सकती थी, जबकि उसने सिर्फ आठ विपक्षी सांसदों के निलंबन के फैसले से सहमत जताई। उनके मुताबिक, सरकार सदन चलाना चाहती है और विपक्ष से बात करने के लिए तैयार है। रीजीजू ने कहा, अब मैंने सुना है कि राहुल (गांधी) चार बिंदुओं (शर्तों) के साथ अध्यक्ष से मिलने गए थे, जिनमें सांसदों के निलंबन को वापस लेने की मांग भी शामिल थी। उन्होंने ये बातें मुझसे नहीं कही हैं। सरकार की ओर से हम बिल्कुल स्पष्ट हैं कि हम शुरुआत से ही और आज भी चाहते हैं कि सदन ठीक से चले। लेकिन मैं उस स्थिति से सहमत नहीं हो सकता जहां नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बोलें, आरोप लगाएं, फिर हंगामा करें और दूसरों को बोलने न दें। ऐसा नहीं होगा।''

केंद्रीय अनुबंध में बी श्रेणी में खिसके कोहली, रोहित, बीसीसीआई ने खत्म की ए प्लस श्रेणी

नयी दिल्ली: सीनियर सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा को बीसीसीआई के ताजा सालाना केंद्रीय अनुबंध में अपेक्षा के अनुरूप बी श्रेणी में रखा गया है जबकि बोर्ड ने सात करोड़ की रिटेनरशिप वाली ए प्लस श्रेणी खत्म कर दी है। बीसीसीआई ने सोमवार को 30 पुरूष और 21 महिला क्रिकेटरों को ए, बी और सी श्रेणी के सालाना अनुबंध देने की घोषणा की। नये केंद्रीय अनुबंध संबंधित सत्र में खेले गए मैचों और प्रदर्शन के आधार पर दिये गए हैं। दो प्रारूप में कप्तान शुभमन गिल, तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और टेस्ट हरफनमौला रविंद्र जडेजा को ए श्रेणी में रखा गया है। कोहली और रोहित टेस्ट और टी20 से विदा लेने के बाद एक ही प्रारूप में खेलते हैं और इसलिये शीर्ष श्रेणी में नहीं रह सकते। समझा जाता है कि पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के सुझाव पर प्रशासकों की समिति ने ए प्लस ग्रेड की शुरूआत की थी। यह तीनों प्रारूपों में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले क्रिकेटरों के लिये था और इतने वर्ष में सिर्फ कोहली, रोहित , जडेजा और बुमराह ही इस श्रेणी में रहे हैं। अब इनमें से तीन एक या दो प्रारूपों से विदा ले चुके हैं लिहाजा बोर्ड सिर्फ बुमराह को ए प्लस श्रेणी में नहीं रखना चाहता। गिल का सभी प्रारूपों में खेलना तय नहीं है और टी20 विश्व कप की टीम में उन्हें जगह नहीं मिली है। बीसीसीआई ने तीनों श्रेणियों की रिटेनरशिप फीस की घोषणा नहीं की है। इससे पहले ए श्रेणी में पांच करोड़ रूपये, बी में तीन करोड़ और सी में एक करोड़ रूपये दिये जाते थे। महिला क्रिकेट में अब तक रिटेनरशिप फीस 50 लाख, 30 लाख और 10 लाख रूपये थी।

टीम इंडिया सालाना केंद्रीय अनुबंध (सीनियर पुरुष)

ग्रेड ए : शुभमन गिल, जसप्रीत बुमराह, रविंद्र जडेजा

ग्रेड बी : वॉशिंगटन सुंदर, रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, हार्दिक पंड्या, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, यशस्वी जायसवाल, सूर्यकुमार यादव, श्रेयस अय्यर

ग्रेड सी : अक्षर पटेल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, शिवम दुबे, अर्शदीप सिंह, संजू सैमसन, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, ध्रुव जुरेल, हर्षित राणा, वरूण चक्रवर्ती, नीतिश कुमार रेड्डी, अभिषेक शर्मा, साइ सुदर्शन, रवि बिश्नोई, रूतुराज गायकवाड़

सालाना केंद्रीय अनुबंध (सीनियर महिला)

ग्रेड ए : हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, जेमिमा रौड्रिग्स और दीप्ति शर्मा

ग्रेड बी : रेणुका ठाकुर, शेफाली वर्मा, रिचा घोष, स्नेह राणा

ग्रेड सी : राधा यादव, अमनजोत कौर, प्रतिका रावल, क्रांति गौड़, उमा छेत्री, अरूंधति रेड्डी, श्रीचरणी, यास्तिका भाटिया, हरलीन देयोल, काशवी गौतम, जी कमलिनी।

यूएई के खिलाफ जीत से ग्रुप में स्थिति मजबूत करना चाहेगा न्यूजीलैंड

चेन्नई: न्यूजीलैंड मंगलवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज कर ग्रुप-डी में अपनी स्थिति मजबूत करने के इरादे से मैदान पर उतरेगा। अफगानिस्तान के खिलाफ पांच विकेट की जीत से उत्साहित न्यूजीलैंड की टीम अपेक्षाकृत आसान प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ आत्मविश्वास भरा प्रदर्शन करना चाहेगी। उस मैच में अनुभवी बल्लेबाजी क्रम ने मुश्किल हालात में 183 रन के लक्ष्य का सफल पीछा किया था। कप्तान मिचेल सेंटनर को फिन एलेन और रचिन रविंद्र से बेहतर शुरुआत की उम्मीद होगी, जबकि ग्लेन फिलिप्स से मध्यक्रम में अहम योगदान की दरकार रहेगी। यूएई की टीम में कप्तान मोहम्मद वसीम, अलीशान शराफू और तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी जैसे अनुभवी खिलाड़ी हैं, जो किसी भी टीम को चौंका सकते हैं। हालांकि मुकाबले में पलड़ा न्यूजीलैंड की ओर झुका नजर आता है।

पाकिस्तान को चौंकाने के बाद नीदरलैंड के सामने नामीबिया की चुनौती

नयी दिल्ली : पाकिस्तान को कड़ी टक्कर देकर आत्मविश्वास से लबरेज नीदरलैंड मंगलवार को यहां टी20 विश्व कप ग्रुप-ए में एसोसिएट देशों के अहम मुकाबले में नामीबिया से भिड़ेगा।श्रीलंका में खेले गए पहले मुकाबले में नीदरलैंड ने पूर्व चैंपियन पाकिस्तान को परेशान किया था और अब वह उसी प्रदर्शन को जीत में बदलने के इरादे से उतरेगा। कप्तान स्कॉट एडवर्ड्स, बास डी लीडे और कॉलिन एकरमैन की मौजूदगी में बल्लेबाजी संतुलित दिखती है, हालांकि अंतिम ओवरों में रन गति बढ़ाना टीम के लिए चुनौती रहेगा।दूसरी ओर, गेरहार्ड इरास्मस की अगुआई में नामीबिया की टीम संतुलित गेंदबाजी के दम पर उलटफेर करने का माद्दा रखती है। जान फ्रायलिंक, जेजे स्मिट और रूबेन ट्रम्पेलमैन दिल्ली की परिस्थितियों में प्रभावी साबित हो सकते हैं।मुकाबले में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर की उम्मीद है।

राहुल के शतक से मुंबई को हराकर कर्नाटक रणजी ट्रॉफी सेमीफाइनल में

मुंबई: भारतीय बल्लेबाज लोकेश राहुल के 24वें प्रथम श्रेणी शतक की बदौलत कर्नाटक ने सोमवार को यहां 42 बार के चैंपियन मुंबई को चार विकेट से हराकर रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। राहुल ने 182 गेंद में 14 चौकों और एक छक्के से 130 रन की पारी खेली जिससे कर्नाटक ने 325 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए छह विकेट पर 325 रन बनाकर जीत दर्ज की बेंगलुरु में अगले हफ्ते होने वाले सेमीफाइनल में कर्नाटक की भिड़ंत अब उत्तराखंड से होगी। भारत की टेस्ट और एकदिवसीय टीम के अहम सदस्य राहुल को रविचंद्रन स्मरण (नाबाद 83, 123 गेंद, 11 चौके) के रूप में उम्दा जोड़ीदार मिला। दोनों ने मैच के चौथे दिन चौथे विकेट के लिए 147 रन की साझेदारी करके कर्नाटक की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राहुल की पारी की बदौलत आठ बार का चैंपियन कर्नाटक लंच तक तीन विकेट पर 265 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में था। राहुल हालांकि लंच के तुरंत बाद तुषार देशपांडे का शिकार बने। देशपांडे और तनुष कोटियान ने इसके बाद कर्नाटक का स्कोर छह विकेट पर 285 रन कर दिया। बाइस साल के स्मरण ने इसके बाद अपना विकेट बचाने को तरजीह जबकि विद्याधर पाटिल ने 30 गेंद में चार चौकों और एक छक्के से नाबाद 31 रन की पारी खेलकर कर्नाटक को लक्ष्य तक पहुंचा दिया। इससे पहले राहुल ने अपनी पारी के दौरान काफी धैर्य दिखाया और कोटियान की गेंद पर चौके के साथ शतक पूरा किया।

अमेरिका-पाकिस्तान फिर आमने-सामने, बल्लेबाजी पर रहेंगी नजरें

कोलंबो: पाकिस्तान मंगलवार को यहां आईसीसी टी20 विश्व कप में अमेरिका के खिलाफ उतरते समय 20 महीने पहले मिली चौंकाने वाली हार का बदला लेने के इरादे से खेलेगा। वर्ष 2024 में विश्व कप में पदार्पण करते हुए अमेरिका ने पाकिस्तान को हराकर सबको चौंका दिया था।मौजूदा टूर्नामेंट में भारत से हार के बाद अमेरिका की टीम सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में पाकिस्तान के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की कोशिश करेगी। दोनों टीमों के लिए बल्लेबाजी बड़ी चुनौती बनी हुई है। पाकिस्तान को बाबर आजम और सईम अयूब से मजबूत शुरुआत की उम्मीद होगी, जबकि कप्तान सलमान अली आगा ने दबाव में बेहतर प्रदर्शन की जरूरत पर जोर दिया है।अमेरिका की नजरें कप्तान मोनांक पटेल और तेज गेंदबाज सौरभ नेत्रवलकर पर रहेंगी। हालांकि अली खान की फिटनेस को लेकर टीम की चिंता बनी हुई है।

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन और बेनेट की नाबाद पारी से जिम्बाब्वे की आसान जीत

कोलंबो: ब्लेसिंग मुजरबानी की अगुवाई में गेंदबाजों के घातक प्रदर्शन के बाद ब्रायन बेनेट की नाबाद पारी से जिम्बाब्वे ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप-बी के मुकाबले में सोमवार को ओमान को आठ विकेट से करारी शिकस्त दी।पहले बल्लेबाजी करते हुए ओमान की टीम 103 रन पर सिमट गई। जवाब में जिम्बाब्वे ने 13.3 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और 45 गेंद शेष रहते जीत दर्ज की।जिम्बाब्वे की ओर से मुजरबानी ने चार ओवर में 16 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि रिचर्ड नगारवा ने चार ओवर में 17 रन देकर तीन बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। ब्रैंड इवांस ने भी 3.5 ओवर में 18 रन देकर तीन विकेट लेकर ओमान की पारी को समेटने में अहम भूमिका निभाई।ओमान की शुरुआत बेहद खराब रही और टीम ने 27 रन तक पांच विकेट गंवा दिए। विनायक शुक्ला (28), सूफियान महमूद (25) और नदीम खान (20) की उपयोगी पारियों की बदौलत ओमान 100 रन का आंकड़ा पार कर सका।लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे के सलामी बल्लेबाज तादिवांशे मारुमनी ने तेज 21 रन बनाए। इसके बाद ब्रायन बेनेट ने 36 गेंदों में नाबाद 48 रन की शानदार पारी खेली। अनुभवी विकेटकीपर ब्रेंडन टेलर ने 31 रन बनाकर टीम को जीत के करीब पहुंचाया, हालांकि वह रिटायर्ड हर्ट हो गए।इस जीत के साथ जिम्बाब्वे ने टूर्नामेंट में अपनी मजबूत दावेदारी पेश की।

मुन्से और लीस्क के दम पर स्कॉटलैंड ने इटली को 73 रन से रौंदा

कोलकाता: सलामी बल्लेबाज जॉर्ज मुन्से के आक्रामक अर्धशतक और माइकल लीस्क के शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन से स्कॉटलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप-सी मुकाबले में सोमवार को इटली को 73 रन से हराकर टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्कॉटलैंड ने मुन्से की 54 गेंदों में 84 रन की शानदार पारी की बदौलत चार विकेट पर 207 रन बनाए और मौजूदा टूर्नामेंट में 200 रन का आंकड़ा पार करने वाली पहली टीम बनी। मुन्से ने अपनी पारी में दो छक्के और 14 चौके लगाए तथा माइकल जोन्स (37) के साथ पहले विकेट के लिए 126 रन की साझेदारी की। अंतिम ओवरों में ब्रैंडन मैकमुलेन (नाबाद 41) और लीस्क (नाबाद 22) की ताबड़तोड़ बल्लेबाजी ने स्कोर को मजबूत बनाया। लक्ष्य का पीछा करते हुए इटली की शुरुआत खराब रही और टीम 16.4 ओवर में 134 रन पर सिमट गई। लीस्क ने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 17 रन देकर चार विकेट झटके, जबकि मार्क वाट ने दो विकेट लिए। इटली की ओर से बेन मानेंती (52) और हैरी मानेंती (37) ने चौथे विकेट के लिए 73 रन की साझेदारी कर संघर्ष किया। हैरी मानेंती ने विश्व कप में अर्धशतक लगाने वाले इटली के पहले बल्लेबाज बनने का गौरव हासिल किया। मैच की शुरुआत में इटली को बड़ा झटका तब लगा जब कप्तान वेन मेडसन कंधे में चोट के कारण मैदान से बाहर चले गए।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सूर्या की संयमित कप्तानी ने मेरा काम आसान कर दिया: गंभीर

नयी दिल्ली: भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने सूर्यकुमार यादव की 'संयमित नेतृत्व क्षमता' की तारीफ करते हुए कहा कि टी20 प्रारूप में कप्तान के तौर पर वह सभी कसौटी पर खरे उतरते हैं और इससे उनका दबाव भरा काम थोड़ा आसान हो जाता है। स्टार स्पोर्ट्स द्वारा साझा किए गए एक छोटे वीडियो में गंभीर ने कहा कि मौजूदा टी20 विश्व कप में सूर्यकुमार जैसे आक्रामक बल्लेबाज का कप्तान होना भारत के लिए सौभाग्य की बात है। इस वीडियो में यह नहीं पता चल रहा है कि गंभीर ने यह बयान कब दिया है। गंभीर ने कहा, 'सूर्यकुमार ने इस प्रारूप में मेरा काम बहुत आसान कर दिया है। वह लोगों के लिए एक बेहतरीन कप्तान हैं, यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वह मैदान पर क्या करते हैं, या बल्लेबाज के रूप में कैसे हैं, या उनके शॉट्स इस प्रारूप में कैसे हैं।' उन्होंने कहा, 'कोच के तौर पर कभी-कभी आपके दिमाग में कई बातें चल रही होती हैं, लेकिन जब आप जानते हैं कि सूर्यकुमार माहौल को शांत बनाए रखेंगे, जैसा किसी भी कोच का सपना होता है, तो बहुत कुछ आसान हो जाता है।' भारत ने सूर्यकुमार की शानदार बल्लेबाजी के बूते शनिवार को विश्व कप के अपने शुरुआती मैच में अमेरिका को हराया।

प्लास्टिक उद्योग टिकाऊ उत्पाद बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाए: पासवान

नयी दिल्ली: केंद्रीय खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्री चिराग पासवान ने सोमवार को कहा कि प्लास्टिक उद्योग टिकाऊ उत्पादों के निर्माण के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाए। मंत्री यहां पांच से 10 फरवरी, 2026 तक आयोजित हो रही प्रदर्शनी 'प्लास्टइंडिया 2026' को संबोधित कर रहे थे। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पासवान ने 'प्लास्टिक उद्योग स्थिति रिपोर्ट 2025' जारी की और प्लास्टइंडिया फाउंडेशन द्वारा आईआईएम कलकत्ता इनोवेशन पार्क (आईआईएमसीआईपी) के सहयोग से विकसित 'स्टार्टअप खोज पहल' के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। उद्योग जगत के हितधारकों को संबोधित करते हुए पासवान ने बर्बादी को कम करने और 'विकसित भारत' के दृष्टिकोण के अनुरूप स्थायित्व को बढ़ावा देने के लिए प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल पर जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय विकास और आत्मनिर्भरता में योगदान देते हुए टिकाऊ विनिर्माण की दिशा में प्लास्टिक उद्योग के सामूहिक प्रयासों की सराहना की। पासवान ने उद्योग से गुणवत्ता के साथ समझौता न करने का भी आग्रह किया।

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से बाजार में तेजी, सेंसेक्स 485 अंक चढ़कर 84,000 अंक के पार

मुंबई: प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में तेजी जारी रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर उत्साह और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं तथा रियल्टी शेयरों में जोरदार लिवाली से बाजार को समर्थन मिला। इस दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 485.35 अंक या 0.58 प्रतिशत बढ़कर 84,065.75 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार के दौरान सेंसेक्स एक समय 734.28 अंक तक चढ़कर 84,314.68 अंक के उच्चस्तर पर पहुंच गया था। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 173.60 अंक या 0.68 प्रतिशत बढ़कर 25,867.30 अंक पर बंद हुआ। सत्र के दौरान सूचकांक 228.55 अंक की तेजी के साथ एक वक्त 25,922.25 अंक के ऊपरी स्तर पर पहुंच गया था। सेंसेक्स के शेयरों में भारतीय स्टेट बैंक, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील, इटर्नल, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, कोटक महिंद्रा बैंक, इंडिगो, ट्रेंट, महिंद्रा एंड महिंद्रा, लार्सन एंड टुब्रो, सन फार्मास्युटिकल्स और एशियन पेंट्स में उल्लेखनीय तेजी हुई।

न्यूज अपडेट

मजबूत वैश्विक रुख के कारण चांदी छह प्रतिशत बढ़कर 2.72 लाख रुपये पर, सोने में भी बढ़त

नयी दिल्ली: मजबूत वैश्विक रुख और कमजोर डॉलर के कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी की कीमतें छह प्रतिशत से अधिक बढ़कर 2.72 लाख रुपये प्रति किलोग्राम हो गईं, जबकि सोना लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 1.58 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, चांदी शुक्रवार के 2,55,000 रुपये प्रति किलोग्राम के बंद भाव से 17,000 रुपये, या 6.66 प्रतिशत बढ़कर 2,72,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी कर सहित) हो गई। इसके अलावा, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,300 रुपये, या 0.83 प्रतिशत बढ़कर 1,58,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी कर सहित) हो गया। पिछले सत्र में यह 1,57,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

ईपीएफओ का नया ऐप सदस्यों को यूपीआई के जरिये पीएफ का पैसा निकालने की सुविधा देगा

नयी दिल्ली: कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के अंशधारक इस साल अप्रैल में पेश होने वाले एक नए मोबाइल एप्लिकेशन के जरिये यूपीआई (यूपीआई) भुगतान गेटवे का उपयोग करके अपने पीएफ का पैसा सीधे बैंक खातों में पा सकेंगे। एक शीर्ष सूत्र ने यह जानकारी दी। सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि श्रम मंत्रालय एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है, जिसके तहत ईपीएफ का एक निश्चित हिस्सा सुरक्षित कर दिया जाएगा, जबकि एक बड़ा हिस्सा यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये बैंक खाते के माध्यम से निकासी के लिए उपलब्ध होगा। सूत्र ने आगे बताया कि ईपीएफओ एक नया मोबाइल ऐप पेश करेगा, जिसके जरिये सदस्य यूपीआई गेटवे का उपयोग करके पैसे निकालने के साथ ही पासबुक शेष राशि जैसी अन्य सेवाओं का लाभ उठा सकेंगे।

भारत को 2070 तक 'शुद्ध शून्य' लक्ष्य हासिल करने के लिए 22.7 लाख करोड़ डॉलर की जरूरत: नीति आयोग

नयी दिल्ली: नीति आयोग के एक अध्ययन में सोमवार को कहा गया कि भारत को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम करने और 2070 तक 'शुद्ध शून्य' उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल करने के लिए कुल 22.7 लाख करोड़ डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी। 'विकसित भारत और शुद्ध शून्य की ओर परिदृश्य : एक अवलोकन' शीर्षक वाली नीति आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, इस कुल आवश्यकता का वार्षिक औसत लगभग 500 अरब डॉलर है। इसकी तुलना में 2024 में वास्तविक वार्षिक निवेश लगभग 135 अरब डॉलर रहा, जिसमें से केवल 70-80 अरब डॉलर ही इस समय स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया कि कुल राशि में से लगभग आठ लाख करोड़ डॉलर का निवेश 2050 तक पहले करना होगा, जिसमें बिजली क्षेत्र में लगभग पांच लाख करोड़ डॉलर का निवेश शामिल हैं। अध्ययन के अनुसार, घरेलू और बाहरी सुधारों के साथ भारत 2070 तक अपने शुद्ध शून्य लक्ष्य के लिए लगभग 16.2 लाख करोड़ डॉलर जुटा सकता है। घरेलू स्तर पर इसके लिए कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार को मजबूत करने, घरेलू बचत के वित्तीयकरण को बढ़ाने और संस्थागत निवेशकों को नए क्षेत्रों में निवेश के लिए प्रोत्साहित करने की जरूरत है।

आयकर नियम में नकद जमा, कार खरीदने में पैन उल्लेख करने के लिए लेन-देन सीमा बढ़ाने का प्रस्ताव

नयी दिल्ली: आयकर नियम के मसौदे में बैंकों में नकद जमा/निकासी, गाड़ी और संपत्ति खरीदने और होटल बिल भुगतान के लिए पैन का उल्लेख करने को लेकर लेन-देन सीमा को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाने का प्रस्ताव है। मसौदे में नियोक्ताओं द्वारा दी जाने वाली सुविधाओं का मूल्य बढ़ाने और क्रिप्टो एक्सचेंज के लिए कर विभाग के साथ जानकारी साझा करना अनिवार्य करने का भी प्रस्ताव है। इसमें केंद्रीय बैंक डिजिटल करेंसी (सीबीडीसी) को इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के स्वीकृत तरीके के तौर पर भी शामिल किया गया है। मसौदा नियम में आवास किराया भत्ते (एचआरए) का दावा करने के मकसद से बेंगलुरु, पुणे, अहमदाबाद और हैदराबाद को शामिल करने के लिए श्रेणी-1 महानगरों की सूची का विस्तार किया गया है। इस सूची में दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और चेन्नई शामिल हैं। वित्त मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) संबंधित पक्षों से सलाह के बाद नियमों को अंतिम रूप देगा और मार्च के पहले सप्ताह तक उन्हें अधिसूचित करेगा। आयकर कानून, 2025 को लागू करने के लिए आयकर नियमों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नया आयकर कानून एक अप्रैल से लागू होगा। प्रस्तावित आयकर नियम, 2026 के अनुसार, किसी व्यक्ति के एक या ज्यादा खातों में, एक वित्त वर्ष में कुल 10 लाख रुपये या उससे ज्यादा नकद जमा करने या निकालने के लिए स्थायी खाता संख्या (पैन) बताना जरूरी होगा।

आरबीआई ने एमएसई के लिए गारंटीमुक्त ऋण की सीमा 25 लाख रुपये तक बढ़ाई

मुंबई: भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सोमवार को कहा कि बैंक बेहतर पृष्ठभूमि और मजबूत वित्तीय स्थिति वाली सूक्ष्म एवं लघु इकाइयों (एमएसई) को 25 लाख रुपये तक का गारंटीमुक्त ऋण दे सकते हैं। केंद्रीय बैंक ने इसके लिए 'सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र को ऋण' से संबंधित निर्देशों में संशोधन किया है। आरबीआई ने बताया कि मौजूदा नियमों में संशोधन कर सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) के लिए बिना गारंटी वाले ऋण की अनिवार्य सीमा को बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दिया गया है। आरबीआई ने कहा, बैंक अपनी आंतरिक नीति के अनुसार, एमएसई इकाइयों के बेहतर पृष्ठभूमि और वित्तीय स्थिति के आधार पर, 25 लाख रुपये तक के ऋण के लिए 'गारंटी' की आवश्यकता को समाप्त करने की सीमा बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा, बैंक जहां लागू हो वहां 'क्रेडिट गारंटी योजना' के कवर का लाभ भी उठा सकते हैं। संशोधित निर्देशों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि ऋण लेने वाला व्यक्ति बिना गारंटी वाली सीमा तक के ऋण के लिए अपनी मर्जी से सोना या चांदी गिरवी रखता है, तो इसे उपरोक्त नियमों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। इन संशोधनों की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए आरबीआई ने कहा कि इसका उद्देश्य उन सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए ऋण वितरण की अंतिम कड़ी को मजबूत करना है, जिनके पास गारंटी के तौर पर गिरवी रखने के लिए सीमित संपत्ति है।

ट्रेड यूनियनों ने कहा, 12 फरवरी की राष्ट्रव्यापी हड़ताल में 30 करोड़ मजदूर हिस्सा लेंगे

नयी दिल्ली: दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के एक संयुक्त मंच ने सोमवार को कहा कि 12 फरवरी को राष्ट्रव्यापी आम हड़ताल का आह्वान जारी है, और उम्मीद है कि देश भर से कम से कम 30 करोड़ मजदूर इस विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे। यूनियनों के समूह ने केंद्र सरकार की 'मजदूर विरोधी, किसान विरोधी और राष्ट्र विरोधी कॉरपोरेट समर्थक नीतियों'' के खिलाफ अपना विरोध दिखाने के लिए नौ जनवरी, 2025 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया था। ऑल इंडिया ट्रेड यूनियन कांग्रेस की महासचिव, अमरजीत कौर ने पत्रकारों को बताया कि इस बार '12 फरवरी (बृहस्पतिवार) को बुलाई गई हड़ताल में, 30 करोड़ से कम मज़दूर हिस्सा नहीं लेंगे।